

शिक्षा की प्रगति

१९८१-८२



शिक्षा निदेशालय उ. प्र. इलाहाबाद

उत्तर प्रदेश में शिक्षा की प्रगति

सामान्य शिक्षा



1981-82

शिक्षा निदेशालय, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद

विषय-सूची

अध्याय				पृष्ठ-संख्या
1—सामान्य पर्यवेक्षण	1-3
2—प्राथमिक शिक्षा	4-5
3—अनौपचारिक शिक्षा	6-7
4—पूर्व माध्यमिक शिक्षा	8
5—माध्यमिक शिक्षा	9-10
6—अध्यापक प्रशिक्षण	11-12
7—उच्च शिक्षा	13-15
8—प्रौढ़ शिक्षा	16-18
9—विविध	19-80

अध्याय 1

सामान्य पर्यवेक्षण

शिक्षा मानव के सर्वोन्मुखी विकास का सर्वोत्तम साधन है। शिक्षा मनुष्य को अपने वातावरण के अनुसार ढालने, सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करने, स्वस्थ जीविकोपार्जन करने तथा जीवन के उत्कृष्ट मूल्यों के प्रति आस्थावान दृष्टिकोण विकसित करने में सहायक है। प्रजातांत्रिक शासन पद्धति में जनता को शिक्षित होने से जहाँ एक ओर प्रजातन्त्र को दृढ़ आधारशिला मिलती है, वहीं दूसरी ओर लोगों को अपने दायित्व को निर्वह करने की सामर्थ्य भी प्राप्त होती है। इस दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए शिक्षा को प्रदेश के नियोजित विकास में प्रमुख स्थान दिया गया है, जिसके परिणामस्वरूप विभिन्न योजना अवधियों में शैक्षिक सुविधाओं में तीव्र गति से वृद्धि हुई है।

इन अवधियों में राष्ट्रीय शैक्षिक सिद्धान्तों के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा पद्धति के अन्तर्गत्त और स्तरों के सुधार हेतु व्यापक कार्यक्रम अपनाये गये हैं। प्रदेश की निरन्तर बढ़ती हुई जनसंख्या के सन्दर्भ में और सीमित संसाधनों के अन्तर्गत क्रमिक रूप से शैक्षिक प्रगति जैसे—शिक्षा के विषयवस्तु में परिवर्तन, स्तरोन्नयन अध्यापन की उन्नत पद्धतियों का ग्रहण, परीक्षा प्रणाली पाठ्य-पुस्तक, अध्ययन, अध्यापन और प्रशिक्षण में सुधार हेतु प्रबल प्रयत्न होते रहे हैं।

शिक्षा के प्रमुख स्तरों पर हमारी नीतियाँ और कार्यनीतियाँ निम्नवत् हैं :—

प्राथमिक शिक्षा—1-6-14 वय वर्ग के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना। इस हेतु प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिकरण के कार्यक्रम को सर्वाधिक महत्ता प्रदान की जा रही है और बजट का काफी बड़ा अंश इस आधारभूत कार्यक्रम पर लगाया जा रहा है।

2—हास एवं अवरोध की समस्या के निवारणार्थ कारगर उपाय किये जाने हेतु वर्तमान में पहले से चले आ रहे कार्यक्रमों को और अधिक लाभप्रद बनाना तथा स्कूलों की धारण क्षमता में वृद्धि करना।

3—अनुसूचित जाति/जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के लड़कों तथा लड़कियों को स्कूलों में भर्ती पर विशेष बल दिया जाना।

4—समाज के निर्बल वर्ग के बच्चों के लिये निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें, पोशाक मध्याह्न अल्पाहार तथा छात्रवृत्तियों की अधिकाधिक व्यवस्था करना।

5—प्राथमिक शिक्षा के परिवेश में सुधार हेतु भवनों की व्यवस्था और पुराने भवनों का रख-रखाव तथा आवश्यक उपस्कर तथा शैक्षिक उपकरणों की व्यवस्था करना।

6—सर्वेक्षण के आधार पर असेवित क्षेत्रों में नये स्कूलों का वरीयता क्रम में खोला जाना।

अनौपचारिक शिक्षा—प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिकरण के उद्देश्य की पूर्ति की दिशा में भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश में अनौपचारिक शिक्षा योजना लागू की गयी है। वर्तमान योजना 9-14 वय वर्ग के ऐसे बालक/बालिकाओं के लिये है जो कमी सामान्य प्राइमरी पाठशाला में नहीं गये थे या जिन्होंने किन्हीं प्राथमिक एवं सामाजिक कारणों से अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की और बीच में ही पढ़ना छोड़ दिया। ऐसे बच्चों को थोड़े समय में अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों में पढ़ने की व्यवस्था की गयी है।

गुणात्मक सुधार:—प्रारम्भिक शिक्षा के गुणात्मक सुधार के लिये पाठ्यक्रमों में संशोधन करना, शिक्षा को पर्यावरण से जोड़ना, समाजोपयोगी उत्पादक कार्य का पाठ्य-क्रम में समावेश करना तथा पाठ्यक्रम को स्कूल के बच्चों के लिये सुसंगत बनाना ।

2—गुणात्मक सुधार हेतु पाठ्यक्रमों के स्तर में सुधार लाना और शिक्षण तथा मूल्यांकन में गतिशील पद्धतियाँ अपनाना ।

3—निर्बल वर्ग के बच्चों की शिक्षा के लिये प्रोत्साहन कार्यक्रम—निर्बल-वर्ग के विशेष-कर शिक्षा के प्रति उदासीन परिवारों के बच्चों को विद्यालयों में लाने के लिये निःशुल्क पुस्तकें, लेखन-सामग्री, यूनिफार्म, उपस्थिति, छात्रवृत्ति तथा जालाहार की योजनाएँ प्रदेश में चल रही हैं ।

माध्यमिक शिक्षा—माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में इसके विकास के लिये सुनियोजित नीति का अपनाया जाना तथा क्षेत्रीय असन्तुलन दूर करने हेतु नये माध्यमिक विद्यालयों को मुख्य रूप से अपेक्षाकृत कम सेवित पिछड़े क्षेत्रों में खोला जाना ।

2—गुणात्मक सुधार कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया जाना, जिसके अन्तर्गत पाठ्यक्रम को सघन बनाना, पाठ्यक्रमों का स्तर उन्नत करना, शिक्षा प्रणाली को उन्नत बनाना आदि सम्मिलित हैं । विद्यालयों की प्रयोगशीलता की ओर उन्मुख करने के लिये विद्यालयों में अभिनव प्रयोग की एक योजना प्रारम्भ की गयी है ।

3—विद्यालय भवन, काष्ठोपकरण, प्रयोगशालाएँ तथा साज-सज्जा की दृष्टि से विद्यालयों के सुदृढीकरण पर विशेष बल दिया जा रहा है ।

4—माध्यमिक शिक्षा परिषद् की परीक्षा पद्धति के अभिनवीकरण हेतु एक पत्राचार संस्थान की स्थापना की गयी है ।

अध्यापक प्रशिक्षण—अध्यापकों के व्यावसायिक अशिक्षण की दृष्टि से प्राथमिक तथा माध्यमिक दोनों ही स्तरों पर अध्यापकों के पुनर्बोधात्मक केन्द्र स्थापित किये गये हैं । इसके अतिरिक्त विभिन्न पाठ्य विषयों के लिये अध्यापन पद्धति में व्यापक सुधार लाने के उद्देश्य से सतत शिक्षा केन्द्र भी प्रारम्भ किये गये हैं ।

उच्च शिक्षा—उच्च शिक्षा के विस्तार के स्थान पर उसके सुदृढीकरण पर विशेष बल दिया जा रहा है । पर्वतीय क्षेत्र में उन छात्रों जिनके घर से 10 किलोमीटर की परिधि में उच्च शिक्षा की सुविधा नहीं है, को अध्ययन करने हेतु विशेष छात्रवृत्तियाँ देने की व्यवस्था की गई है ।

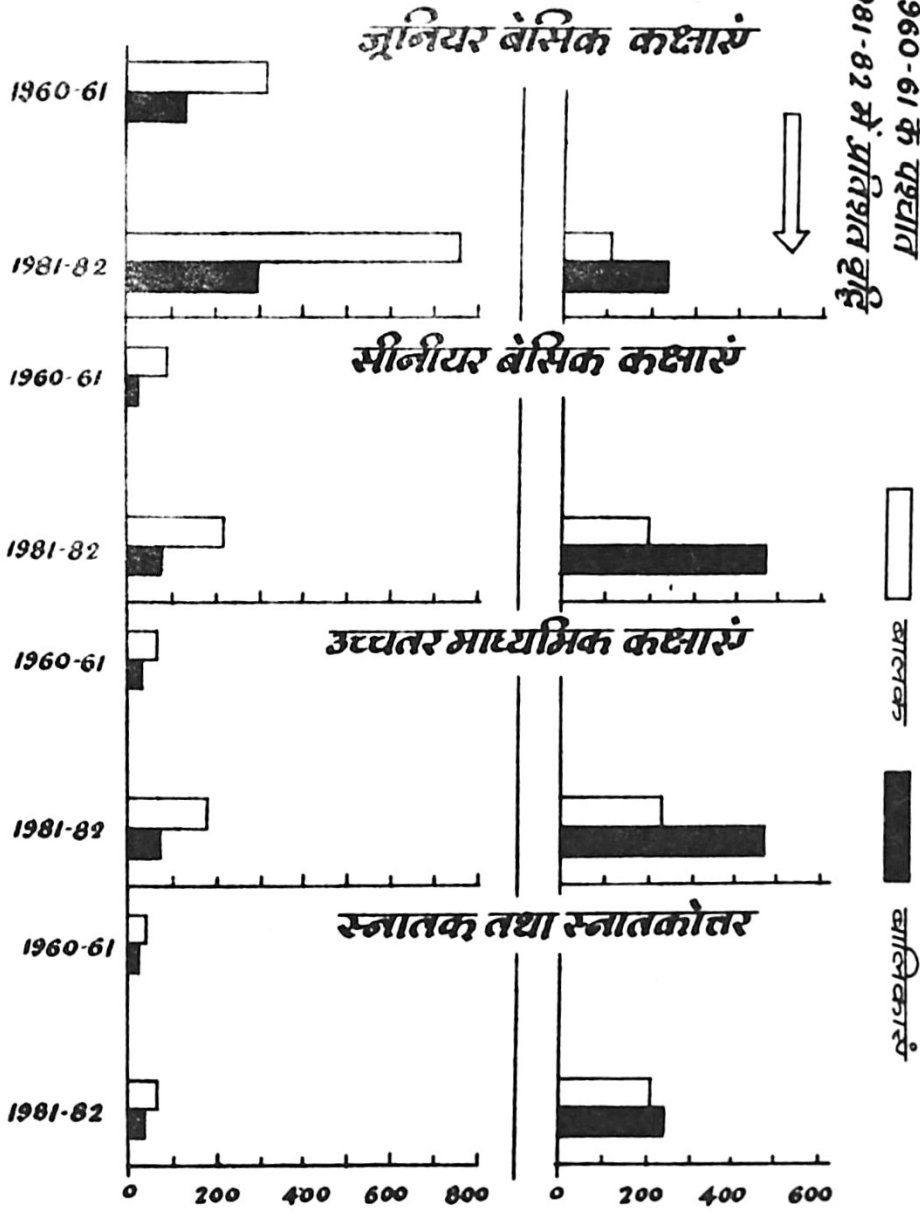
राष्ट्रीय सेवा योजना—भारत सरकार द्वारा एन० सी० सी० के विकल्प के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में संचालित है । योजना का मुख्य उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व की भावना पैदा करके उन्हें रचनात्मक कार्यों में लगाना है ।

प्रौढ़ शिक्षा—प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत 1981-82 में प्रदेश के 44 जनपदों के 81 विकास खण्डों में 46 परियोजनाओं के अन्तर्गत 11,600 प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों के खोलने तथा लगभग साढ़े तीन लाख 15-35 वयवर्ग के प्रौढ़ प्रतिभागियों को साक्षर बनाने का लक्ष्य है ।

खेल-कूद एवं युवक कल्याण—छात्र/छात्राओं को शिक्षा के साथ सामाजिकता एवं स्वस्थ नागरिकता का प्रशिक्षण देने एवं उनके शरीर को हृष्ट-पुष्ट बनाने तथा उन्हें चुस्त रखने के उद्देश्य से अनेक कार्यक्रम संचालित किये गये हैं । इसके अन्तर्गत छात्र/छात्रा खिलाड़ियों

उत्तर प्रदेश के स्कूल तथा कॉलेजों में छात्र-संख्या

1960-61 के पश्चात्
1981-82 में प्रतिशत वृद्धि



को प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिये कोर्चिंग, विजेताओं को छात्रवृत्तियां देना राष्ट्रीय शारीरिक दक्षता अभियान विद्यालयों में पाठ्य सहगामी सांस्कृतिक कार्यक्रम, पूर्व माध्यमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों में बालचर योजना का विस्तार, अपना देश अपना प्रदेश जानो आदि योजनायें सम्मिलित हैं। स्काउटिंग एवं गाइडिंग अब हमारी संस्थाओं में कक्षा 6-8 तक शिक्षण कार्यक्रम का अभिन्न अंग है। उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की समस्त शिक्षा संस्थाओं में रेडक्रास का प्रशिक्षण भी लागू किया गया है।

अन्य कार्यक्रम—शिक्षा विभाग के अधीन माध्यमिक शिक्षा के कतिपय शिक्षण तथा निरीक्षण शाखा के पदों के संवर्गों का विकेन्द्रीकरण तथा अधीनस्थ शिक्षा सेवा (राजपत्रित) तक के पदों का पर्वतीय क्षेत्र का अलग संवर्ग बनाये जाने का निर्णय लिया गया है ताकि इस क्षेत्र के शिक्षा प्रशासन का सुदृढ़ीकरण किया जा सके।

शासन ने एक अप्रैल, 1980 से सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूलों के शिक्षण एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को मकान किराया भत्ता देने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह भत्ता 5 महानगरो तथा 17 अन्य नगरो में स्थित स्कूलों के ऐसे शिक्षको/कर्मचारियों को अनुमन्य होगा जिनका मूल वेतन 750 रु0 प्रतिमास से कम होगा।

राज्य निधि की सहायता से सहायता प्राप्त जूनियर हाई स्कूलों के शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को भी 1 अप्रैल, 1980 से राजकीय कर्मचारियों की अनुमन्य दरों पर पेंशन की सुविधा इन विद्यालयों के शिक्षको की भांति प्रदान की गयी है।

शिक्षा विभाग के विभिन्न स्तरों पर नियोजन एवं अनुश्रवण हेतु एक नियोजन अनुश्रवण एवं मूल्यांकन कोष्ठक की स्थापना शिबिर कार्यालय, लखनऊ में की गयी है।

देश एवं समाज की नवीन आवश्यकताओं एवं राष्ट्रीय भावनों के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के माध्यम से नवीन अध्याय उद्घटित हो रहे हैं। अस्तु शिक्षा के सभी स्तरों पर समाज एवं राष्ट्र के बहुमुखी विकास में सहायक कार्यक्रमों का समावेश किया जा रहा है।

अध्याय 2

प्राथमिक शिक्षा

1—पूर्व प्राथमिक (शिशु) शिक्षा—नर्सरी (शिशु) शिक्षा आयु वर्ग 3-7 के बालक/बालिकाओं को दी जाती है। अधिकांश पूर्व प्राथमिक शिक्षा की व्यवस्था निजी संस्थाओं द्वारा की जाती है। इस समय प्रदेश में 88 नर्सरी विद्यालय चल रहे हैं जिनमें केवल नर्सरी की शिक्षा दी जाती है, ये सभी विद्यालय नगर क्षेत्र में स्थित हैं। शिशु शिक्षा महंगी होने के कारण शासन द्वारा स्वयं प्रयोगात्मक रूप से प्रशिक्षण संस्थाओं से सम्बद्ध 10 राजकीय शिशु केन्द्र चलाये जा रहे हैं। सरकार द्वारा कतिपय अशासकीय मान्यता प्राप्त नर्सरी विद्यालयों को आवर्तक एवं अनावर्तक अनुदान दिया जाता है। इन केन्द्रों पर 20, 428 बालक तथा 10,633 बालिकायें कुल 31061 बच्चे नामांकित हैं।

2—प्राथमिक शिक्षा (जूनियर बेसिक)—भारतीय संविधान में निहित निर्देशक सिद्धांतों के अनुरूप प्राथमिक शिक्षा के प्रसार के लिये अत्यधिक प्रयास किया जा रहा है। प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिकरण के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु बच्चों को घर से मैदानी क्षेत्र में 1 1/2 किलोमीटर तथा पर्वतीय क्षेत्र में 1 किलोमीटर की परिधि में जूनियर बेसिक स्कूल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

(2) इस समय प्रदेश में 71,637 मिश्रित जूनियर बेसिक स्कूल चल रहे हैं जिनमें से 64,646 स्कूल ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हैं। प्रदेश में जूनियर बेसिक स्कूलों में 98,23,026 छात्र/छात्रायें अध्ययनरत हैं जिनमें 65,58,434 बालक तथा 32,64,592 बालिकायें हैं। अध्यापक/अध्यापिकाओं की संख्या 2,46,670 है जिनमें 43,404 महिलायें हैं।

कक्षा 1-5 में अध्ययन कर रहे छात्र/छात्राओं की कुल संख्या 98,65,120 है जिनमें 32,88,000 बालिकायें हैं।

(3) हास एवं अवरोध निवारण परियोजनान्तर्गत 1981-82 में इलाहाबाद जनपद के सिराथू एवं कोड़िहार विकास क्षेत्रों को चयन किया गया है और कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है।

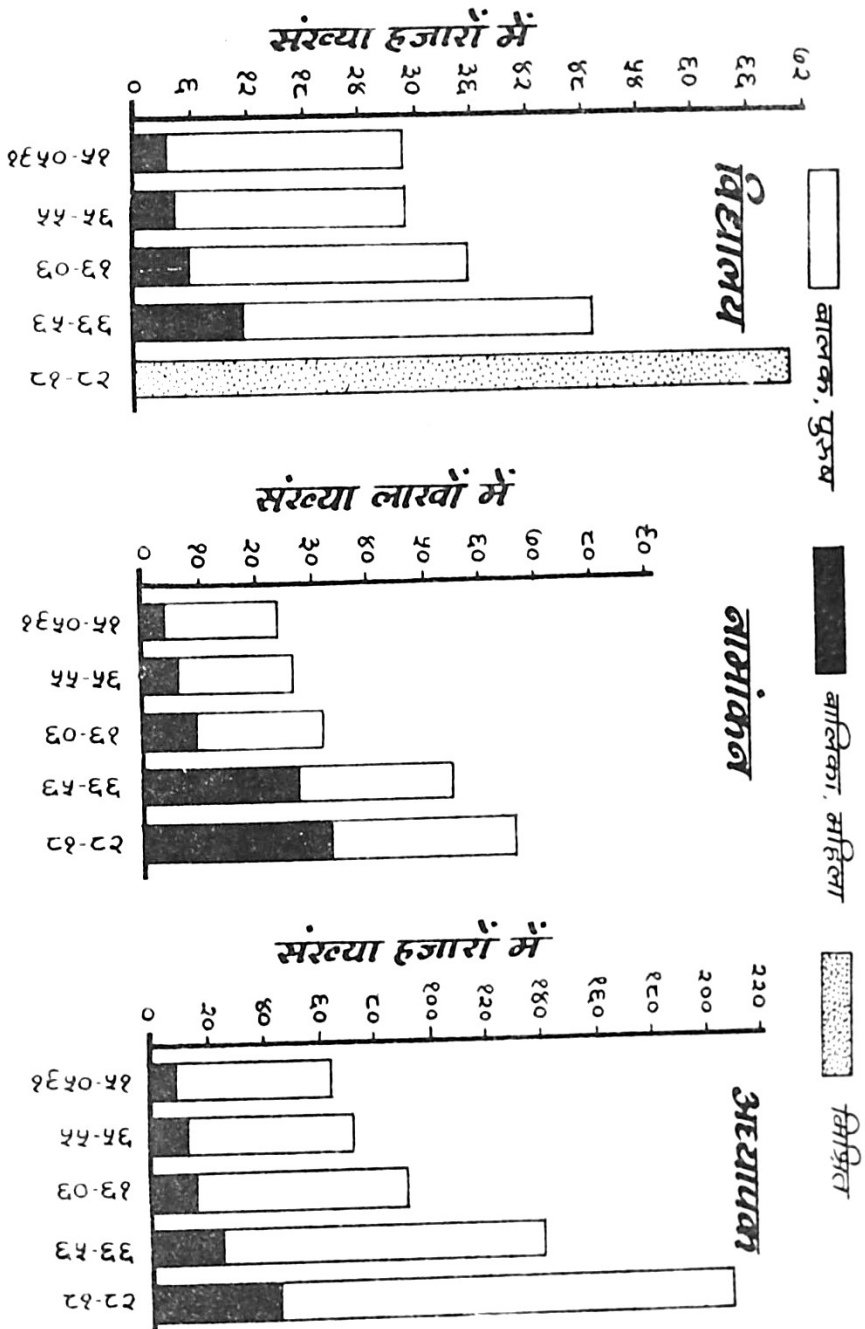
(4) ग्रामीण क्षेत्र में मिश्रित प्राथमिक विद्यालय खोले जाने की योजना के अन्तर्गत वर्ष 1981-82 में मैदानी क्षेत्र में 303 तथा पर्वतीय क्षेत्र में 108 विद्यालय खोले गये हैं।

(5) नगर क्षेत्रों में बालक तथा बालिकाओं के जूनियर बेसिक स्कूल खोलने की योजना के अन्तर्गत मैदानी क्षेत्र में 36 तथा पर्वतीय क्षेत्र में 7 प्राथमिक विद्यालय खोले गये।

(6) प्राथमिक विद्यालयों में विज्ञान शिक्षण में सुधार के दृष्टि कोण से वर्ष 1981-82 में 300 रु0 प्रति विद्यालय की दर से पर्वतीय क्षेत्र के 1,500 विद्यालयों हेतु 4,50,000 रु0 तथा मैदानी क्षेत्र में 1,166 विद्यालयों के लिये 3,49,800 रु0 की स्वीकृत विज्ञान शिक्षण सामग्री खरीदने के लिये प्रदान की गई।

(7) ग्रामीण क्षेत्रों में छात्र संख्या वृद्धि करने तथा स्थिरता लाने हेतु बालिकाओं तथा निबल वर्ग के बालकों को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकों के वितरण की प्रोत्साहन योजना के

ज्ञानियर बैस्मिक विद्यालय



अन्तर्गत 1981-82 में पर्वतीय क्षेत्र में 25,000 तथा मैदानी क्षेत्र में 25,000 छात्रों को 3 रु० प्रति छात्र/छात्रा की दर से निःशुल्क पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिये क्रमशः 75,000 व 75,000 रु० की स्वीकृति दी गयी।

(8) वय वर्ग 6-11 वर्ष के बच्चों को विद्यालय में लाने हेतु पर्वतीय क्षेत्र के 8 जनपदों में छात्रवृत्ति अभियान चलाने हेतु 2,500 रु० प्रति जनपद की दर से 20,000 रु० की धनराशि स्वीकृत की गई।

(9) निर्बल वर्ग के बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिये वर्ष 1981-82 में मैदानी क्षेत्र के 40,000 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 20,000 बच्चों को निःशुल्क पोशाक देने हेतु 15 लाख रुपये स्वीकृत किये गये।

(10) पर्वतीय क्षेत्र की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों आदि को ध्यान में रखकर पर्वतीय जिलों के 1,500 फीट से अधिक ऊंचाई पर स्थित ग्रामीण क्षेत्र के एक अध्यापकीय जूनियर बेसिक स्कूल को दो अध्यापकीय विद्यालय बनाने हेतु 1,626 अतिरिक्त अध्यापकों की नियुक्ति की गई।

(11) विद्यालयों की धारणक्षमता बढ़ाने के संदर्भ में पर्वतीय क्षेत्र के 52 तथा मैदानी क्षेत्र के 167 प्राइमरी स्कूल भवन निर्माण कराने हेतु वर्ष 1981-82 में 1,02 लाख रु० स्वीकृत किए गए।

(12) परिषदीय विद्यालयों की मरम्मत तथा रख-रखाव हेतु आयोजनेतर पक्ष की 20 लाख रु० की धनराशि को वर्ष 1981-82 से बढ़ाकर एक करोड़ रु० कर दिया गया है।

(13) प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षण सामग्री की व्यवस्था करने हेतु वर्ष 1981-82 में मैदानी क्षेत्र के 2,000 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 1,500 विद्यालयों को 17,50,000 रु० स्वीकृत किये गये।

अध्याय 3

अनौपचारिक शिक्षा

प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण के उद्देश्य की पूर्ति की दिशा में भारत सरकार के सहयोग से प्रदेश में अनौपचारिक शिक्षा योजना लागू की गयी है, जो कि प्राथमिक शिक्षा के पूरक कार्यक्रम के रूप में है। इस योजना में प्रत्येक जनपद के चुने गये दो पिछड़े विकास खण्डों में 50-50 प्राइमरी स्तर के तथा 48 मैदानी जिलों के इन्हीं विकास खण्डों में 15-15 तथा 8 पर्वतीय जिलों में 10-10 मिडिल स्तर के अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र खोलने का प्राविधान किया गया है।

वर्ष 1980-81 में प्रत्येक जनपद में प्राइमरी स्तर के 100 तथा मिडिल स्तर के मैदानी जिलों में 30 और पर्वतीय जिलों में 20 केन्द्र खोले गये।

वर्तमान योजना 6-14 वय वर्ग के ऐसे बालक/बालिकाओं के लिये है जो कभी सामान्य प्राइमरी पाठशाला में नहीं गये थे या जिन्होंने किन्हीं आर्थिक एवं सामाजिक कारणों से अपनी पढाई पूरी नहीं की और बीच में ही पढना छोड़ दिया। ऐसे बच्चों की थोड़े समय में ही अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों में पढने की व्यवस्था की गयी है।

वर्ष 1981-82 में इस योजना का विस्तार प्रत्येक जनपद के दो अन्य विकास खण्डों में किया जा रहा है। 1980-81 एवं 1981-82 में इस हेतु चुने गये विकास खण्डों की सूची परिशिष्ट-23 में है।

वर्ष 1980-81 में खोले गये केन्द्रों की संख्या उनमें नियुक्त अध्यापकों तथा पढने वाले बच्चों की संख्या निम्नवत् रही।

स्तर	खुले केन्द्रों की संख्या	कार्यरत अध्यापकों की संख्या	छात्र संख्या
प्राइमरी	.. 5364	5364	101049
मिडिल	.. 1404	1621	19412

विभिन्न वर्ग के बच्चों की संख्या इस प्रकार थी—

स्तर	बालक				बालिका			
	अनुसू०	अनु०जन०	अन्य	योग	अनुसू०	अनु०जन०	अन्य	योग
प्राइमरी	24737	1357	44982	71076	8957	1008	20008	29973
मिडिल	4489	256	11404	16129	733	62	2486	3283

योजना प्रारम्भ करने के लिए राज्य शिक्षा संस्थान उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद में शिक्षा विभाग के पिछड़े जनपदों एवं विकास खण्डों के कार्यकर्ताओं एवं चयनित दीक्षा विद्यालय के प्रवक्ताओं तथा योजना के समन्वयकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

कतिपय उप शिक्षा निदेशक उप विद्यालय निरीक्षक, प्रधानाध्यापको की एक कार्यशाला आयोजित की गयी जिसमे इस योजना के मूल्यांकन एव मानीटारिंग के प्रपत्र तैयार किये गये ।

पर्यवेक्षकों एव समन्वयकों का समय-समय पर प्रशिक्षण इस वर्ष भी आयोजित किया जा रहा है । अनौपचारिक शिक्षा प्रचार एव प्रसार साहित्य का निर्माण संस्थान द्वारा किया गया है । इस वर्ष जो साहित्य मुद्रित एवं वितरित किया गया वह इस प्रकार है ।

प्रकाशन का नाम	संख्या
1--ज्ञानदीप भाग--1	48,500
2--ज्ञानदीप भाग--3	9,091
3--परिचायिका ..	6,000
4--पोस्टर ..	13,000
5--सर्वेक्षण प्रपत्र ..	75,000
6--वर्णमाला चार्ट ..	2,775
7--पाठ्यक्रम ..	6,000
8--माडयूल्स ..	500

अध्याय 4

पूर्व माध्यमिक शिक्षा

इस समय प्रदेश में 10,290 बालक तथा 3,562 बालिकाओं के कुल 13,852 सीनियर बेसिक स्कूल चल रहे हैं जिनमें 11,604 विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हैं। इन विद्यालयों में 16,09,764 छात्र/छात्राएँ अध्ययन कर रही हैं जिनमें 12, 50,327 बालक तथा 3,59,437 बालिकाएँ हैं। इस स्तर पर अध्यापन कार्य में कार्यरत अध्यापक/अध्यापिकाओं की संख्या 69,935 है जिनमें 17,295 महिलाएँ हैं।

कक्षा 6-8 में 30,78,114 बालक/बालिकाएँ अध्ययन कर रही हैं, जिनमें बालिकाओं की संख्या 822104 है।

2—वर्ष 1981-82 में 30 सितम्बर, 1981 तक कुल 188 सीनियर बेसिक स्कूल खोले गये जिनमें 38 पर्वतीय क्षेत्र में स्थित हैं। इसके अलावा पर्वतीय क्षेत्र चमोली जनपद में 4 राजकीय आदर्श विद्यालय खोले गये। अब तीन सीमान्त जनपद तथा टिहरी-गढ़वाल में 56 राजकीय आदर्श विद्यालय चल रहे हैं जिनमें 3 विद्यालय बालिकाओं के हैं।

3—स्थायी मान्यता प्राप्त सीनियर बेसिक स्कूलों में कार्यरत शैक्षिक एव शिक्षण-तर कर्मचारियों को 1 अप्रैल, 1980 से जूनियर हाई स्कूल के वेतन वितरण अधिनियम के अन्तर्गत वेतन प्रदान किया जा रहा है।

4—कक्षा 6-8 की योग्यता छात्रवृत्तियों की दरों को 1 जुलाई, 1980 से 5 रु० से बढ़ाकर 10 रुपया कर दिया गया है।

5—बेसिक विद्यालयों के 100 अध्यापक/अध्यापिकाओं को वर्ष 1980-81 की भाँति इस वर्ष भी 500 रुपये प्रति अध्यापक की दर से दक्षता पुरस्कार देने का प्राविधान है।

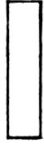
6—निर्बल वर्ग के बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने हेतु ग्रामीण क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में पाठ्य पुस्तक बैंक स्थापित करने की योजना के अन्तर्गत वर्ष 1981-82 में मैदानी क्षेत्र के जनपदों में 1000 पाठ्य पुस्तक बैंक स्थापित करने हेतु अनुदान स्वीकृत किया गया। इस प्रकार अब पर्वतीय क्षेत्र के 500 तथा मैदानी क्षेत्र के 1500 पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में पाठ्य पुस्तक बैंक स्थापित हो गए हैं।

7—पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के भवनहीन विद्यालयों की समस्या के समाधान हेतु वर्ष 1981-82 में मैदानी क्षेत्र के 49 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 20 विद्यालयों के भवन निर्माण हेतु क्रमशः 49 तथा 20 लाख रु० स्वीकृत किए गए।

8—पर्वतीय क्षेत्र के सहायता प्राप्त अशासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालयों को भवन निर्माण हेतु अनुदान स्वीकृत करने हेतु वर्ष 1981-82 में 10 लाख रु० की व्यवस्था की गई है।

9—ग्रामीण क्षेत्रों के सीनियर बेसिक स्कूलों में साज-सज्जा की व्यवस्था करने हेतु वर्ष 1981-82 में मैदानी क्षेत्र के 400 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 250 विद्यालयों के लिए 6,50,000 रु० की धनराशि स्वीकृत की गई।

सीनियर बैंसिक विद्यालय

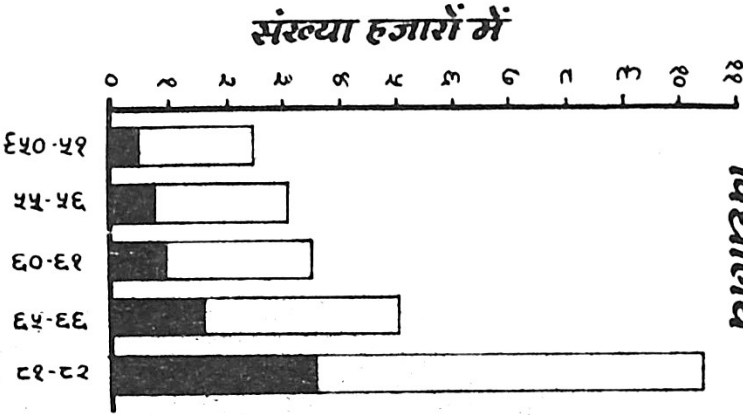


बालक, पुरुष

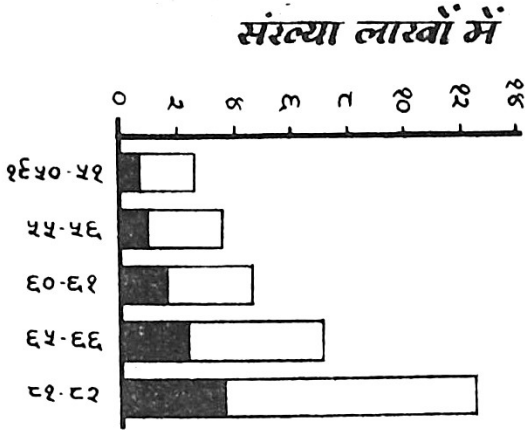


बालिका, महिला

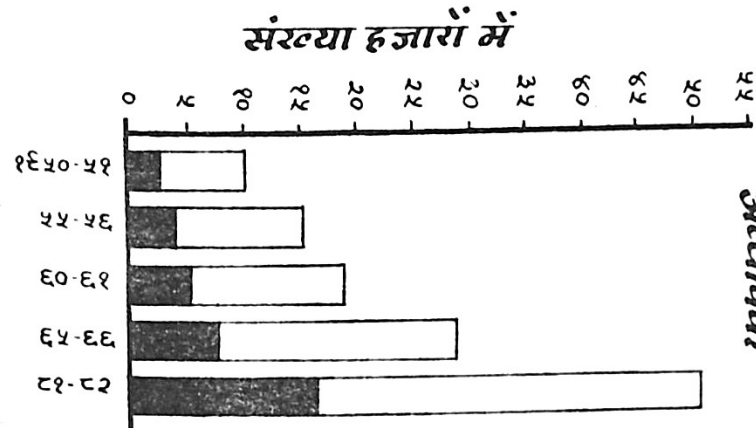
विद्यार्थ्य



लाभांकल



अध्यापक



अध्याय 5 माध्यमिक शिक्षा

इस समय प्रदेश में 4598 बालक तथा 812 बालिकाओं के कुल 5410 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चल रहे हैं जिनमें से 3488 विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित हैं। इन विद्यालयों में 2689279 बालक तथा 866801 बालिकाएं अध्ययन कर रही हैं। इनमें अध्यापन हेतु 96533 अध्यापक तथा 22537 अध्यापिकाएं कार्यरत हैं।

कक्षा 9-12 में 2052107 छात्र/छात्राएं अध्ययन कर रही हैं। जिनमें से छात्राओं की संख्या 378117 है।

2—वर्ष 1981-82 में मैदानी क्षेत्र में 8 तथा पर्वतीय क्षेत्र में 8 राजकीय हाई-स्कूल खोले गए हैं तथा मैदानी क्षेत्र में 6 एवं पर्वतीय क्षेत्र में 10 राजकीय हाई स्कूलों की इण्टर स्तर पर क्रमोन्नति की गयी है।

3—वर्ष 1981-82 में पर्वतीय क्षेत्र में मान्यता प्राप्त जूनियर हाईस्कूल कालेश्वर पौड़ी-गढ़वाल का प्रांतीयकरण एवं उच्चीकरण किया गया है।

4—राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अतिरिक्त अनुभाग खोलने तथा नये-नये विषयों के समावेश योजनान्तर्गत आलोच्य वर्ष में पर्वतीय तथा मैदानी क्षेत्रों के विभिन्न राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नये विषयों का समावेश किया गया तथा अतिरिक्त अनुभाग खोले गए।

5—अशासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का प्रांतीयकरण योजना के अन्तर्गत वर्ष 1981-82 में पर्वतीय क्षेत्र में 2 विद्यालयों का प्रांतीयकरण किया गया है।

6—राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान अध्ययन के लिये सुविधायें तथा विज्ञान प्रयोगशालाओं के निर्माण की योजना के अन्तर्गत मैदानी क्षेत्र के इण्टर स्तर पर 1 तथा हाईस्कूल स्तर पर 19 विद्यालयों में तथा पर्वतीय क्षेत्र के इण्टर स्तर पर 2 विद्यालयों में विज्ञान वर्ग खोलने का आदेश दिया गया है।

7—माध्यमिक शिक्षा परिषद् की विकेन्द्रीकरण योजनान्तर्गत परिषद् का तीसरा केन्द्रीय कार्यालय 1981 में बरेली में स्थापित किया गया है। यह कार्यालय बरेली, कुमायूँ तथा लखनऊ मण्डल के जनपदों का मेरठ तथा वाराणसी के अनुरूप परीक्षा एवं मान्यता का कार्य सम्पन्न करेगा।

8—पुस्तकों की राष्ट्रीयकरण योजना के अन्तर्गत हाईस्कूल तथा इण्टर हिन्दी की तथा हाईस्कूल अंग्रेजी की पाठ्य पुस्तकों का राष्ट्रीयकरण क्रमशः 1975 एवं 1976 में किया गया था। इन पुस्तकों में आवश्यक संशोधन कराया गया तथा पुनः मुद्रण कराया गया। साथ ही हाई स्कूल स्तर की गणित एवं सामान्य गणित की पुस्तकों को राष्ट्रीयकृत कर प्रकाशित कराया गया जो जुलाई, 1981 में बाजार में विक्रय हेतु प्रस्तुत की गयीं। हाई स्कूल विज्ञान की पुस्तकों को राष्ट्रीयकृत कर लिखवाने की व्यवस्था प्रारम्भ कर दी गई है।

9—1981 की परीक्षाओं को संस्थागत परीक्षार्थियों के लिए मार्च-अप्रैल, 1981 में तथा व्यक्तिगत परीक्षार्थियों की परीक्षाएँ प्रथम बार पृथक रूप से मई, 1981 में आयोजित

की गई। व्यक्तिगत परीक्षायियों की परीक्षा संचालित करने हेतु एक पत्राचार शिक्षा संस्थान की स्थापना भी की गई है।

10—1981 की परीक्षा में हाई स्कूल तथा इण्टरमीडिएट परीक्षाओं में प्रवेश भर का कार्य यंत्रीकरण प्रणाली (कम्प्यूटर) द्वारा सम्पन्न कराया गया।

11—प्रतिभावान छात्रों का बहुमुखी विकास राष्ट्र का प्रमुख दायित्व है क्योंकि देश की उन्नति प्रतिभा-सम्पन्न व्यक्तियों की नयी खोजों और आविष्कारों पर विशेष रूप से अवलम्बित रहती है। अतः इस सदर्भ में प्रतिभाशाली छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वर्ष 1981-82 में कक्षा 9-10 में छात्रवृत्ति परीक्षा के आधार पर मिलने वाली ₹0 10 मासिक छात्रवृत्ति को बढ़ाकर 15 ₹0 कर दी गई है। मेधावी छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु फैजाबाद में एक विशिष्ट संस्थान की स्थापना विचाराधीन है।

12—प्रदेश में माध्यमिक स्तर की शिक्षा के विस्तार में व्यक्तिगत प्रबन्ध समितियों का अधिक योगदान रहा है। परन्तु कुछ क्षेत्र विशेषकर बुन्देलखण्ड तथा यमुनापार के क्षेत्र ऐसे हैं जिनमें निर्बल वर्ग के लोग रह रहे हैं जो अपने बच्चों की शिक्षा-दीक्षा के लिए माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा निर्धारित शर्तों की पूर्ति न कर पाने के कारण हाईस्कूल खोलने तथा उसको चलाने का व्यय भार नहीं उठा पा रहे हैं। ऐसे क्षेत्रों को प्रोत्साहन देने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि इस योजना के अन्तर्गत उक्त क्षेत्रों को व्यक्तिगत संस्थाओं की बालिकाओं के हाईस्कूल स्थापित करने की दिशा में सहायता करने हेतु भवन तथा विज्ञान उपकरण आदि के लिये अनुदान स्वीकृत किया जाय जिसमें वह परिषद् द्वारा निर्धारित शर्तों की पूर्ति कर हाईस्कूल को मान्यता प्राप्त कर विद्यालय संचालित कर सकें।

13—प्रदेश में इस समय अशासकीय माध्यमिक विद्यालय विकास के विभिन्न स्तरों पर हैं। साधन सम्पन्नता, गुणात्मकता, अनुशासन आदि की दृष्टि से इन विद्यालयों में विभिन्नता है। अतः यह प्रस्तावित किया गया है कि विद्यालयों को विभिन्न मानकों के निष्कर्ष के आधार पर वर्गीकृत किया जाय और उत्कृष्ट स्कूलों को उनके समुचित विकास हेतु साज-सज्जा, उपकरण, विज्ञान प्रयोगशाला आदि के लिए प्रोत्साहन अनुदान दिया जाय।

14—ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकांश स्थान ऐसे हैं जहाँ बालकों के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तो हैं लेकिन बालिकाओं के नहीं हैं। इन स्थानों की बालिकाओं को भी बालकों के विद्यालय में ही पढ़ने की अनुमति दे दी जाती है लेकिन अधिकांश ग्रामीण विद्यालयों में बालिकाओं के लिए पृथक् सेनेटरी सुविधा न होने के कारण उन्हें विशेष असुविधा का सामना करना पड़ता है। यह भी अनुभव किया गया है कि बालिकाओं के लिए आवश्यकतानुसार पेयजल की भी पृथक् व्यवस्था हो। अतएव वर्ष 1981-82 में इस हेतु अनुदान की दर को ₹0 4,000 से बढ़ाकर ₹0 15,000 प्रति विद्यालय करने का निर्णय लिया गया है। इस अनुदान से प्रबन्धकीय अंशदान की सामान्यतः अपेक्षा नहीं रहेगी।

15—माध्यमिक शिक्षा के गुणात्मक सुधार की दृष्टि से वर्तमान राजकीय गैर सरकारी विद्यालयों में अतिरिक्त छात्रसंख्या हेतु साज-सज्जा एवं अतिरिक्त कक्ष निर्माण करने, विज्ञान सामग्री क्रय करने तथा पुस्तकालय सम्बर्द्धन की व्यवस्था की गई है।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय

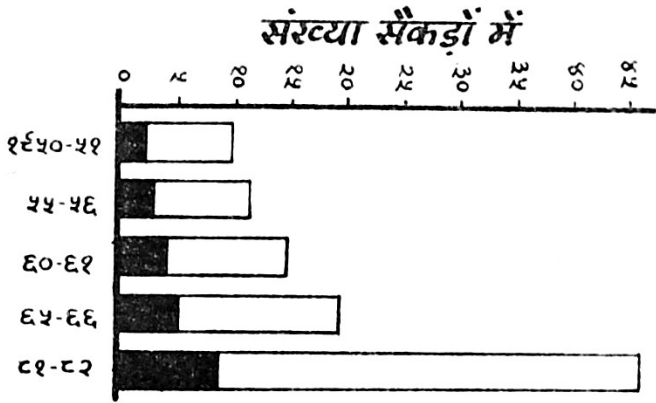
बालक, पुरुष



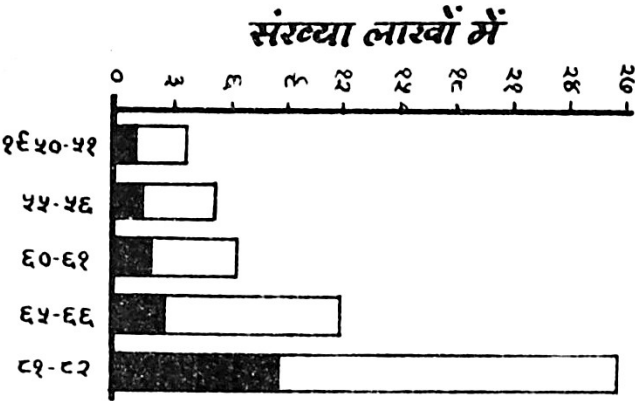
बालिका, महिला



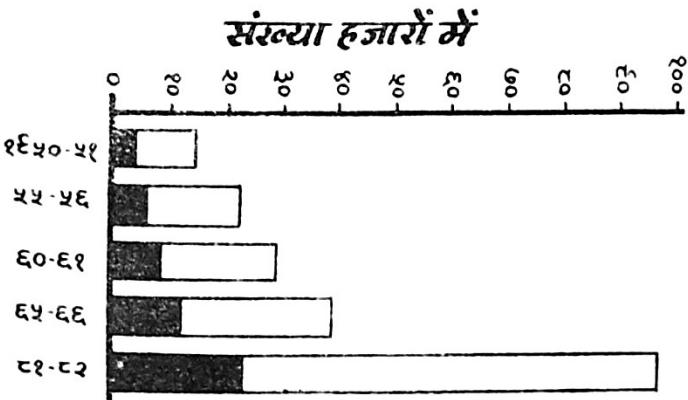
विद्यार्थ्य



नामांकन



अध्यापक



अध्याय 6

अध्यापक-प्रशिक्षण

पूर्व माध्यमिक स्तर--

1--शिक्षा संस्थाओं की अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित करने के लिये दो राजकीय तथा तीन अराजकीय शिक्षण प्रशिक्षण महाविद्यालय चल रहे हैं। इनमें दो वर्षीय सी० टी० (नर्सरी) पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिवर्ष 150 महिलाओं को प्रशिक्षित करने हेतु प्रवेश स्थान उपलब्ध रहता है।

2--प्रारम्भिक विद्यालयों में प्रशिक्षित अध्यापक/अध्यापिका सुलभ कराने हेतु राजकीय दीक्षा विद्यालयों के पुनर्गठन के पश्चात् 18 जुलाई, 1981 से 62 राजकीय दीक्षा विद्यालय (पुरुष) एवं 41 राजकीय दीक्षा विद्यालय (महिला) तथा 15 बी०टी०सी० महिला इकाइयाँ कार्यरत हैं। प्रवेश क्षमता 25 प्रति पुरुष दीक्षा विद्यालय 20 प्रति महिला दीक्षा विद्यालय इकाई के हिसाब से 1550 (पुरुष) एवं 1120 (महिला) की है। जुलाई 1980 से शासकीय आदेशानुसार बी०टी०सी० के प्रथम वर्ष में प्रवेश नहीं किया गया और अब आगे आने वाले वर्षों में बी०टी०सी० प्रथम वर्ष में प्रवेश का प्रकरण शासन के विचाराधीन है।

3--उपरोक्त के अतिरिक्त प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के लिये उर्दू अध्यापकों को प्रशिक्षित करने के लिए 4 बी०टी०सी० (उर्दू) कक्षाएँ भी चलाई जा रही हैं। प्रत्येक की प्रवेश संख्या 15 है। इनमें से दो राजकीय उर्दू दीक्षा विद्यालय मवाना, मेरठ तथा आगरा में हैं। शेष दो कक्षाएँ राजकीय सभागीय शिक्षा संस्थान लखनऊ तथा राजकीय दीक्षा विद्यालय, सकलडीहा, वाराणसी से संलग्न इकाई के रूप में चल रही हैं।

4--वर्ष 1981-82 से प्रदेश के सभी राजकीय दीक्षा विद्यालयों पुरुष तथा महिला दोनों में पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। इस वर्ष यह पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण केवल दो फेरों में चलाया जा रहा है। जिसमें प्रतिभागियों को 75 रु० एक मुश्त दैनिक भत्ता और 25 रु० यात्रा भत्ता दिया जायेगा।

5--मान्यता प्राप्त अशासकीय प्राथमिक तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के अप्रशिक्षित शिक्षकों, जिनकी सेवा अवधि 30 जून 1978 को पाच वर्ष से कम है, को पत्राचार प्रणाली द्वारा बी०टी०सी० प्रशिक्षण प्रदान करने, पाच वर्ष या उससे अधिक किन्तु 10 वर्ष से कम की अवधि के शिक्षकों के कार्य तथा अनुभव के आधार पर परीक्षा लेने तथा 10 वर्ष या उससे अधिक सेवा अवधि के शिक्षकों को प्रशिक्षण से छूट देने का प्राविधान किया गया है।

6--अप्रशिक्षित अध्यापकों को पत्राचार प्रणाली द्वारा बी०टी०सी० का प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु राज्य शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद में एक पत्राचार प्रणाली केन्द्र स्थापित है जो पत्राचार प्रणाली द्वारा बी०टी०सी० प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। कार्य तथा अनुभव पर आधारित परीक्षा रजिस्ट्रार विभागीय परीक्षाएँ उत्तर प्रदेश इलाहाबाद द्वारा आयोजित की जायेंगी। बी० टी० सी० प्रशिक्षण से छूट देने का कार्य सबधित सभागीय उप निदेशको तथा बालिका विद्यालय निरीक्षिकाओं द्वारा किया जा रहा है।

7—कक्षा 6-8 तक के गृह विज्ञान तथा शारीरिक शिक्षा संबंधी अध्यापक/अध्यापिकाओं को प्रशिक्षण देने हेतु निम्नलिखित संस्थायें चल रही हैं:—

	पुरुष	महिला	योग
1—राजकीय गृह विज्ञान सी 0टी 0 कालेज	..	1	1
2—राजकीय शारीरिक प्रशि 0 महाविद्यालय	1	1	2
3—सहायता प्राप्त शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय	2	—	2

इसके अतिरिक्त शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों को विभिन्न खेलों की नवीनतम तकनीक की जानकारी देने के लिये शिक्षकों को अल्पकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण की एक योजना लागू की गई है जिसके अन्तर्गत एन 0 आई 0 एस 0 पटियाला के प्रशिक्षकों के द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है ।

भाध्यमिक:—

1—इस स्तर पर अध्यापकों को प्रशिक्षित करने हेतु प्रदेश में पांच राजकीय तथा सात प्रशासकीय एल 0 टी 0 प्रशिक्षण महाविद्यालय हैं । इनमें से 2 महिलाओं के तथा 3 पुरुषों के राजकीय महाविद्यालय हैं । इन महाविद्यालयों की प्रवेश क्षमता निम्नवत है ।

1—राजकीय केन्द्रीय अध्यापक संस्थान, इलाहाबाद	100	
2—राजकीय महिला प्रशिक्षण महाविद्यालय, इलाहाबाद	100	
3—राजकीय महिला गृह विज्ञान प्रशिक्षण महाविद्यालय इलाहाबाद ।	30	
4—राजकीय वैसिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, वाराणसी	120	60 पुरुष 60 महिला
5—राजकीय रचनात्मक प्रशिक्षण महाविद्यालय लखनऊ	175	
6—के 0 पी 0 प्रशिक्षण महाविद्यालय, इलाहाबाद	100	80 विज्ञान 95 रचनात्मक
7—किशोरी रमण ट्रेनिंग कालेज, मथुरा	80	
8—डी 0 ए 0 वी 0 ट्रेनिंग कालेज, कानपुर	100	
9—सकलडोहा प्रशिक्षण महाविद्यालय, वाराणसी	100	
10—दिग्विजय नाथ प्रशिक्षण महाविद्यालय, गोरखपुर	120	
11—किसान प्रशिक्षण महाविद्यालय, बस्ती	80	
12—क्रिश्चियन ट्रेनिंग कालेज, लखनऊ	100	

इस प्रकार एल 0 टी 0 प्रशिक्षण हेतु 1285 अभ्यर्थियों के प्रवेश की व्यवस्था है ।

2—वर्ष 1980-81 से प्रदेश के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों के लिये पुनःशिक्षण एवं पुनर्बोधोत्सुक प्रशिक्षण संबंधी योजना प्रारम्भ की गयी है । यह योजना राजकीय सेन्ट्रल पेडागॉजिकल इन्स्टीट्यूट, इलाहाबाद, राजकीय प्रशिक्षण महाविद्यालय, लखनऊ तथा बैसिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, वाराणसी में लागू की गई है ।

3—प्रदेश की विशिष्ट शैक्षिक संस्थाओं के कार्यकलापों में समन्वय एवं एकसूत्रता बनाये रखने की आवश्यकता को समझत हुए कतिपय अन्य राज्यों की भांति इस प्रदेश में भी राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की स्थापना की गई है जो इन संस्थाओं के दीर्घकालीन नियोजित कार्यक्रम, कार्यप्रणाली और उपलब्धियों को नवचेतना प्रदान करेगी ।

अध्याय 7

उच्च शिक्षा

उच्च शिक्षा की सुविधा के लिए प्रदेश में 19 विश्वविद्यालय चल रहे हैं। इन विश्व-विद्यालयों में रुड़की (सहारनपुर) स्थित इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय, पन्तनगर (नैनीताल) स्थित कृषि विश्वविद्यालय, वाराणसी स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय एवं काशी विद्यापीठ, फैजाबाद स्थित नरेन्द्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय तथा कानपुर स्थित चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय सम्मिलित हैं। इनके प्रतिरिक्त लखनऊ, इलाहाबाद, आगरा, वाराणसी, अलीगढ़, गोरखपुर, मेरठ, कानपुर, नैनीताल, श्रीनगर, (पीडो-गढवाल) झांसी, फैजाबाद तथा बरेली में एक-एक विश्वविद्यालय संचालित हैं। गुरुकुल कागडी विश्वविद्यालय हरिद्वार, (सहारनपुर) दयाल बाग एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट, दयाल बाग आगरा को विश्वविद्यालय जैसी संस्था का स्तर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्राप्त है।

(2) सत्र के प्रारम्भ में 347 अशासकीय महाविद्यालय थे, इनमें 272 पुरुष के तथा 75 महिलाओं के महाविद्यालय थे। इन महाविद्यालयों में 324 महाविद्यालय अनुदानित हैं।

(3) सत्र 1980-81 में कुल 38 राजकीय महाविद्यालय थे। सत्र 1981-82 में निम्न दो राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना शासन द्वारा की गयी है।

(1) राजकीय महाविद्यालय, जालौन।

(2) राजकीय महाविद्यालय, ललितपुर।

(4) महाविद्यालयों के सुव्यवस्थित विकास एवं समयबद्ध कार्यक्रम हेतु एक रूपरेखा तैयार की गयी है, इसके अन्तर्गत उसके कार्यालय प्रत्येक विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र में होंगे तथा मुख्य कार्यालय, इलाहाबाद में होगा। इन कार्यालयों का मुख्य कार्य प्रत्येक महाविद्यालय के सम्बन्ध में पूरी जानकारी तथा उसके विकासक्रमों में उचित परामर्श देना है।

(5) सम्प्रति प्रयोगात्मक रूप में वर्ष 1980-81 में एक क्षेत्रीय कार्यालय गोरखपुर में तथा मुख्य कार्यालय, इलाहाबाद में खोला गया है। साथ ही मण्डलीय उप शिक्षा निदेशक झांसी कार्यालय को इस कार्य हेतु कतिपय पद दिये गये हैं।

(6) शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर वर्ष 1981-82 में 682 नवीन छात्रवृत्तियों तथा विगत वर्षों की छात्रवृत्तियों का नवीनीकरण एवं शिक्षा संहिता के विभिन्न अनुच्छेदों के अनुसार आर्थिक सहायता के निमित्त 52,87,000 रुपये की धनराशि स्वीकृत करने का प्राविधान है। इस धनराशि के अन्तर्गत विभिन्न छात्रवृत्तियों का विवरण निम्नवत है :

(अ) प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों की संतानों की योग्यता छात्रवृत्ति के अन्तर्गत स्नातक स्तर पर शोधकार्य करने वाले छात्रों को 75 रुपये से 100 रु० की छात्रवृत्ति तथा 35 से 25 रु० की छात्रवर्षा धनराशि प्रदान करने हेतु 2,13,000 रु० का प्राविधान है, छात्रों की प्रगति आख्या प्राप्त होने पर इन छात्रवृत्तियों की स्वीकृत एवं नवीनीकरण किया जाता है।

(ब) राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत हाई स्कूल की श्रेष्ठता सूची के आधार पर स्नातक कक्षाओं में तथा जो छात्र प्राविधिक शिक्षा में प्रवेश लेते हैं उन्हें 75 रु० एवं 100 रु० की छात्रवृत्ति तथा 35 रु० एवं 25 रु० की छात्रवर्षा धनराशि स्वीकृत की जाती

है। 1-7-81 से इस धनराशि को 90 रु एवं 120 रु एवं छात्रावासी धनराशि को 30 रु एवं 45 रु करने का भारत सरकार का प्रस्ताव है जिसके लिये शासन ने भारत सरकार से धन की मांग की है। इसी प्रकार स्नातक श्रेष्ठता सूची के आधार पर स्नातकोत्तर कक्षाओं में पढ़ने वाले छात्र/छात्राओं को 100 रु छात्रवृत्ति तथा 25 रु छात्रवासी धनराशि स्वीकृत करने हेतु 40,40,000 का प्राविधान है। इसी प्रकार स्नातकोत्तर कक्षाओं में पढ़ने वाले छात्र/छात्राओं को 120 रु छात्रवृत्ति तथा 45 रु छात्रवासी धनराशि 1-7-81 से स्वीकृत करने का प्रस्ताव भारत सरकार ने स्वीकार किया है।

(स) प्रतिरक्षा कर्मचारियों के बच्चों को 200 छात्रवृत्तियां स्वीकृत करने हेतु 60,000 रु का प्राविधान किया गया है।

(द) इंडियन स्कूल आफ इन्टरनेशनल स्टडीज, जवाहर लाल विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में शोध कार्य करने वाले उत्तर प्रदेश के छ. छात्र/छात्राओं को 300 रु प्रतिमाह की छात्रवृत्ति स्वीकार करने हेतु 29,000 रु का प्राविधान है। यह छात्रवृत्ति शोधरत छात्रों को विशेष परिस्थितियों में 4 वर्षों तक देय होती है।

(य) स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के बच्चों एवं आश्रितों को डिग्री स्तर पर छात्रवृत्तियां एवं आर्थिक सहायता हेतु 3,88,000 रु का प्राविधान है।

(र) सीमा सुरक्षा दल के कर्मियों के बच्चों एवं आश्रितों को शैक्षिक सुविधायें प्रदान करने हेतु पर्वतीय जिलों के लिए 1008 रु का प्राविधान है।

(7) विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को 1981-82 में नर्सरी छात्रवृत्ति स्वीकृत करने हेतु एवं उक्त छात्रवृत्ति एवं पुस्तकीय सहायता में धनराशि में बढ़ोत्तरी के फलस्वरूप 5,51,000 एवं 35,000 रु का प्राविधान किया गया है।

(8) पर्वतीय जिलों में सामान्य एवं प्राविधिक शिक्षा को ग्रहण करने हेतु छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्तियां एवं पुस्तकीय सहायता स्वीकृत करने हेतु वर्ष 1981-82 में 2,25,000 रु का प्राविधान है।

(9) पर्वतीय जिलों के सेवित/असेवित क्षेत्र के छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति स्वीकृत करने के लिए 1981-82 में 2,00,000 रु का प्राविधान है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

वर्ष 1969-70 में भारत सरकार द्वारा एन० सी० सी० के विकल्प के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना इस प्रदेश के चार विश्वविद्यालयों के 2,500 अभिस्नातक छात्र सख्या पर लागू की गई थी। योजना का मुख्य उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व की भावना पैदा करके उन्हें रचनात्मक कार्यों में लगाना है। वर्ष 1980-81 में यह योजना इस प्रदेश के 18 विश्वविद्यालयों तथा उनसे सम्बद्ध लगभग 347 डिग्री कालेजों में लागू की जा चुकी है। वर्ष 1981-82 में यह योजना इस प्रदेश के 18 विश्वविद्यालयों तथा उनसे सम्बद्ध लगभग 360 डिग्री कालेजों के 70,000 छात्र सख्या पर लागू करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

2--इस योजना के अन्तर्गत छात्रों को तृणारोपण प्रौढ शिक्षा, रक्तदान, ग्रामीण विकास सवधी कार्य, सर्वश्रेष्ठ, जनसेवा आदि कार्यक्रमों में लगाया जाता है। आन्ध्र प्रदेश तथा तामिलनाडु में आयेतूफान के समय में इस प्रदेश के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों ने 91,669 रु, 26,019 वस्त्र तथा 38 39 क्विन्टल से भी अधिक अनाज इकट्ठा करके तूफान पीड़ितों की सहायता भी की। प्रतिवर्ष प्रदेश में जो बाढ़

आती है उसमें जनता से धन इकट्ठा करके तथा शिविर आयोजित करके राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र बाढ़ पीड़ितों को सहायता करते हैं। वर्ष 1980-81 में इस प्रदेश के विश्व-विद्यालयों तथा उनसे सम्बद्ध डिग्री कालेजों द्वारा 421 दस दिवसीय विशेष शिविर आयोजित करके लगभग 27,666 शिविरार्थियों को शिविरो में लगाया गया।

3—वर्ष 1981-82 में भारत सरकार ने पर्यावरण के विशेष शिविर की एक नई योजना कार्यान्वित करके इस प्रदेश को 10,000 छात्र सख्या आवंटित की थी। इस योजना के अन्तर्गत दूषित वातावरण को दूर करने के लिये संयुक्त शिविरो का आयोजन किया गया था जिसमें छात्रों के यात्रा व्यय पर अधिक से अधिक 30 रु० प्रति छात्र की दर से खर्च वहन करने का भारत सरकार ने आश्वासन दिया था। नई योजना होने के कारण तथा विश्वविद्यालयों में शिक्षा सत्र की अस्थिरता के कारण इस कार्यक्रम से विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेज 85 शिविर आयोजित करके 8,011 शिविरार्थियों को ही लगा सके।

अध्याय 8

प्रौढ़ शिक्षा

राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य समाज के निरक्षर निर्बल वर्ग के वयस्को की दशा में सुधार लाना है जिससे कि वह अपने व्यक्तिगत पारिवारिक एवंसामाजिक जीवन को सुन्दर एवं समृद्ध बनाते हुए राष्ट्र की मुख्य विकास धारा में समुचित योगदान कर सकें।

इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु इस कार्यक्रम में निरक्षर वयस्कों को साक्षर बनाने के साथ-साथ इस बात पर भी बल दिया गया है कि उन्हें समाज में हो रहे विभिन्न विकास कार्यों के प्रति जागरूक बनाया जाय और उनकी कार्यक्षमता के स्तर को ऊंचा उठाया जाय।

कार्यक्रम की प्रगति

उत्तर प्रदेश में वर्ष 1981-82 में प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम को प्रदेश के चुने हुए 44 जनपदों के 81 विकास खण्डों में 46 परियोजनाओं द्वारा संचालित करने का निश्चय किया गया है। इन 46 राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम में परियोजनाओं के अन्तर्गत ग्रामीण कार्यात्मक साक्षरता 11,600 प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों को खोलने तथा लगभग साढ़े तीन लाख 15-35 वयवर्ग के प्रौढ़ प्रतिभागियों को विशेषकर अनुसूचित जाति एवं जनजाति, पिछड़ी जाति, मजदूर एवं श्रमिक वर्ग तथा महिलाओं को साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम का 31 दिसम्बर, 1981 तक का प्रगति विवरण निम्नवत् है—

1—कुल खोले गये प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र	10,656
2—पुरुष केन्द्र	6,360
3—महिला केन्द्र	3,549
4—मिश्रित केन्द्रों की संख्या	747
5—लाभान्वित हो रहे कुल प्रतिभागियों की संख्या	2,94,676
6—पुरुष लाभार्थियों की संख्या	1,84,980
7—महिला लाभार्थियों की संख्या	1,09,696
8—अनुसूचित जाति के लाभार्थियों की संख्या	96,757
9—अनुसूचित जाति जनजाति के लाभार्थियों की संख्या	5,307

इनके अतिरिक्त गत वर्ष में खोले गये 9,563 प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों में से 9,183 केन्द्रों के 1,99,832 प्रतिभागियों के मूल्यांकन का कार्य उक्त अवधि तक पूर्ण किया गया। इस मूल्यांकन में सतोषजनक स्तर पर प्राप्त करने वाले प्रतिभूतियों का प्रतिशत 85.9 रहा।

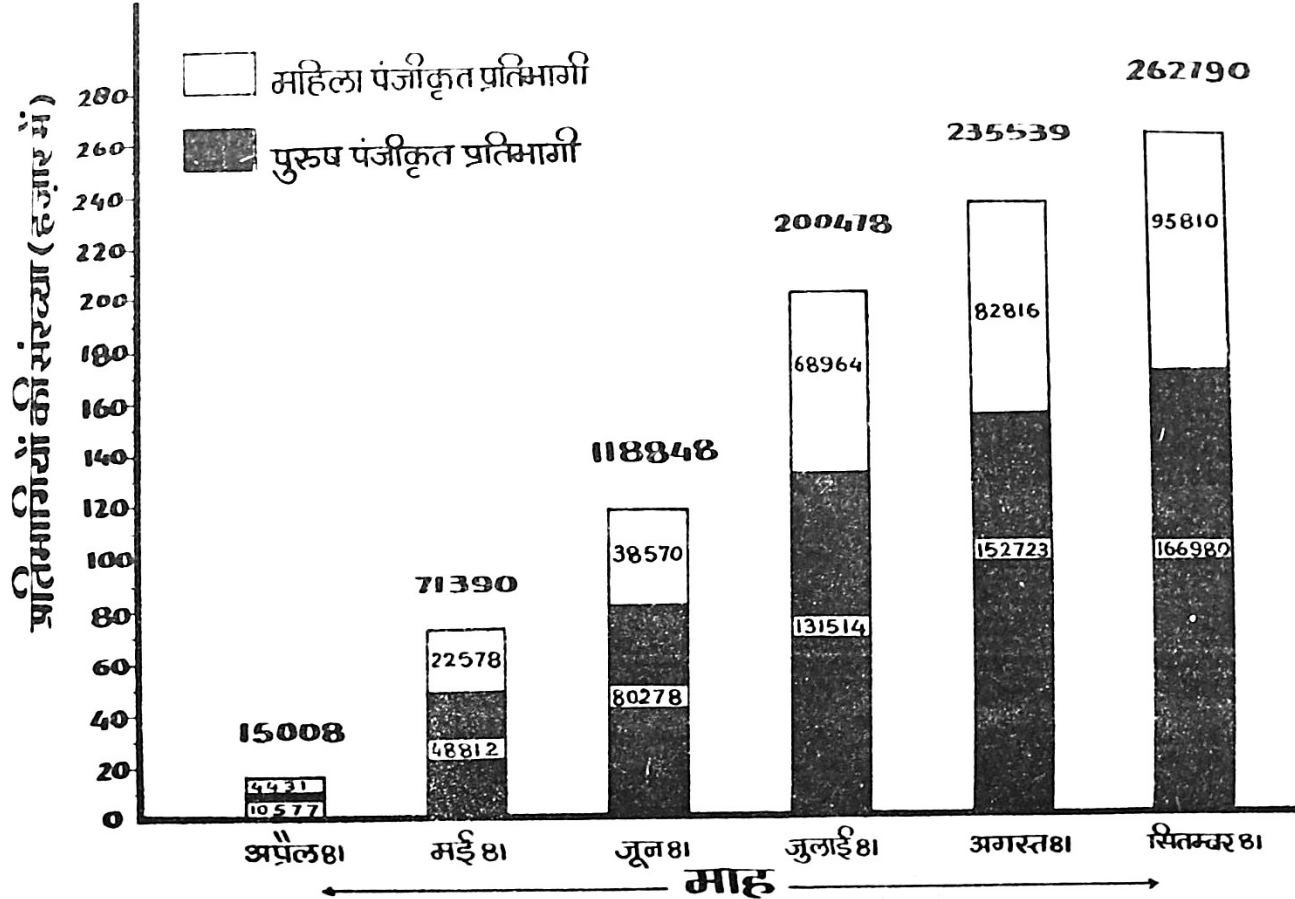
I—प्रवन्ध

राज्य स्तर पर—

(क) राज्य प्रौढ़ शिक्षा परिषद्—राज्य स्तर पर मुख्य मंत्री जी की अध्यक्षता में एक राज्य प्रौढ़ शिक्षा परिषद् का गठन किया गया। परिषद् का उद्देश्य नीति सम्बन्धी मार्ग दर्शन तथा कार्यक्रम की प्रगति का समय-समय पर मूल्यांकन करना है।

(ख) संचालन समिति स्टियरिंग कमेटी—कार्यक्रम के संचालन हेतु मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक संचालन समिति गठित की गई है। इस समिति द्वारा विकास-कार्यक्रमों और प्रौढ़ शिक्षा के बीच समन्वय स्थापित करने का कार्यक्रम तैयार करने तथा उसके कार्यान्वयन के बारे में कई ठोस कदम उठाये गये हैं।

उ. प्र. में राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्य क्रमान्तर्गत शासकीय संसाधनों द्वारा द्वितीय चक्र (वर्ष 1981-82) में केन्द्रों पर पंजीकृत प्रतिभागियों का क्रमिक प्रगति विवरण (30-9-81) तक



जिला स्तर पर--

जिला प्रौढ शिक्षा समिति--जिला स्तर पर प्रौढ शिक्षा कार्यक्रम को सम्यकरूप से चलाने के लिए जिला प्रौढ शिक्षा समिति की स्थापना की गई है। जिलाधिकारी इस समिति के अध्यक्ष हैं तथा जिला प्रौढ शिक्षा अधिकारी उसका सदस्य सचिव, समिति के सदस्य जिला विकास अधिकारी, विभिन्न विभागों के जनपदीय स्तर के अधिकारी शिक्षाविद, प्रौढ शिक्षा में रुचि रखने वाले एवं स्वैक्षिक संस्थाओं से संबंधित व्यक्ति होते हैं। इस समिति का उद्देश्य जिला प्रौढ शिक्षा कार्यक्रम का मार्गदर्शन करना तो है ही अन्तर्विभागीय सहयोग और समन्वय प्राप्त करना भी है जिससे प्रौढ शिक्षा का कार्य प्रभावी ढंग से चल सके।

ग्राम स्तर पर--प्रौढ शिक्षा केन्द्र समिति--केन्द्र समिति के अन्तर्गत अनुदेशक एवं प्रतिभागी, गांव के अन्य प्रमुख व्यक्ति मिल कर चर्चा करते हैं एवं कार्यक्रम की कमी को सुधारते हुए भविष्य में उसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए योजना बनाई जाती है।

[2--प्रशासन

कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु प्रदेश के शिक्षा निदेशालय में पृथक से एक प्रौढ शिक्षा अनुभाग की स्थापना की गई है जिसमें अपर शिक्षा निदेशक प्रौढ शिक्षा के नियंत्रणाधीन दो उप निदेशक (प्रौढ शिक्षा) दो सहायक निदेशक (प्रौढ शिक्षा) एक लेखाधिकारी, एक शोध अधिकारी तथा एक सहायक शोध अधिकारी कार्यरत हैं। सम्प्रेक्षण इकाई भी एक लेखाधिकारी के अधीन स्वीकृत की गई है। सम्प्रेक्ष हेतु एक प्रौढ कार्यक्रमों की प्रकृति अपेक्षाओं आदि को देखते हुये उपरोक्त प्रौढ शिक्षा अनुभाग को एक स्वतंत्र प्रौढ शिक्षा निदेशालय के रूप में परिवर्तित करने के आदेश निर्गत कर दिये गये हैं।

जिला स्तर पर 34 जनपदों में प्रति जनपद एक जिला प्रौढ शिक्षा अधिकारी तथा परि-योजना स्तर पर प्रति परियोजना एक की दर से एक परियोजना अधिकारी व 300 क्षेत्रों की परियोजनाओं में एक की दर से 35 सहायक परियोजना अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। प्रत्येक 30 प्रौढ शिक्षा केन्द्रों पर एक पर्यवेक्षक/परिवेक्षिका की नियुक्ति की गई है।

प्रत्येक केन्द्र के लिये एक अंशकालिक अनुदेशक की नियुक्ति की गई है। प्रौढ शिक्षा केन्द्रों के संचालन की जिम्मेदारी इन्हीं अनुदेशकों की होती है। इन्हे 50 रुपये मासिक मानदेय के रूप में दिया जाता है। इनकी नियुक्तियां केन्द्र की अविध के अनुसार 10 मास की होती है।

3--प्रशिक्षण

प्रौढ शिक्षा में लगे विभिन्न स्तरीय कर्मचारियों तथा अधिकारियों के लिये कार्यक्रमोचित प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई है। अभिनवीकरण गोष्ठिया तथा पुनर्बोधत्मक प्रशिक्षण इसके महत्वपूर्ण अंग हैं। साक्षरता निकेतन, लखनऊ तथा राष्ट्रीय नियोजन एवं प्रशासन सस्थान, नई दिल्ली में प्रौढ शिक्षा में कार्यरत अधिकारियों को कार्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया है। पर्य-वेक्षकों तथा अनुदेशकों के प्रशिक्षण की व्यवस्था क्षेत्रीय शिक्षा सस्थायें एवं दीक्षा विद्यालयों में की गयी छठी पंचवर्षीय योजना में प्रशिक्षण पक्ष को और अधिक समुन्नत तथा प्रभावी बनाने की योजना विचाराधीन है।

4--राज्य साधन केन्द्र

साक्षरता निकेतन, लखनऊ प्रदेश का राज्य साधन केन्द्र है तथा प्रमुख रूप से विभिन्न अभिरुचियों व विभिन्न अंचलों के लिये प्रौढ शिक्षा साहित्य का निर्माण कर रहा है। साहित्य निर्माण के अतिरिक्त साक्षरता निकेतन कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न स्तरीय अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का कार्य भी करता है। अनुदेशकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित

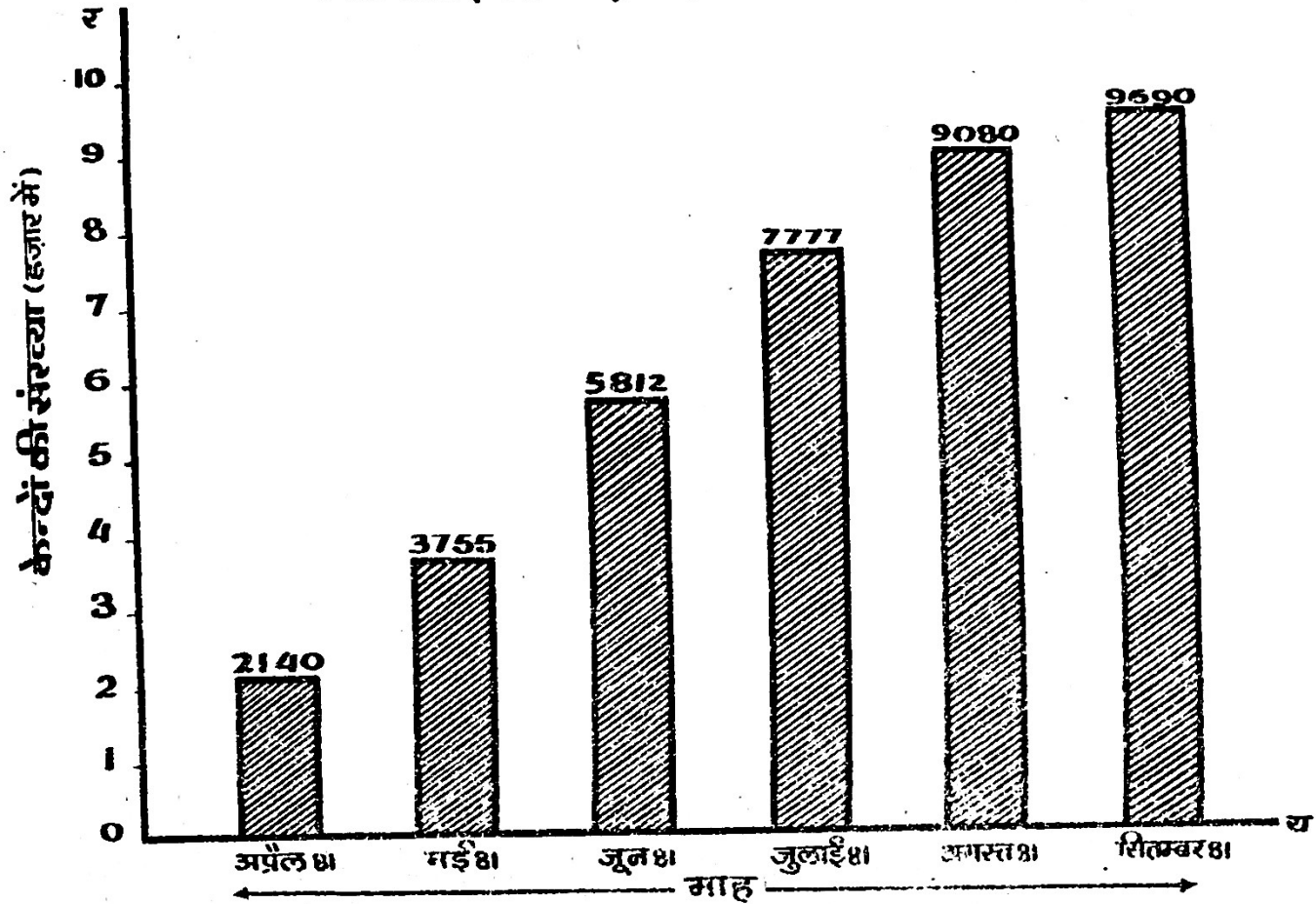
करने वाले क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों तथा दीक्षा विद्यालयों के संदर्भ-व्यक्तियों/प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण व पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण का दायित्व भी इसी संस्था पर है।

राष्ट्रीय प्रौढ शिक्षा कार्यक्रम का संदेश प्रसारित करने तथा उसके विभिन्न पहलुओं पर पठनीय सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जुलाई, 80 से "अनुदेश" नामक मासिक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

5--सतत शिक्षा एवं अनुगमन

सतत शिक्षा एवं अनुगमन कार्यक्रम को संचालित करने की दिशा में भारत सरकार द्वारा सुझाये गये नमूनों में से किस-किस नमूने को चालू परियोजनाओं में किन-किन क्षेत्रों में अगनाया जाय, इसका अध्ययन कर लिया गया है और तदनुसार अपेक्षित धनराशि की माग भारत सरकार से की गई है।

उ.प्र.में राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्य क्रमान्तर्गत शासकीय संसाधनों द्वारा द्वितीय चक्र (वर्ष 1981-82) में खोले गये प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों का क्रमिक प्रगति विवरण (30-9-81) तक



अध्याय 9

विविध

1--शिक्षा प्रसार विभाग

शिक्षा प्रसार विभाग के सम्पूर्ण कार्य को दो मूल इकाइयों के रूप में विभक्त किया गया है—

- (1) समाज शिक्षा
- (2) श्रव्य दृश्य शिक्षा

1--समाज शिक्षा

(क) राजकीय ग्रामीण पुस्तकालय - शिक्षा प्रसार विभाग द्वारा ग्रामीण अंचलों में 1400 राजकीय ग्रामीण पुस्तकालय संचालित हैं। इन पुस्तकालयों के पुस्तकालयाध्यक्षों को 5 रु0 मासिक मानदेय दिया जाता है। 1332 पुराने पुस्तकालयों को 18 रु0 वार्षिक तथा 68 नवीन पुस्तकालयों को 36 रु0 वार्षिक शायर व्यय दिया जाता है। इन पुस्तकालयों को विभाग द्वारा प्रकाशित नवज्योति मासिक पत्रिका तथा योजना सं0 48 के अन्तर्गत प्रकाशित नव साक्षरोपयोगी साहित्य की चार पुस्तकें निःशुल्क भेजी गईं। साथ ही इन पुस्तकालयों को राजाराम मोहन राय पुस्तकालय योजनान्तर्गत प्राप्त होने वाली पुस्तकीय सहायता भी दी जा रही है। भारत सरकार से प्राप्त पुरस्कृत पुस्तकें भी यथासम्भव प्रत्येक जनपद में स्थित इन ग्रामीण पुस्तकालयों को भेजी जाती हैं।

(ख) सचल दलों द्वारा समाज शिक्षा - शिक्षा प्रसार विभाग में समाज शिक्षा का कार्य पूर्ण करने के लिए चार सचल दल कार्यरत हैं। गोष्ठी सचल दल, गोष्ठियों के माध्यम से समाज शिक्षा का कार्य ग्रामीण अंचलो में सम्पन्न कर रहा है। साक्षरता दल द्वारा 5-6 माह के शिविर का आयोजन कर अशिक्षितों को शिक्षित किया जाता है। गत वर्ष से चल रहे जनपद मथुरा के वरसाना क्षेत्र में संचालित शिविर का समापन माह मई 1981 में किया गया तथा पाच केन्द्रों पर 117 अशिक्षितों को शिक्षित किया गया। वर्ष 1981-82 में साक्षरता शिविर के संस्थापन की कार्यवाही चल रही है। सचल पुस्तकालय दल प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में शिविर का आयोजन कर आवाल वृद्ध नर नारी के लिये अनुरूप साहित्य मुलभ करात हुए समयानुकूल विशेष कार्यक्रम का आयोजन करता है। प्रदर्शनी सचल दल द्वारा प्रदर्शनी के माध्यम से, शैक्षिक ज्ञान देने के लिये प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में शिविर का आयोजन किया जाता है। सचल दलों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों का मूल उद्देश्य ग्रामीणों में परिस्थितियों के अनुकूल समायोजन की क्षमता उत्पन्न करना तथा शैक्षिक योगदान देना है।

(ग) नवसाक्षरोपयोगी साहित्य का प्रकाशन --

1 - नवज्योति मासिक पत्रिका का नियमित प्रकाशन एवं वितरण किया जा रहा है।

2 --वर्ष 1981-82 के लिये प्रस्तावित चार नवसाक्षरोपयोगी साहित्य टुकड़े-टुकड़े जमीन, नया सूरज, लोक कथाएं, हमारा स्वास्थ्य का लेखन कार्य चल रहा है।

(घ) चल-चित्र प्रदर्शन द्वारा सामूहिक शिक्षा --सचल दलों, समाज शिक्षा निरीक्षक एवं प्रचार अधिकारियों द्वारा चलचित्र प्रदर्शन के माध्यम से सामूहिक शिक्षा का कार्य सम्पन्न किया जाता है। वर्ष 1981-82 में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

(ङ) समाज शिक्षा शिविर माघ मेला --वर्ष 1981-82 में माघ मास में प्रयाग में अर्द्ध कुम्भ के अवसर पर मेला क्षेत्र में समाज शिक्षा शिविर की स्थापना की जावगी। शिविर

में स्नानार्थियों के लाभार्थ पुस्तकालय वाचनालय सेवा, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा शैक्षिक चित्रों के प्रदर्शन का आयोजन किया जायेगा। साथ ही अन्य सामाजिक विषयों से सम्बद्ध प्रकरण की व्यवस्था कर जन सामान्य को लाभान्वित कराया जायगा।

2—श्रव्य दृश्य शिक्षा—

(क) चलचित्र निर्माण केन्द्र --श्रव्य दृश्य संसाधनों को शिक्षा के स्वस्थ माध्यम के रूप में स्वीकार किये जाने के कारण शैक्षिक चलचित्रों का महत्व शिक्षा के लिए अक्षुण्ण हो गया है। नवीन परिप्रेक्ष्य एवं सामाजिक आवश्यकता के अनुरूप चलचित्रों का निर्माण इन चलचित्र केन्द्र पर किया जाता है। वर्ष 1981-82 में निम्नांकित चलचित्रों का निर्माण किया जा रहा है।

- 1—नये फूल नयी सौरभ (अनौपचारिक शिक्षा से सम्बन्धित)
- 2—रतन की कहानी (प्रीति शिक्षा से संबंधित)
- 3—शिक्षा में अभिनव प्रयोग
- 4—शिक्षा समाचार।

इसके अतिरिक्त दो अन्य शैक्षिक वृत्त चित्रों का निर्माण किया जायगा।

(ख) प्रादेशिक चल चित्रालय—शिक्षा प्रसार विभाग से सम्बद्ध प्रादेशीय चलचित्रालय में समाजोपयोगी, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक उन्नयन संबंधी चलचित्र संग्रहीत है तथा आवश्यकतानुसार उनका संग्रह किया जाता है। इन चलचित्रों को नियमानुसार राजकीय/अराजकीय सदस्य संस्थाओं और इस विभाग के समाज शिक्षा कार्यक्रमों के लिये निर्गत किया जाता है जिनका प्रदर्शन जन-सामान्य एवं छात्रों के लाभार्थ किया जाता है। वर्ष 1980-81 में इस चलचित्रालय की सदस्य संख्या 406 रही और 2022 चलचित्र प्रदर्शनार्थ निर्गत किये गये। वर्ष 1981-82 में अब तक सदस्य संख्या 406 है तथा 686 चलचित्र निर्गत किये जा चुके हैं। वर्तमान में चलचित्रालय में फिल्मों की कुल संख्या 2253 फिल्म स्ट्रिप्सों की संख्या 1064 तथा स्लाइड्स की संख्या 422 है।

(ग) श्रव्य-दृश्य शिक्षा प्रशिक्षण केन्द्र—शिक्षा प्रसार विभाग में स्थित प्रादेशिक श्रव्य दृश्य शिक्षा प्रशिक्षण केन्द्र पर प्रादेशीय (राजकीय एवं अराजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों) दीक्षा विद्यालयों के अध्यापकों/अध्यापिकाओं को शिक्षा में श्रव्य दृश्य उपादानों (प्रक्षेपित तथा अप्रक्षेपित) के प्रयोग और उनके निर्माण का प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्ष में तीन सत्र का आयोजन कर प्रतिसत्र 12 अर्थात् वर्ष भर में 36 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण देने का प्राविधान है।

2—दक्षिण भारतीय भाषाओं का शिक्षण—उत्तर एवं दक्षिण भाषायी भेद भाव मिटाने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने प्रदेश में दक्षिण भारतीय भाषाओं के शिक्षण का प्रवन्ध किया है। इस प्रकार की कक्षाएँ राजकीय माध्यमिक विद्यालय मेरठ, अलीगढ़, कानपुर, गोरखपुर, बरेली, झांसी, इलाहाबाद, वाराणसी और आगरा में प्रारम्भ की गई हैं। लखनऊ में मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी में तामिल तथा तेलगू भाषाओं के उच्च अध्ययन की व्यवस्था है। इस प्रयोजन हेतु सोसाइटी से आवर्तक तथा अनावर्तक अनुदान स्वीकृत किया जाता रहा है। उन विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से जो कि 'तामिल' तथा 'तेलगू' भाषाओं में उच्च पाठ्यक्रम का अध्ययन कर रहे हैं, उनमें से प्रत्येक छात्र को प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम पूर्ण कर लेने पर 200 रु तथा दूसरे वर्ष के अन्त में "कोविद" परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 250 रु का पारितोषिक प्रदान किया जाता है।

3 -पुनर्व्यवस्था योजना --शिक्षा पुनर्व्यवस्था योजना एक विशिष्ट योजना है इसका शुभारम्भ वर्ष 1954 में किया गया था, इसके अन्तर्गत प्रदेश के 2552 पूर्व माध्यमिक विद्यालयों

की कक्षा 6 से 8 में कृषि एवं शिल्प विषय को मुख्य शिल्प के रूप में अपनाया गया है। इसके अतिरिक्त द्वितीय पंचवर्षीय योजनान्तर्गत योजना संख्या 10 एवं 11 में भी कृषि एवं शिल्प को बढ़ावा दिया गया है। वर्ष 1972-73 में कृषि नव युवको में बेकारी दूर करने के दृष्टि कोण से भारत सरकार द्वारा कार्यानुभव योजना चलायी गयी जिसके अन्तर्गत 214 विद्यालयों में कृषि एवं शिल्प विषयों में कार्यानुभव प्रदान किया जा रहा है। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य बालको को स्वावलम्बी बनाने हेतु विभिन्न प्रकार के अनुभव प्रदान करना है जिससे वह भावी नागरिक के रूप में अपना स्वतन्त्र व्यवसाय चलाने अथवा अपने पारस्परिक व्यवसाय को नई उन्नत दिशा देने में समर्थ हो सके।

इन योजनाओं के अन्तर्गत अधीनस्थ शिक्षा सेवा राजपत्रित में 5, विशेष अधीनस्थ शिक्षा सेवा में 4, स्नातक वेतनक्रम में लगभग 1156, अविस्नातक वेतनक्रम में लगभग 1520 जे 0टी 0सी 0 में 40 तथा एच 0टी 0सी 0 में एक कर्मचारी कार्यरत है।

कृषि/शिल्प एक तकनीकी विषय है। इसकी प्रावैधिकता को दृष्टिगत रखते हुए तकनीकी मार्गदर्शन हेतु जनपद स्तर पर सहायक कृषि पर्यवेक्षक/सहायक पर्यवेक्षक मण्डल स्तर पर कृषि पर्यवेक्षक/प्रसार निदेशक एवं मुख्यालय स्तर पर शिल्प विशेषज्ञ एवं सहायक कृषि पर्यवेक्षक कार्यरत है।

अभी तक पुनर्व्यवस्था योजना के अध्यापकों के लिए सभी प्रकार से अर्ह होते हुए भी प्रोन्नति के मार्ग अवरोध थे अतः इस एल 0टी 0 ग्रेड की 263 अवरोध पदों को सृजित कर शासन ने सी 0 टी 0 प्रसाराध्यापकों को एल 0टी 0 ग्रेड में प्रोन्नति देने की स्वीकृति प्रदान की है साथ ही सी 0 टी 0 ग्रेड के अध्यापकों को एल 0 टी 0 (सामान्य) एवं प्रति उपविद्यालय निरीक्षक के पदों पर प्रोन्नति देने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस दिशा में कार्यवाही द्रुतगति से प्रारम्भ हो गयी है।

एल 0 टी 0 प्रसाराध्यापकों को भी अर्हताओं के आधार पर सामान्य प्रवक्ता के पदों पर प्रोन्नति देने की कार्यवाही प्रारम्भ हो गयी है।

राजकीय प्रसाराध्यापक प्रशिक्षण केन्द्र डाभासेमर फँजावाद जो एकमात्र पुनर्व्यवस्था योजना का प्रशिक्षण केन्द्र है, पर इन वर्ष प्रदेश के सहायक कृषि पर्यवेक्षक एवम् सहायक पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया और सम्प्रति इस योजना में सहायक कृषि पर्यवेक्षक का प्रशिक्षण चल रहा है। इस केन्द्र पर प्रवक्ताओं के पदों का चयन अर्ह प्रसाराध्यापकों में से करके उनको स्थानान्तरण करने की प्रक्रिया विभाग द्वारा की जा रही है।

विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत विद्यालयों में लगभग 14,440 एकड़ भूमि पर कृषि की प्रयोगात्मक शिक्षा का प्रावधान है।

4--संस्कृत शिक्षा--स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात प्रदेश में 34 वर्षों में संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर प्रगति हुई है। वर्ष 1979-80 तक 1015 संस्कृत पाठशालाओं को राजकीय अनुदान मिल रहा था, वर्ष 1980-81 में शासन द्वारा 33 संस्कृत पाठशालाओं को अनुदान सूची पर लाया गया। इस प्रकार सहायता प्राप्त कुल संस्कृत पाठशालाओं की संख्या 1048 हो गई है। वर्ष 1981-82 में 60 पाठशालाओं को अनुदान सूची पर लाने की प्रस्तावना है। विकास योजनान्तर्गत 24 पाठशालाओं को भवन, सज्जा एवं पुस्तकालय अनुदान देने की भी व्यवस्था की गई है।

दृष्टिगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी संस्कृत पाठशालाओं के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये गये। संस्कृत शिक्षा के प्रचार प्रसार हेतु नवीन संस्कृत पाठशालाओं खाने गई एवं उन्हें मान्यता प्रदान की गई। छात्रों को तंत्रा में निरन्तर वृद्धि हुई है। संस्कृत पाठशालाओं में प्रवक्ताओं का छात्रवृत्ति, निर्वन छात्रवृत्ति तथा

पिछड़ी जाति एवं अनुसूचित जाति के छात्रों के लिये छात्रवृत्तियां स्वीकृत की गयीं। शासन द्वारा संस्कृत के अभाष्यत प्रबगत पण्डितों तथा वेद पंडितों को आर्थिक सहायता प्राप्त कराकर लाभान्वित किया गया है।

5—अरबी तथा फारसी शिक्षा—प्रदेश में मान्यता प्राप्त अरबी तथा फारसी मदरसों की कुल संख्या 334 है। मान्यता प्राप्त मदरसों में निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षा दी जाती है। इन मदरसों में अरबी तथा फारसी की परीक्षाओं के लिये छात्र तैयार किये जाते हैं। विगत तीन वर्षों में मान्यता प्राप्त अरबी मदरसों की संख्या, छात्रों तथा शिक्षकों की संख्या निम्नवत है:—

वर्ष	सहायता प्राप्त मदरसे	असहायता प्राप्त मदरसे	कुल मदरसे	छात्र संख्या	शिक्षक संख्या
1	2	3	4	5	6
1979-80	198	74	272	50897	3495
1980-81	209	74	283	53442	3670
1981-82	209	125	334	58786	4037

अरबी शिक्षा के विकास के लिये विभाग द्वारा विभिन्न प्रकार के अनुदान दिये जाते हैं। अनुसंधान अनुदान की स्वीकृति सम्भागीय उप शिक्षा निदेशक द्वारा दी जाती है। इन मदरसों में निःशुल्क शिक्षा दिये जाने का प्रबन्ध है। मदरसों की ओर से लड़कों के रहने एवं खाने का भी प्रबन्ध है। मान्यता प्राप्त कुछ मदरसों को शासन द्वारा क्रमशः अनुदान सूत्री पर लाया जाता है। मान्यता प्राप्त मदरसों में अध्यापकों तथा अन्य कर्मचारियों को राज्य सरकार द्वारा निर्धारित वेतनक्रम के अनुसार वेतन दिया जाता है।

निरीक्षक अरबी मदरसा उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद जो अरबी तथा फारसी बोर्ड के रजिस्ट्रार भी है द्वारा संचालित अरबी और फारसी की परीक्षाओं में विगत 3 वर्षों में सम्मिलित तथा उत्तीर्ण होने वाले छात्रों की संख्या आदि का विवरण नीचे दिया गया है:—

वर्ष	परीक्षा में सम्मिलित छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या	परीक्षा शुल्क से प्राप्त आय	
1	2	3	4	
1979-80	..	2917	2004	38,177
1980-81	..	3277	1903	43,996
1981-82		3985	2814	46,360

6—राज्य शिक्षा संस्था :- देश में प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक एवं संख्यात्मक उन्नयन हेतु स्वाधीनता प्राप्ति के बाद से निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। इसी उद्देश्य से स्थापित राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के अनुरूप प्रदेश स्तर पर राज्य शिक्षा संस्थानों की स्थापना की गयी। राज्य शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश,

इलाहाबाद की स्थापना 1 फरवरी, 1964 को की गयी। यह संस्थान अपने सभी कार्य निम्नांकित चार रूपों में सम्पादित करता है:—

1—शोध—2—प्रशिक्षण—3—प्रकाशन, तथा 4—प्रसार।

(I) शोध कार्य:—

ह्रास अवरोध निवारण परियोजना—के अन्तर्गत शंकरगढ (इलाहाबाद) पछवा (अलीगढ) तथा डलमऊ, (रायबरेली) के विकास क्षेत्र में इस परियोजना की कार्यविधि समाप्त हो गई है। वर्ष 1981-82 से इस परियोजना के कार्यान्वयन हेतु इलाहाबाद जनपद के सिराय तथा कौड़िहार विकास क्षेत्रों का चयन किया गया है तथा यहां कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है।

अभिस्वीकृत विद्यालय परियोजना—इलाहाबाद जनपद के चाका विकास क्षेत्र के चूने हुए दस विद्यालयों में संचालित की जा रही है।

प्रारम्भिक स्तरीय पाठ्यक्रम (संशोधित) (1980-81)—में जनसंख्या शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा, पोषण, पर्यावरणीय प्रदूषण, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा एवं सद्भावना, सड़क पर चलने के नियम एवं धूम्रपान निषेध आदि सामयिक महत्त्व के प्रकरणों का समावेश कर एक पाठ्यक्रम निर्देशिका तैयार की गयी। बेसिक शिक्षा परिषद् उ० प्र०, द्वारा इसको अनुमोदन प्राप्त हो गया है। पाठ्यपुस्तकों में इन नवीन प्रकरणों के समावेश का कार्य प्रस्तावित है।

प्राइमरी स्तरीय उर्दू भाषा—के पूरक पाठ्यक्रम की पाण्डुलिपि तैयार कर विभाग को भेजी गयी। अन्य विषयों का पाठ्यक्रम भी उर्दू लिपि में तैयार किया जा रहा है।

यूनीसेफ सहायता प्राप्त परियोजना— 2 के अन्तर्गत चयनित 150 प्राइमरी विद्यालयों की कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए भाषा तथा गणित की पाठ्य पुस्तकें, शिक्षक संदर्शिकायें तथा अभ्यास पुस्तिकायें, परिवेशीय अध्ययन, सृजनात्मक अभिव्यक्ति तथा समाजोपयोगी उत्पादक कार्य हेतु शिक्षक संदर्शिकाओं का प्रकाशन किया गया। परियोजनागत प्रत्येक प्राथमिक विद्यालय को पांच सौ रूपयों की सामग्री तथा दीक्षा विद्यालयों को पन्द्रह-पन्द्रह सौ रूपयों की संदर्भ पुस्तकें/सहायक सामग्री भेजी जा रही है। परियोजनागत दीक्षा विद्यालयों तथा प्राइमरी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों तथा क्षेत्रीय निरीक्षकों को प्रदान किये प्रशिक्षण का विवरण निम्नवत है:—

कार्यक्रम का विवरण	संख्या कार्यशाला	प्रतिभागियों की संख्या
1—शैक्षिक सामग्री के निर्माण हेतु कार्यशालायें	3	77
2—प्रशिक्षण कार्य हेतु कार्यशालायें	3	865

यूनीसेफ सहायता प्राप्त परियोजना संख्या 3 के अन्तर्गत चयनित पांच केंद्रों डाक बंगला, (भीमताल), नूरपुर (महमूदाबाद), खोह (कर्वी), सलखन (रावटसंगंज) तथा समदा (मंझनपुर) पर सामुदायिक शिक्षा एवं विकासात्मक कार्यक्रम आरम्भ कर दिया गया है तथा

इन केन्द्रों को शैक्षणिक सामग्री तथा अन्य उपकरण उपलब्ध कराये जा रहे हैं। इस परि-
योजना के अन्तर्गत आयोजित कार्यशालायें निम्नांकित हैं:—

कार्य का विवरण	कार्यशालाओं की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1—सामुदायिक कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण एवं कार्य निर्धारण	2	68
2—शैक्षणिक सामग्री निर्माण	.. 1	11
3—कार्य नियोजन तथा उसका क्रियान्वयन	.. 5	161

यूनीसेफ सहायता प्राप्त परियोजना संख्या 5 (केप) के अन्तर्गत वर्ष 1981-82 में 12 कार्यशालायें आयोजित की गईं जिनमें दीक्षा विद्यालयों के प्रधान क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के प्रवक्ता, उप विद्यालय निरीक्षक/निरीक्षिका, प्रति उप विद्यालय निरीक्षक कुल 595 प्रतिभागियों को 'केप' सम्बन्धी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन कार्यशालाओं में प्रतिभागियों द्वारा 321 अधिगम प्रसंगों का निर्माण किया गया।

प्रदेश के सातों क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों में शैक्षिक उन्नयन हेतु जूनियर स्तरीय हिन्दी, विज्ञान, अंग्रेजी, सामाजिक अध्ययन एवं गणित आदि विषयों के शिक्षण को प्रभावी बनाने की दिशा में नवीन शिक्षण विधियों, तकनीकों एवं विषय-वस्तु संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। प्रौढ शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, शिक्षा का सार्वजनिकरण, यूनीसेफ सहायता प्राप्त परियोजना स 0 5 संबंधी कार्य भी इन संस्थानों द्वारा सम्पन्न किया जा रहा है।

II—प्रशिक्षण:—विभिन्न परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रशासनिक अधिकारियों निरीक्षण अधिकारियों, शिक्षक प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों हेतु अनेक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। राज्य शिक्षा संस्थान के विशेषज्ञों ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् नई दिल्ली तथा क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।

III—प्रकाशन—“संस्थान समाचार,” “संस्थान विचार” तथा “प्रतिभा की किरण” संस्थान के स्थायी प्रकाशन हैं। “संस्थान समाचार” की त्रैमासिक पत्रिका में शैक्षिक लेख, गोष्ठियों की सक्षिप्त आख्यायें प्रकाशित होती हैं। अंक 62 (अप्रैल-जून 1981) मुद्रणाधीन है। अंक 63 मुद्रण हेतु तैयार किया जा रहा है। वार्षिक प्रकाशन (संस्थान विचार अंक) 11 तथा 12 मुद्रण हेतु प्रेस में भेजे गये। अंक 13 (1981) जनसंख्या शिक्षा—विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जायेगा। “प्रतिभा की किरण” में राष्ट्र तथा राज्य द्वारा पुरस्कृत शिक्षकों के शैक्षिक लेख प्रकाशित किये जाते हैं। “प्रतिभा की किरण” 1980 मुद्रण हेतु प्रेस में भेजी गई तथा वर्ष 1981 की मुद्रण हेतु तैयार है।

अन्य प्रकाशनों के अन्तर्गत विभिन्न आख्यायें, विचार पत्रक, लेख, विभिन्न अनुभागों द्वारा प्रकाशित कराये गये।

IV—प्रसार—संस्थान के विशेष कार्यों, प्रशिक्षणों तथा प्रकाशनों के माध्यम से प्रदेश की प्राथमिक शिक्षा में रत सभी व्यक्तियों को देग तथा प्रदेश की विभिन्न योजनाओं, शिक्षा की नवीन प्रवृत्तियों, शिक्षण की नूतन विधायों एवं विभिन्न क्षेत्र में प्राप्त उपलब्धियों से अवगत कराया गया।

उपर्युक्त महत्वपूर्ण कार्यों के साथ-साथ संस्थान ने अपने विभिन्न अनुभागों द्वारा निम्नांकित विशेष उल्लेखनीय कार्य किये:—

क—पत्राचार प्रशिक्षण अनुभाग—पैर सरकारी मान्यता प्राप्त प्राइमरी स्कूलों/जूनियर हाई स्कूलों में कार्यरत अप्रशिक्षित शिक्षक/शिक्षिकाओं के लिए पत्राधारित प्रणाली से द्विवर्षीय

बी० टी० सी० प्रशिक्षण व्यवस्था की गई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों की संस्तुति के आधार पर इस प्रशिक्षण में प्राइमरी स्तरीय 1240 तथा जूनियर स्तरीय 2099 कुल 3339 प्रशिक्षार्थी पंजीकृत किये गये हैं। इनमें पुरुष प्रशिक्षार्थियों की संख्या 2625 तथा महिला प्रशिक्षार्थियों की संख्या 714 है। ये प्रशिक्षार्थी 93 प्रशिक्षण केन्द्रों पर पंजीकृत किये गये हैं जिनमें राजकीय दीक्षा विद्यालय (पुरुष) 54, राजकीय दीक्षा विद्यालय (महिला) 30, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान 3 (1 पुरुष + 2 महिला) तथा राजकीय बालिका इन्टर कालेज (बी० टी० सी० इकाई) 6 हैं।

ख—प्राविधिक इकाई—वर्ष 1981-82 में सेवारत पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण के अन्तर्गत वर्ष 1976 से प्रभावी एक-मासीय पाठ्यक्रम को संशोधित कर पन्द्रह-द्विमासीय किया गया। पुनः इसमें प्राथमिक स्तरीय विषयों को शिक्षा के नये संदर्भ में समायोजित कर विद्यालयों में वितरित किया गया। समस्त दीक्षा विद्यालयों में यह सेवारत प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नांकित रूप में सम्पन्न किया जा रहा है—

वर्षान्त तक फेरों की संख्या	जनपद के दीक्षा विद्यालय में प्रशिक्षार्थियों की प्रवेश संख्या (प्रति फेरा)	
16	मैदानी क्षेत्र	पुरुष—24 महिला—22 } 46
	पर्वतीय क्षेत्र	पुरुष—20 महिला—20 } 40

पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत अब तक सम्पादित कार्य का विवरण निम्नवत है:—

क्रम-संख्या	प्रशिक्षण केन्द्रों की संख्या	वर्ष में फेरों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या एक फेरे में	एक वर्ष में प्रशिक्षित प्रतिभागी	अब तक प्रशिक्षित कुल संख्या
1	22	9	900	100×9 =900	53000 (35500 पुरुष 17500 महिलाएँ)

नव संशोधित द्विवर्षीय बी० टी० सी० पाठ्यक्रमाधारित प्रशिक्षण विज्ञान (सैद्धान्तिक) संवर्धी पाठों प्रश्न-पत्रों के लिये शिक्षक संदर्शिका के सृजन, मुद्रण, वितरण मूल्यांकन एवं प्रति-पोषण हेतु दीक्षा विद्यालयों से व्यक्तिगत सम्पर्क कर उन्हें स्थलीय आवश्यक निर्देशन, बी० टी० सी० प्रशिक्षण संवर्धी अद्यतन साहित्य का समीक्षात्मक अध्ययन प्रारम्भिक स्तरीय प्रशिक्षण प्रक्रिया के स्वरूप से अवगत होने के लिये अभीष्ट पृच्छावली के प्रारूप का निर्माण एवं प्रेषण संस्थान के प्रस्तावित कार्यक्रम हैं।

ग—अनीपचारिक शिक्षा अनुभाग—वर्ष 1980-81 में प्रदेश में प्रत्येक जनपद के दो विकास खण्डों में अनीपचारिक शिक्षा केन्द्र खोले गये हैं। इन केन्द्रों के लिये पठन साहित्य, प्रचार साहित्य, प्रशिक्षण के लिये पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण के आयोजन एवं तत्सम्बन्धी प्राविधिक कार्य के लिये एक वरिष्ठ परामर्शी एवं परामर्शी इस अनुभाग में कार्य करते हैं।

केन्द्रों पर प्रयोग हेतु प्राइमरी स्तर के प्रथम वर्ष के बच्चों के लिये पाठ्यपुस्तक जानदीप भाग 1, शिक्षक संदर्शिका, अनौपचारिक शिक्षा परिचायिका, पाठ्यत्रम, सर्वेक्षण प्रपत्र, वर्ण-माला चार्ट का प्रकाशन किया गया। जानदीप भाग 2 व 3 की पाण्डुलिपि तैयार हो गई है। इस कार्यक्रम से संबंधित कार्यकर्ताओं, प्रधानाध्यापकों एवं समन्वयकों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। वर्ष 1981-82 में प्रत्येक जनपद में दो श्री विकास क्षेत्रों में पचास-पचास नये प्राइमरी स्तर के तथा सात-आठ मिडिल स्तर के केन्द्र खोलने का प्रस्ताव है।

घ—जन संख्या शिक्षा इकाई—जनसंख्या विस्फोट से उत्पन्न सामाजिक-आर्थिक समस्याओं के हल के रूप में जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है। यू०एन 0एफ० पी०ए० की वित्तीय सहायता से भारत सरकार तथा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली द्वारा संचालित राष्ट्रीय योजना के अंग के रूप में उत्तर प्रदेश में अप्रैल 1981 से मार्च 1984 तक त्रिआनवित करने की योजना तैयार की गयी है। प्रदेश में इस कार्यक्रम के संचालन हेतु इस वर्ष एक प्रकोष्ठ की स्थापना संस्थान में ही गयी है। इस प्रकोष्ठ द्वारा प्रशिक्षण एवं साहित्य निर्माण का कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। मडल स्तर पर भी जनसंख्या शिक्षा, प्रकोष्ठ की स्थापना द्वारा परियोजना की रूप रेखा से अभिज्ञ कराया गया। संस्थान के जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ के संदर्भ व्यक्तियों को सामग्री निर्माण आदि संबंधी सृजन प्रशिक्षण हेतु भोपाल (म० प्र०) भेजा गया।

7—राज्य हिन्दी संस्थान, उत्तर प्रदेश, वाराणसी— राष्ट्र भाषा हिन्दी के स्तरोन्नयन हेतु राज्य हिन्दी संस्थान की स्थापना हुई थी। शिक्षा विभाग का प्रदेशीय स्तर का यह एक विशिष्ट संस्थान है जो हिन्दी शिक्षण के प्रसार एवं सुधार हेतु कार्यरत है। संस्था अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निम्नांकित कार्यक्रम चला रही है:—

(1) प्रशिक्षण—हिन्दी भाषा स्तरोन्नयन हेतु उद्देश्य से संस्थान भाषा शिक्षकों तथा निरीक्षकों को अल्पकालिक प्रशिक्षण देने में सतत प्रयत्नशील है। इस दिशा में संस्थान ने अब तक प्राथमिक से माध्यमिक स्तर के 5,239 अध्यापकों तथा 641 निरीक्षकों को प्रशिक्षित किया है।

(2) शोध—हिन्दी भाषा स्तरोन्नयन हेतु संस्थान के सदस्य शोध परक साहित्य के लिए निर्माणरत हैं।

(3) प्रकाशन—संस्थान के विशेषज्ञों के शोधपरक कार्यों के साथ ही प्रकाशन का कार्य भी निरन्तर चलता रहता है। इस दिशा में शोधपरक वाणी-पत्रिका का प्रकाशन नियमित रूप से होता है। इसके अतिरिक्त संस्था ने हिन्दी शिक्षा स्तरोन्नयन की दिशा में सहायक 32 लघु पुस्तिकाओं का प्रकाशन किया है।

8—अंग्रेजी भाषा शिक्षा संस्थान इलाहाबाद—इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य अंग्रेजी शिक्षक/शिक्षिकाओं को प्रशिक्षण देना तथा अंग्रेजी शिक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान एवं प्रकाशन कार्य करना है। यह संस्थान पूर्व माध्यमिक विद्यालय, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं शिक्षक प्रशिक्षण स्तर पर अंग्रेजी भाषा के अध्ययन-अध्यापन से गुणात्मक सुधार लाने हेतु प्रयत्नशील है। संस्थान के कार्यक्रमों को मुख्यतः पांच खण्डों में विभाजित किया जा सकता है:—

- 1—नियमित अंग्रेजी अध्यापक, अध्यापिकाओं का प्रशिक्षण।
- 2—अभिनवीकरण काय शालायें एवं गोष्ठियां।
- 3—अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम, एवं अनुगमन कार्यक्रम।
- 4—क्रियात्मक शोध परियोजनायें।
- 5—प्रकाशन।

अप्रैल 1981 में समाप्त होने वाले डिप्लोमा प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। अगस्त 1981 से प्रारम्भ डिप्लोमा प्रशिक्षण में 30 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

प्रदेश के 7 क्षेत्रीय शिक्षा संस्थाओं में उनसे सम्बद्ध राजकीय दीक्षा विद्यालयों के अध्यापकों/अध्यापिकाओं के बी० टी० सी० पाठ्यक्रम के शिक्षण हेतु जुलाई एव दिसम्बर 1981 में अल्पकालीन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये जा रहे हैं। क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों के सहयोग से उनके 5 कि० मी० की परिधि में आने वाले पूर्व माध्यमिक विद्यालयों के अग्रेजी शिक्षकों के लिये प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये गये।

संस्थान से अच्छी श्रेणी में डिप्लोमा प्राप्त तथा हैदराबाद से प्रशिक्षित प्रदेश के शिक्षक/शिक्षिकाओं की एक त्रिदिवसीय गोष्ठी अग्रेजी के महत्वपूर्ण विषयों पर नवम्बर 1981 से आयोजित की गई।

संस्थान (न्यूज एव व्यूज) का प्रकाशन प्रतिमास किया जा रहा है। प्रोफीशियेन्सी इन स्पोकेन इंगलिश कोर्स अप्रैल 1981 में समाप्त हो चुका है और 148 प्रतिभागी प्रशिक्षित किये जा चुके हैं।

प्रशिक्षण का अगला डिप्लोमा प्रशिक्षण जनवरी 1982 से प्रारम्भ हो रहा है। अनुगमन कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रदेश के मैनपुरी, फर्रुखाबाद, चमोली जनपदों के हाई स्कूल के लगभग 250 अग्रेजी अध्यापकों को लघु प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नवीनीकृत किया जायगा। आगरा तथा मथुरा नगरपालिका के बेसिक शिक्षा परिषदीय विद्यालयों के लगभग 80 शिक्षक लघु प्रशिक्षण में प्रशिक्षित किये जायेंगे।

मनोविज्ञान सेवा की सुविधा—प्रदेश में मनोविज्ञानशाला, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद तथा मण्डलीय मनोविज्ञान केंद्रों द्वारा शैक्षिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र में मनोविज्ञान संबंधी वैयक्तिक तथा सामूहिक निर्देशन के साथ प्रशिक्षण, प्रवेश, चयन, शोधकार्य, प्रकाशन तथा व्यावसायिक सूचनाओं के प्रसारण का कार्य सम्पादन किया जाता है। आख्यागत वर्ष में निम्नवत् कार्य आयोजित किये गये :

1—मनोविज्ञानशाला द्वारा व्यक्तिगत, बाल एवं सामूहिक निर्देशन दिया गया।

2—व्यावसायिक सूचनाओं का प्रसारण—इस अवधि में विभिन्न व्यवसाय सम्बन्धी सूचनायें 460 व्यक्तियों ने प्राप्त की। चिकित्सा, इंजीनियरिंग, नेशनल डिफेंस एकेडमी, प्रशासकीय ब्लाक डेवलपमेन्ट आफिसर, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट, आकाशवाणी तथा जल थल एव वायु सेवा से संबंधित प्रमुख व्यवसायों की सूचनायें प्रदान की गयी। समय-समय पर व्यावसायिक सूचना कक्ष एवं वाचनालय देखने हेतु इण्टर कालेजों व प्रशिक्षण विद्यालयों के छात्र भी आते रहे।

3—प्रकाशन—“आपका बालक” “व्यावसायिक सूचना” तथा “समाचार” शीर्षक के अन्तर्गत पत्रिकायें तथा निम्नलिखित प्रपत्र मुद्रित हुये :—

- 1—पिजन अशाब्दिक बुद्धि परीक्षण
- 2—पिजन अशाब्दिक परीक्षण उत्तर पत्र
- 3—रुचि पत्री
- 4—शैक्षिक निष्पत्ति पत्री
- 5—शैक्षिक व्यावसायिक प्रोफील
- 6—शैक्षिक व्यावसायिक आख्या पत्र
- 7—रोशाख साइकोग्राम

4—चुनाव कार्य—1—भारत सरकार छात्रवृत्ति योग्यता परीक्षा 1980-81 जनपद स्तर की जुलाई 81 में हुई जिसने 490 छात्र सम्मिलित हुए। अन्तिम परीक्षा व साक्षात्कार 242 छात्रों का सितम्बर 1981 में हुआ।

2—पुलिस मोटर ड्राइवर के चयन हेतु दो बार क्रमशः 425 व 250 अभ्यर्थियों को मनोवैज्ञानिक परीक्षण देकर मूल्यांकन किया गया।

3—फायर ब्रिगेड के 40 मोटर ड्राइवरों के चुनाव हेतु परीक्षण किये गये।

4—पुलिस सब इन्स्पेक्टर चयन परीक्षा 1980-81 हेतु मनोविज्ञान के प्रश्न पत्रों का मूल्यांकन कार्य किया गया।

5—स्पोर्ट्स कालेज, लखनऊ में कक्षा 9 व 11 में अभ्यर्थियों को चयन परीक्षण दिये गये।

6—सिटी माण्टेसरी स्कूल के अन्तर्गत विभिन्न विद्यालयों के कक्षा 9 में प्रवेश हेतु मनोवैज्ञानिक परीक्षण दिये गये।

5—शोध कार्य—1—पिजन अशाब्दिक परीक्षा का नया उत्तर पत्र बना तथा उसके भाग 2, 3, 4 के योग का मानांक निकाला गया।

2—चाइल्ड बैटरी व लैण्डर गेस्टाल्ट परीक्षण मानांक हेतु प्राइमरी स्कूल के बच्चों पर प्रशासित किये गये।

3—नव निर्मित प्रौढ़ बुद्धि परीक्षण का मानकीकरण कार्य सम्पन्न हुआ।

4—डी0 ए0 टी0 परीक्षण के विभिन्न पक्षों जैसे अनूर्त चिन्तन, आक्रिय योग्यता, शाब्दिक योग्यता तथा यांत्रिक योग्यता के मानक निकाले गये।

5—कुछ अन्य प्रमुख शोध योजनाये प्रारम्भ की गई हैं जो निम्नलिखित हैं—

(ए) भारतीय युवकों व किशोरों की रोशाख व्यक्तित्व परीक्षण पर दी गई प्रतिक्रियाओं का एक अव्ययन।

(बी) आवासीय विद्यालयों में एकीकृत छात्रवृत्ति के आवार पर पढ़ने वाले बच्चों के विभिन्न स्तर के प्राप्तांकों का सह सम्बन्ध।

(सी) खेल द्वारा बच्चों की योग्यताओं व उनके व्यक्तित्व की परख एक अव्ययन।

(डी) सी0 ए0 टी0 व्यक्तित्व परीक्षण द्वारा भारतीय बच्चों की प्रतिक्रियाये व उनका मूल्यांकन।

(ई) टी0 ए0 टी0 व्यक्तित्व परीक्षण पर भारतीय लोगों की प्रतिक्रियाये— एक अव्ययन।

(एफ) कक्षा 10 व 12 के परवात् विद्यार्थियों को व्यावहारिक परामर्श।

6—प्रावासीय छात्रवृत्ति योजना—प्रदेश के दो राजकीय इण्टर कालेजों के 48 छात्रों को व्यक्तिगत रूप से परीक्षण दिये गये। उनका मूल्यांकन कर आख्याये संबन्धित विद्यार्थियों के प्रबानाचार्यों को भेजी गई। सन 1976-77 के आवासीय विद्यार्थियों के एकीकृत परीक्षण क प्राप्तांक शिक्षा विभागोपरोभाये उत्तर प्रदेश के कार्यालयसे तथा उनके हाई स्कूल व इण्टर के प्राप्तांक परिषद् द्वारा प्राप्त कर अंकित किये गये।

7—प्रशिक्षण—1—सत्र 1980-81 में मनोविज्ञानशाला से 9 प्रशिक्षणार्थियों ने डी0जी0पी0 का व्यावहारिक व सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्राप्त किया। अन्तिम सैद्धांतिक प्रशिक्षण में कवल-आठ विद्यार्थी ही शामिल हुये।

सत्र 1981-82 के प्रशिक्षण हेतु 15 प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण ले रहे हैं।

2—शिक्षा एवं मनोविज्ञान के प्रदेश के 13 प्रवक्ताओं ने पुनर्बोधकरण प्रशिक्षण मनो-विज्ञान शाला इलाहाबाद से प्राप्त किया।

3—क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के 7 प्रतिभागियों को संचयी अभिलेख का एक सक्षिप्त प्रशिक्षण दिया गया।

4—“बाल निर्देशन गोष्ठी” के अन्तर्गत 5 शिक्षा संस्थाओं के 10 प्रवक्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया।

8—विविध—1—लखनऊ में “चेतना” संस्थान के मन्द बुद्धि बालकों की शिक्षा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को मनोवैज्ञानिक बातियाँ दी गयीं।

2—सी0पी0आई0, इलाहाबाद में एन0 सी0 ई0 आर0 टी0 दिल्ली द्वारा आयोजित “शोध प्रणाली कार्यक्रम” सेमिनार में दो विषयों पर परियोजनायें तैयार की गयीं।

3—एन0 सी0 ई0 आर0 टी0, दिल्ली द्वारा पुनः आयोजित “मनोवैज्ञानिक परीक्षण” सेमिनार में सक्रिय सहयोग दिया गया।

4—आवासीय विद्यालयों में प्रवेश हेतु भारत सरकार छात्रवृत्ति योग्यता परीक्षा 1981 की प्रारम्भिक परीक्षा हेतु हिन्दी व अंग्रेजी भाषा तथा गणित (हिन्दी और अंग्रेजी) के प्रश्न पत्र 11 आयु वर्ग के लिए बनाये गये।

5—सिटी माण्टेसरी स्कूल, लखनऊ के अन्तर्गत विभिन्न विद्यालयों में कक्षा 9 में प्रवेश हेतु 193 छात्र/छात्राओं को मनोवैज्ञानिक परीक्षण दिये गये।

6—स्पोर्ट्स कालेज, लखनऊ में प्रवेशार्थ 350 अभ्यर्थियों को मनोवैज्ञानिक परीक्षण दिये गये।

10—राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान—प्राइमरी से इण्टरमीडिएट स्तर तक राज्य विज्ञान शिक्षा के सर्वतोमुखी विकास हेतु प्रदेश का शिक्षा विभाग विज्ञान शिक्षा की अनेक योजनायें एवं यूनीसेफ की सहायता से विज्ञान शिक्षा के अनेक कार्यक्रम राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, इलाहाबाद के माध्यम से क्रियान्वित कर रहा है। सामान्यतः पाठ्यक्रमों का निर्माण, पाठ्यक्रमों पर समीक्षा, पाठ्य पुस्तकों की रचना, शिक्षक संदर्शिकाओं का निर्माण, टीचर्स हेड बुक, किटगाइडो, शिक्षण तकनीकों, स्वनिर्मित विज्ञान उपकरणों, मूल्यांकन दिग्दर्शिकाओं, प्रश्न बैंको, माडल प्रश्नों आदि के निर्माण व सशोधन के कार्य यहीं सम्पादित होते रहते हैं। तदनुसार शैक्षिक उपलब्धियों पर सक्षिप्त प्रगति आख्या निम्नवत् है:—

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज, परीक्षा 1981 सम्बन्धी प्रशिक्षण कार्यक्रम—

उक्त परीक्षा की तैयारी हेतु उपयोगी साहित्य एवं प्रश्नमालाओं का निर्माण किया गया। प्रदेश के विभिन्न मण्डलों, बरली, नैनीताल, फैजाबाद, झांसी तथा गोरखपुर के राजकीय इण्टर कालेजों में 2-5-81 से 4-5-81 तक तिथियों में भौतिकी, रसायन विज्ञान जीव विज्ञान तथा गणित विषयों में मंडलीय स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर छात्रों को निर्देशन प्रदान किये गये जिससे परीक्षाओं में सफलता हेतु छात्र-छात्राओं को बहुत अच्छी सहायता मिली।

प्रस्तावित हाई स्कूल की सामान्य शिक्षा के अन्तर्गत विज्ञान-की न्यूनतम आवश्यकताओं की सूची का निर्माण—

प्रस्तावित हाईस्कूल के सामान्य शिक्षा के अन्तर्गत गणित व विज्ञान के पाठ्यक्रमों का निर्माण कराया गया साथ ही विज्ञान-1 के पाठ्यक्रम को पुनर्गठित कर भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं जीव विज्ञान का एक कम्पोजिट प्रस्तावित पाठ्यक्रम भी तैयार किया गया।

प्रस्तावित हाई स्कूल की सामान्य शिक्षा के अन्तर्गत विज्ञान-1 की न्यूनतम आवश्यकताओं की सूची का निर्माण—

प्रस्तावित पाठ्यक्रम के अनुसार हाईस्कूल विज्ञान-1 के लिये प्रयोगी एवं प्रदर्शन प्रयोगों की सूचियों और उनके लिये आवश्यक न्यूनतम उपकरण एवं सामग्री की सूचियाँ तैयार की गई। साथ ही इनके लिये आवश्यक धन तथा प्रयोगशाला की साज-सज्जा एवं उनके निर्माण के सम्बन्ध में भी प्रस्ताव तैयार किये गये।

सतत शिक्षा योजना के अन्तर्गत हाई स्कूल एवं इंटर के विज्ञान तथा गणित विषयों के अध्यापकों का पुनर्शिक्षण—

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली के सहयोग से प्रदेश के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के विज्ञान एवं गणित के अध्यापक/अध्यापिकाओं को सतत शिक्षा योजना के अन्तर्गत इस संस्थान में पुनर्शिक्षित किया जा रहा है। इसमें हाईस्कूल स्तर के 240 विज्ञान, जीव विज्ञान एवं गणित के अध्यापकों तथा इंटर स्तर के 144 भौतिकी, रसायन जीव विज्ञान एवं गणित के अध्यापकों को पुनर्शिक्षित करने का लक्ष्य है। इस प्रशिक्षण में इन विषयों के कठिन सम्बन्धों के सरलीकरण, शिक्षण के सुधार प्रयोगात्मक कार्य एवं प्रतिदर्श प्रश्न-पत्रों के निर्माण आदि पर अधिक बल दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण अध्यापकों के लिये बड़ा उपयोगी सिद्ध हो रहा है।

पुनर्बोधोत्तमक प्रशिक्षण —

हाईस्कूल स्तर के विज्ञान एवं गणित अध्यापकों के लिए पुनर्बोधोत्तमक प्रशिक्षण की योजना संस्थान में भी संचालित है। इस प्रशिक्षण में प्रस्तावित विज्ञान-1 व विज्ञान-2 व गणित-1 व गणित-2 में सम्मिलित नवीन तथा कठिन सम्बोधों के सरलीकरण, प्रयोगात्मक कार्य एवं प्रतिदर्श प्रश्न-पत्रों के निर्माण पर बल दिया जा रहा है। इस योजना के अन्तर्गत इस वर्ष विज्ञान एवं गणित के 260 अध्यापकों को रिसोर्स परसोनल के रूप में प्रशिक्षित करने का लक्ष्य है, जिनके माध्यम से तदुपरोक्त प्रदेश के सभी विज्ञान अध्यापकों को नवीन पाठ्यक्रम के लागू होने के पूर्व इस दिशा में प्रशिक्षित करने की योजना है।

विज्ञान क्लबों को स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण—

विद्यालय, जनपद तथा मण्डलीय स्तरों पर विज्ञान क्लबों की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण की विस्तृत योजना तैयार की गई है जिसके अनुमोदनोपरोक्त लागू होने पर इस दिशा में अत्यन्त प्रगति होने की संभावना है।

राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी—

संस्थान के निर्देशन में जनपद तथा मण्डल स्तरों पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन प्रतिवर्ष किया जा रहा है। राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का भी आयोजन वर्ष 1973 से प्रारम्भ करके अब तक प्रतिवर्ष पं० जवाहर लाल नेहरू स्मारक निधि के सहयोग तथा एन०सी० ई०आर०टी०, तथा स्टेट बजट की सहायता से संस्थान के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस वर्ष भी राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी इस संस्थान के निर्देशन में स्वराज्य भवन/भानन्द भवन इलाहाबाद के परिसर में दिनांक 14-11-81 से 18-11-81 तक आयोजित की गयी।

सैम्पल किट का निर्माण तथा किट गाइड निर्माण—

प्रचलित विज्ञान की पाठ्य पुस्तकों पर आधारित एक सैम्पल किट तथा उसकी गाइड का निर्माण किया जा रहा है। उक्त किट में स्थानीय साधनों पर आधारित सुलभ सस्ते व घरेलू मेटिरियल का उपयोग किया जा रहा है जिसे इस वर्ष ड्राप आउट करने का भी प्रस्ताव है।

जनपद शैक्षिक केन्द्रों के कार्यकलापों का सुदृढ़ीकरण एवं विस्तारः—

प्राथमिक स्तरीय विज्ञान शिक्षा की प्रगति हेतु प्रत्येक जनपद में एक (कुल मिलाकर 56) जनपद शैक्षिक केन्द्रों की स्थापना प्रत्येक जिले से चुने हुए एक-एक राजकीय दीक्षा विद्यालय में की गई है। उक्त केन्द्रों को विज्ञान शिक्षा के उन्नयन हेतु विज्ञान कार्यक्रमों (अध्यापकों के पुनर्बोधात्मक प्रशिक्षण सहित) के सम्बन्ध में आवश्यक निर्देशन प्रदान किया जा रहा है जिसके लिये इन केन्द्रों के विज्ञान अध्यापकों को इस संस्थान में प्रशिक्षित भी किया जा चुका है।

विचार गोष्ठियां कार्यशालायें—

प्रयोगात्मक कार्य में सुधार, पर्यावरण एवं स्थानीय साधनों पर आधारित जूनियर हाई स्कूल स्तरीय विज्ञान शिक्षण हेतु स्वनिर्मित उपकरणों का निर्माण, पाठ्य संकेतों के सुधार व सरलीकरण तथा विज्ञान क्लब आदि सम्बन्धी विभिन्न गोष्ठियों कार्यशालायों को इस वर्ष आयोजित करने का प्रस्ताव है।

इस प्रकार संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि विज्ञान शिक्षा के विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजनों तथा सघन निरीक्षण व सर्वेक्षण से प्रदेश में विज्ञान शिक्षा में निश्चित रूप से प्रगति हुई है। छात्रों एवं अध्यापकों में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा बढ़ी है तथा विज्ञान शिक्षण का स्तर समुन्नत हुआ है।

पुस्तकालय सेवार्थें

(1) पुस्तकालय कोष्ठक—

प्रदेश में पुस्तकालयों की प्रगति की ओर विशेष ध्यान नहीं दिया जा रहा था। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि शिक्षा के प्रत्येक स्तर जिसमें बाल तथा प्रौढ़ शिक्षा सम्मिलित है, को पुस्तकालय सेवा का समर्थन प्राप्त हो, शासन ने वर्ष 1980-81 में छठी पंच-वर्षीय योजना की एक परियोजना के अन्तर्गत शिक्षा विभाग में एक पुस्तकालय कोष्ठक की स्थापना की। इस कोष्ठक को सामान्य रूप से पुस्तकालय नीति एवं पद्धति के विकास करने के साथ पुस्तकालयों संबंधी सभी आवश्यक कार्य करने का उत्तरदायित्व सौंप दिया गया है। वर्ष 1980-81 में इस कोष्ठक के लिए ₹ 58,000 का आयोजनागत आय-व्ययक में प्राविधान था। 1981-82 में ₹ 1,68,000 का प्राविधान किया गया है।

(2) केन्द्रीय राज्य पुस्तकालय, इलाहाबाद—

इलाहाबाद स्थित राजकीय केन्द्रीय पुस्तकालय एक अत्यन्त उपयोगी एवं महत्वपूर्ण संस्था है। इसकी स्थापना वर्ष 1949 में की गयी थी इसमें प्रेस तथा रजिस्ट्रेशन आफ बुक्स ऐक्ट के अन्तर्गत प्रदेश में प्रकाशित प्रायः प्रत्येक पुस्तक की एक प्रति संग्रहीत की जा चुकी है।

वर्ष 1980-81 के अन्त तक केन्द्रीय राज्य पुस्तकालय में हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू तथा बंगाली एवं संस्कृत भाषा की लगभग 48,900 पुस्तकों का संग्रह है। पञ्जीकृत से ग्रहीताओं की संख्या 75,884 है। 1,39,633 पाठकों ने पुस्तकालय के अध्ययन कक्ष में पुस्तकों, दैनिक पत्र एवं पत्रिकाओं का संदर्भ एवं सामान्य अध्ययन के लिए प्रयोग किया है।

केन्द्रीय राज्य पुस्तकालय के नए भवन के निर्माण हेतु शासन द्वारा 14,90,000 रुपये की स्वीकृति की जा चुकी है तथा निर्माण-कार्य वर्ष 1980-81 से प्रारम्भ हो गया है।

(3) राजकीय जिला पुस्तकालय—

प्रदेश के आठ मैदानी क्षेत्र (कानपुर, वाराणसी, आगरा, बरेली, मथुरा, झांसी, गोरखपुर तथा मेरठ) तथा 6 पर्वतीय क्षेत्र (चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, अल्मोडा, देहरादून तथा पौड़ी-गढ़वाल) में राजकीय जिला पुस्तकालय स्थापित है। प्रत्येक पुस्तकालय में लगभग 10-12 हजार पुस्तकें हैं। वर्ष 1979-80 में बनाई गई एक परियोजना के अधीन मैदानी क्षेत्र के 8 जिला पुस्तकालयों का सुदृढीकरण किया जा रहा है। वर्ष 1980-81 में इस कार्य हेतु ₹ 1 97 लाख व्यय किया गया। वर्ष 1981-82 में ₹ 2 37 लाख व्यय करने का प्राविधान है।

(4) इलाहाबाद पब्लिक लाइब्रेरी—

इलाहाबाद पब्लिक लाइब्रेरी पर व्यय उच्च शिक्षा गिदेशालय के आय-व्ययक से किया जाता है। शासन द्वारा इस पुस्तकालय का प्रान्तीयकरण वर्ष 1975 में किया गया था। छठी पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत इस पुस्तकालय का विकास एवं सुदृढीकरण भी किया जा रहा है। इस कार्य के लिये वर्ष 1980-81 तथा 1981-82 के आयोजनागत आय-व्ययक में क्रमशः ₹ 1 00 लाख तथा ₹ 1.00 लाख का प्राविधान किया गया। पुस्तकालय का सुचारु रूप से संचालन करने हेतु शासन द्वारा इलाहाबाद मण्डल के आयुक्त की अध्यक्षता में एक प्रबन्धक समिति गठित की गयी है।

(5) पुस्तकालयों को आवर्तक तथा अनावर्तक अनुदान—

शासन द्वारा प्रदेश के 250-300 सार्वजनिक पुस्तकालयों को आवर्तक तथा अनावर्तक अनुदान दिया जाता है। यह अनुदान पुस्तक क्रय, भवन निर्माण/मरम्मत, पुस्तक बन्धन तथा फर्नीचर/काष्ठोपकरण के लिये दिया जाता है। वर्ष 1980-81 के आयोजनेतर आय-व्ययक में इस कार्य हेतु ₹ 2.24 लाख का प्राविधान था। वर्ष 1981-82 में प्राविधान की धनराशि ₹ 1 97 लाख थी। यह कमी इसलिये हुई कि अमीरुद्दौला पब्लिक लाइब्रेरी, लखनऊ का एक विशेषज्ञ के अध्ययन कराकर उसके सुदृढीकरण एवं विकास का प्रस्ताव शासन ने पृथक रूप से स्वीकार किया। इस परियोजना को छठी पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत रखकर वर्ष 1981-82 के आयोजनागत आय-व्ययक में ₹ 1.75 लाख का प्राविधान किया गया है। आयोजनागत आय-व्ययक में सार्वजनिक पुस्तकालयों को अनुदान देने हेतु वर्ष 1980-81 में ₹ 3 33 लाख तथा 1982-83 में ₹ 3 00 लाख का प्राविधान किया गया।

(6) राजा राम मोहन राय लाइब्रेरी फाउन्डेशन, कलकत्ता को वित्तीय सहायता—

यह फाउन्डेशन भारत सरकार द्वारा वर्ष 1972 में इस उद्देश्य से स्थापित किया गया था कि देश में पुस्तकालय ब्यान्दोलन आगे बढ़े और आम जन समुदाय में गठन तथा स्वाध्याय को रुचि जागृत हो। प्रदेश शासन की ओर से आयोजनेतर पक्ष के आय-व्ययक में से प्रति वर्ष ₹ 2 00 लाख की धनराशि फाउन्डेशन को प्रति वर्ष वित्तीय सहायता के रूप में दी जाती है। फाउन्डेशन अपनी ओर से ₹ 2 00 लाख और मिलाकर प्रदेश के 300 से अधिक पुस्तकालयों को विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत सहायता पहुंचाता है। वर्ष 1980-81 में कुल ₹ 5 33 लाख व्यय किया गया। प्रदेश में फाउन्डेशन से संबंधित कार्य को संचालित करने के लिये राज्य पुस्तकालय नियोजन समिति तथा पुस्तक चयन का कार्य शिक्षा सचिव की अध्यक्षता में गठित है।

12—**प्रावासीय शिक्षा योजना**—एकीकृत परीक्षा के आधार पर प्रदेश के विकास खंडों में मेधावी छात्रों का चयन करके उन्हें कक्षा 9—12 तक प्रावासीय शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराने की योजना मैदानी क्षेत्र के 24 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 2 जनपदों में चलाई जा रही है। इस योजनान्तर्गत छात्र ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी विद्यालयों में प्रवेश करते हैं अतएव उनके समक्ष समायोजन संबंधी अनेक समस्याएँ उत्पन्न हो जाती हैं। इसके समाधान हेतु प्रावासीय विद्यालयों में मनोवैज्ञानिक सेवा की व्यवस्था की जा रही है।

13—(क) **शारीरिक शिक्षा तथा युवक कल्याण कार्यक्रमों की प्रोत्ति**—प्रदेश के छात्र/छात्राओं के खेल-कूद के कार्यक्रमों में रुचि उत्पन्न करना, 'मनोबल' को ऊँचा उठाना एवं उनके शारीरिक, मानसिक एवं चरित्र निर्माण का विकास करना एवं उनके कर्तव्य निष्ठा और अनुशासन की भावना उत्पन्न करने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम चलाये गये हैं जिनका विवरण निम्नवत् है:—

(ख) **खेल-कूद तथा विद्यालय के बाहर शैक्षिक कार्यक्रम तथा युवक कल्याण हेतु व्यवस्था**
इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों में खेलकूद, पाठ्यक्रम कार्यक्रमों के प्रति अभिरुचि शारीरिक तथा मानसिक विकास के साथ चरित्र निर्माण, सहयोगी जीवन के प्रति सद्भावना तथा कर्तव्य निष्ठा की भावना जागृत करना है। इसके अन्तर्गत ही जनपदीय संभागीय, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की खेल-कूद प्रतियोगिताओं का संचालन किया जाता है।

(ग) **अपना देश तथा प्रवेश जानो**—इस योजना के अन्तर्गत उत्साही छात्रों के धमण कार्यक्रम का आयोजन होता है।

(घ) **प्रतिभाषान छात्र खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति**—इस योजना के अन्तर्गत अच्छा प्रदर्शन करने वाले छात्र खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के अनुसार छात्र वृत्तियों को उनके प्रदर्शन के स्तर के अनुसार छात्रवृत्तियाँ दी जाती हैं।

इसके अतिरिक्त निम्नांकित नवीन योजनाओं के लिये भी धन का प्राविधान किया गया है:—

- (1) राज्य विद्यालयी क्रीडा संस्थान, फैजाबाद की स्थापना।
- (2) विद्यालयों में पाठ्य सहगामी सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- (3) पूर्व माध्यमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों में बालचर योजना का विस्तार।
- (4) राष्ट्रीय सेवा योजना के सामान्य कार्यक्रमों तथा विशेष शिविरों का आयोजन।

14 - अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों अन्य पिछड़े हुए वर्गों का कल्याण:—

अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्ग के कल्याण हेतु शासन ने कतिपय योजनाएँ चलाई हैं। शिक्षा विभाग के अधीन उसके लिये एक अलग लेखा शीर्षक "288-सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याण" नामक योजनान्तर्गत वर्ष 1981-82 में से कुल ₹ 43,052 की व्यवस्था की गई है जिससे निम्नांकित योजनाओं का संचालन किया जाता है.

क्रम- संख्या	शीर्षक	वर्ष 1981-82 में व्यवस्थित धनराशि (हजार रुपये में)
1	2	3
1	अनुसूचित जन जातियों के पूर्व माध्यमिक कक्षाओं के बालक/बालिकाओं की फीस हेतु मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों को क्षतिपूर्ति अनुदान	55

1	2	3
2	अनुसूचित जातियों के पूर्व माध्यमिक कक्षाओं के बालकों/बालिकाओं की फीस हेतु मान्यता प्राप्त अशासकीय विद्यालयों को क्षतिपूर्ति अनुदान ।	10,00
3	ग्रामीण क्षेत्रों में मिश्रित जूनियर बेसिक विद्यालय खोलने हेतु अनुदान	79,51
4	मेहूतरो के बच्चों के लिये आश्रम पद्धति के सीनियर बेसिक स्कूल खोलने हेतु बेसिक शिक्षा परिषद को अनुदान	6,28
5	अनुसूचित जनजातियों के बालकों/बालिकाओं को कक्षा 1-5 तथा कक्षा 6-8 में छात्रवृत्तियां तथा अनावर्तक आर्थिक सहायता	8,12
6	अध्यापक-छात्र अनुपात को कम करने के उद्देश्य से ग्रामीण एवं नगर क्षेत्रों के जूनियर बेसिक स्कूलों में अतिरिक्त अध्यापकों जिनमें उर्दू अध्यापक भी सम्मिलित हैं, की नियुक्ति	1,12,79
7	अनुसूचित जातियों के पूर्व माध्यमिक कक्षाओं तक के बालिकाओं को छात्रवृत्ति एवं अनावर्तक आर्थिक सहायता	10,84
8	पिछड़ी जातियों के पूर्व माध्यमिक शिक्षा स्तर के बच्चों को छात्रवृत्तियों एवं अनावर्तक आर्थिक सहायता	6,96
9	आदिवासियों के पूर्व माध्यमिक स्तर तक के अध्ययन कर रहे बच्चों को छात्रवृत्ति एवं अनावर्तक आर्थिक सहायता	4,17
10	ग्रामीण क्षेत्रों में बालकों तथा बालिकाओं के सीनियर बेसिक स्कूल खोलने तथा उनके भवनों के निर्माण हेतु अनुदान	1,15,66
11	ट्राइबल प्लान ग्रामीण क्षेत्रों में बालक/बालिकाओं के सीनियर बेसिक स्कूल खोलने तथा उनके भवनों के निर्माण हेतु अनुदान	4,22
12	ट्राइबल प्लान राजकीय सीनियर बेसिक स्कूलों का हाई स्कूल स्तर पर उन्नयन तथा नये हाई स्कूलों का खोला जाना	4,90
13	जनजाति एवं ग्रामीण एवं नगर क्षेत्रों के सीनियर बेसिक स्कूलों के भवन निर्माण हेतु अनुदान	9,84
14	ग्रामीण एवं नगर क्षेत्रों के जूनियर बेसिक स्कूलों को भवन निर्माण हेतु अनुदान	15,20
15	ग्रामीण क्षेत्र में छात्र संख्या में वृद्धि तथा स्थिरता लाने हेतु बालिकाओं तथा निर्बल वर्ग के बालकों के वितरणार्थ प्रोत्साहन अनुदान	15
16	नगर एवं ग्रामीण क्षेत्र में वय वर्ग 6-14 वर्ष के बच्चों के लिये अशकालिक कक्षा खोलने हेतु अनुदान	17,77
17	नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के वय वर्ग 9-14 के लिये अशकालिक कक्षाएं खोलने हेतु अनुदान (केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित)	17,56
18	नि.शुल्क पाठ्य पुस्तकों को उपलब्ध कराने हेतु सीनियर बेसिक स्कूलों में पाठ्य पुस्तक बैंक स्थापित करने हेतु अनुदान	2,00
19	निर्बल वर्ग के बच्चों को पोशाक देने की व्यवस्था हेतु अनुदान	2,00
20	ग्रामीण तथा नगर क्षेत्रों में अशकालिक प्रौढ साक्षर केन्द्रों की स्थापना (राज्य)	2,00
	कुल योग	4,30,52

पौष्टिक आहार न केवल शारीरिक स्वास्थ्य अपितु मानसिक दक्षता के लिये भी आवश्यक है। अल्प आयु अथवा गर्भावस्था में बच्चों को पौष्टाहार न मिलने से शारीरिक तथा मानसिक विकास की गति क्षीण हो जाती है। इस कमी की पूर्ति हेतु शिक्षा विभाग द्वारा पूर्व विद्यालयीन बच्चों (0-6 वय वर्ग तथा गर्भवती माताओं एवं धात्री माताओं को पौष्टिक आहार दिये जाने हेतु विशेष पोस्टाहार योजना तथा प्राइमरी स्कूलों में पढ़ने वाले (6-11 वय वर्ग) बच्चों के लिये मध्याह्न आहार योजना चलाई गई है। बालाहार योजना इस समय प्रदेश के 51 जनपदों में तथा विशेष पौष्टाहार योजना 20 जनपदों में चलाई जा रही है। वर्ष 1981-82 में 60 बालवाड़ी (जनपद लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद तथा वाराणसी में प्रत्येक में 15 बालवाड़ी केन्द्र) तथा कानपुर में एक फूड प्रोसेसिंग यूनिट कार्य निर्माणाधीन है। यह कार्य मार्च 1982 तक पूरा हो जाने की आशा है। फूड प्रोसेसिंग यूनिट के आरम्भ होने पर, जो तीन शिफ्ट में चलेगी, एक लाख बच्चों को दैनिक पौष्टिक आहार तैयार कर दिया जा सकेगा। छठी पंच वर्षीय योजना के अन्त तक बालाहार योजना प्रदेश के समस्त जनपदों में कार्यान्वित किये जाने का विचार है।

वर्ष 1981-82

	आयोजनागत भौतिक लक्ष्य		आयोजनेतर (भाकड़े लाखों में)	
			स्वीकृत धनराशि	भौतिक लक्ष्य
मध्याह्न आहार योजना ..	46.50	1.17	लाख 126.60	4.70
	लाख	स्वीकृत धनराशि		
विशेष पोस्टाहार योजना	12.23	,, 0 13	53.08	1.54

वर्ष 1982-83 में इस योजना का विस्तार आयोजनागत मद में तीन और जनपदों के लिये किये जाने का विचार है। आयोजनागत के मद में परिय्यय 60.00 लाख ६० तथा भौतिक लक्ष्य 1.47 लाख रुपये निर्धारित किया गया है। आयोजनेतर योजनाओं में कोई परिवर्तन होगा।

सारिणी 1
शिक्षा के लिए निर्दिष्ट बजट

वर्ष	बालकों की शिक्षा के लिए बजट	बालिकाओं की शिक्षा के लिए बजट	शिक्षा के लिए सम्पूर्ण बजट
1	2	3	4
1946-47	25032561	6817239	31849800
1950-51	66114800	7629400	73744200
1955-56	93063300	8953200	102016500
1960-61 शिक्षा	121733000	11823200	133556200
1960-61 शिक्षा नियोजन	×	×	38741000
1965-66 शिक्षा	243660500	25376200	269036700
1965-66 शिक्षा नियोजन	144221200	21346000	165567200
1978-79 शिक्षा	2031535200	282102400	2313637600
1978-79 शिक्षा नियोजन	265039500	675000	265714500
1980-81 शिक्षा	2778209000	434796000	3213005000
1980-81 शिक्षा नियोजन	154182000	284000	154466000
1981-82 शिक्षा	2760099000	402316000	3162415000
1981-82 शिक्षा नियोजन	213135000	881000	214016000

टिप्पणी:—इसके अतिरिक्त बालकों की शिक्षा के लिये बजट बालिकाओं की शिक्षा पर व्यय सम्मिलित है। ×बजट में उपलब्ध नहीं है।

सारिणी
शिक्षा के विभिन्न शीर्षकों

	1946-47	1950-51	1955-56
1	2	3	4
शिक्षा			
1—प्रारम्भिक	12172100	33218200	42473600
2—माध्यमिक	9916800	16595000	23546400
3—विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेज	2691900	4777100	8947700
4—ट्रेनिंग	1814200	599400	914900
5—अन्य	5254800	18554500	26133900
6—विशेष शिक्षा
7—प्राविधिक शिक्षा
8—क्रीड़ा एवं युवक कल्याण
9—सामान्य शिक्षा
10—एक मुस्त प्रावि- धान
11—कला एव संस्कृत
12—अनुसूचित जातियो/ जनजातियो एव अन्य पिछड़े वर्ग का कल्याण
योग— ..	31849800	73744200	102016500
शिक्षा नियोजन			
1—प्राथमिक
2—माध्यमिक
3—विश्वविद्यालय डिग्री कालेज
4—ट्रेनिंग
5—अन्य
6—विशेष शिक्षा
7—प्राविधिक शिक्षा
8—क्रीड़ा एवं युवक कल्याण
9—सामान्य शिक्षा
10—एक मुस्त प्राविधान
11—कला एवं संस्कृति
12—अनुसूचित जातियो, जन जातियो एव पिछड़े हुए वर्गों का कल्याण
योग

Xप्राविधिक शिक्षा का बजट प्राविधान 1979-80 से अनुदान सं० 35 को स्थानान्तरित
XXट्रेनिंग से सम्बन्धित बजट वर्ष 1974-75 से विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेजों में

2

के लिए बजट

1960-61	1965-66	1978-79	1980-81	1981-82
5	6	7	8	9
56927000	103006400	1212557200	1646506000	1686983000
33610200	65367800	679750600	944430000	1046479000
11362000	19107100	266160900	320386000	332746000
983400	2396900
30673600	80158500
..	..	24189600	31942000	35117000
..	..	58257800	X	X
..	..	26858400	27759000	33932000
..	..	23100	24000	24000
..	..	45840000	214824000	..
..	160000	160000
..	26974000	26974000
133556200	269036700	2313637600	3213005000	3162415000
25476900	67547200	129513400	69793000	88071000
6367000	32095900	52423000	28118000	44442000
4117000	14751200	25014000	9504000	18392000
1306000	7521200
1474100	43651700
..	..	12861000	31741000	43631000
..	..	10091100	X	X
..	..	11946000	6916000	3302000
..
..	..	190000	2503000	..
..	100000	100000
..	..	23676000	5791000	16078000
38741000	165567200	265714500	154466000	214016000

कर दिया गया है।

सम्मिलित कर दिया गया है।

सारिणी 3
प्रवन्धानुसार शिक्षा संस्थायें (सामान्य शिक्षा)

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1978-79	1981-82XX
1	2	3	4	5	6	7	8
राजकीय	201	1094	1005	1341	2366	965	867
स्थानीय निकाय	16673	30323	31471	39386	58923	72046	80256
विश्वविद्यालयX	5	6	6	9	9	19	19
सहायता प्राप्त/ असहायता प्राप्त	5551	4449	4627	5663	7945	12448	10251
योग	22430	35872	37100	46399	69243	85478	91393

टिप्पणी--(1) Xविश्वविद्यालयों की संख्या वर्ष 1946-47, 1950-51, 1955-56, 1960-61 में सहायता प्राप्त संस्थाओं की संख्या सम्मिलित थी।

(2) वर्ष 1965-66 तक दो विश्वविद्यालय मानी गई संस्थायें सम्मिलित नहीं हैं।

1—काशी विद्यापीठ, बाराणसी।

2—गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर।

(3) वर्ष 1978-79 से एक विश्वविद्यालय मानी गई संस्था 'गुरुकुल कांगड़ी' हरिद्वार, सहारनपुर सम्मिलित नहीं है।

(4) XXआंकड़े अनुमानित हैं।

सारणी 4

विभिन्न प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थायें (प्रथम तीन स्तर)

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1978-79	1981-82 X
1	2	3	4	5	6	7	8
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (लड़के) ..	415	833	1253	1489	2050	4139	4598
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (लड़कियाँ)	91	154	221	282	451	730	812
योग सब ग्रामीण क्षेत्र में ..	506	987	1474	1771	2501	4869	5410
सीनियर बेसिक स्कूल (लड़के) ..	1344	2386	3128	3674	4945	9006	10290
सीनियर बेसिक स्कूल (लड़कियाँ) ..	506	468	512	661	1209	3043	3562
योग सब ग्रामीण क्षेत्र में ..	1850	2854	3640	4335	6154	12049	13852
जूनियर बेसिक स्कूल (लड़के) ..	1199	1984	2856	3272	4950	10156	11604
जूनियर बेसिक स्कूल (लड़कियाँ) ..	18370	29459	29202	35156	49443	68122	71637
योग, सब ग्रामीण क्षेत्र में ..	1678	2520	2696	4927	10800	(मिश्रित)	(मिश्रित)
नर्सरी स्कूल (लड़के) .	20048	31979	3898	40083	60243	68122	71637
नर्सरी स्कूल (लड़कियाँ) ..	16501	23710	28400	35302	54255	61590	64646
योग, सब ग्रामीण क्षेत्र में	6	19	55	110	34	54
नर्सरी स्कूल (लड़कियाँ)	7	18	43	29	34
योग, सब ग्रामीण क्षेत्र में	6	26	73	153	63	88
योग, सब ग्रामीण क्षेत्र में

X आकड़ें अनुमानित हैं।

सारणी: 5

विभिन्न प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थायें (अंतिम दो स्तर)

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1978-79	1981-82*
1	2	3	4	5	6	7	8
विश्वविद्यालय							
लड़के	5	6	6	9	9(क)	19(ख)	19(ख)
लड़कियां
योग	5	6	6	9	9(क)	19(ख)	19(ख)
डिग्री कालेज
लड़के	14	34	57	108	147	278	308
(ग) लड़कियां	2	6	8	20	36	78	79
योग	16	40	65	128	183	356	387

42

*आकड़ें अनुमानित हैं।

(क) विश्वविद्यालय मानी गई संस्थायें सम्मिलित नहीं हैं।

(ख) गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय सहारनपुर, काशी विद्यापीठ, वाराणसी।

(1) विश्वविद्यालय मानी गई संस्था गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर दयालबाग एजूकेशनलइन्स्टीट्यूट दयालबाग, आगरा सम्मिलित नहीं है।

(ग) वर्ष 1978-79 तक ये केवल सामान्य शिक्षा डिग्री कालेज हैं, एग्रीकल्चरल ट्यूटीरियल कालेज तथा ट्रेनिंग कालेज की संख्या सम्मिलित नहीं है।

सारिणी 6
संस्थानुसार छात्रों की संख्या

		1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1978-79	1981-82*
1		2	3	4	5	6	7	8
विश्वविद्यालय**	.. लड़के	9760	19105	24616	29785	37628	82785	94127
	लड़कियाँ	758	1671	2802	4033	8208	16637	27240
	योग ..	10518(अ)	20776	27418	33818	45836	99422	121367
डिग्री कालेज†	.. लड़के	20643(ब)	27294	45725	58959	74295	259116	300010
	लड़कियाँ	1700(ब)	2504	4874	8743	20263	61943	72524
	योग ..	22343(ब)	29798	50599	67702	94558	321059	372534
उच्चतर माध्यमिक स्कूल	लड़के	177562(द)	359580	556530	757592	1271038	2523755	2689279
	लड़कियाँ	25663(द)	57825	87599	154485	287862	612696	866801
	योग ..	203225(द)	417405	644129	912077	1558900	3136451	3556080

1		2	3	4	5	6	7	8*
सीनियर बेसिक स्कूल	लड़के	164667	278339	355266	446139	788905	1108598	1250327
	लड़कियाँ	83174	69798	71759	103688	194945	331540	359437
	योग ..	247841	348137	427025	549827	983850	1440138	1609764
जूनियर बेसिक स्कूल	लड़के	1386453	2392175	2253231	3170868	5764857	6155207	6558434
	लड़कियाँ	189055	334948	484596	787960	3023248	2633219	3264592
	योग ..	1575508	2727123	2737827	3958828	8788105	8788426	9823026
नर्सरी स्कूल	लड़के	..	644	1507	4486	11882	7252	20428
	लड़कियाँ	..	152	991	3068	7745	5228	10633
	योग	806	2498	7554	19627	12480	31061

*आंकड़े अनुमानित हैं।

- (अ) यह केवल विज्ञान और कला में विद्यार्थियों की संख्या है।
(ब) इन संस्थाओं में समस्त इन्टर कला के विद्यार्थी सम्मिलित हैं।
(स) इन्टर कक्षाओं के विद्यार्थी सम्मिलित नहीं हैं।

*आंकड़े अनुमानित हैं।

**माने गये विश्वविद्यालयों की संख्या सम्मिलित नहीं है।

सारिणी 7

संस्थानुसार अध्यापकों की संख्या

		1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1978-79	1981-82**
1	2	3	4	5	6	7	8	9
*विश्वविद्यालय	पुरुष	839	1201	1331	2089	2797	5403	5787
	महिला	56	71	114	159	234	730	991
	योग ..	895	1272	1445	2248	3031	6133	6778
द्वितीय कालेज में,	पुरुष	441	1175	2155	3113	4640	9875	10826
	महिला	37	74	172	331	793	2213	2464
	योग ..	478	1249	2327	3444	5433	12088	13290
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में	पुरुष	7610	15453	24541	30222	45717	90506	96533
	महिला	1577	2774	4130	5854	10697	16947	22537
	योग ..	9187	18227	28671	36076	56414	107453	119070

क

1	2	3	4	5	6	7	8	9
सीनियर बेसिक स्कूलों में	पुरुष	7960	11605	16734	19057	28865	51165	52640
	महिला	3421	2900	3262	4202	7002	13546	17295
	योग ..	11381	14505	19996	23259	35867	64711	699355
जूनियर बेसिक स्कूल में	पुरुष,	39358	65110	70641	87340	144659	196395	203266
	महिला	2961	5189	6934	11714	23918	42130	43404
	योग ..	42319	70299	77575	99054	168577	238525	246670
नर्सरी स्कूलों में	.. पुरुष;	..	8	35	51	199	67	133
	महिला	..	14	149	348	723	487	568
	योग	22	184	399	922	554	701

*विश्वविद्यालय मानी गई संस्थाओं के अध्यापकों की संख्या सम्मिलित नहीं है।

**आंकड़े अनुमानित हैं।

सारिणी 8
स्तरानुसार छात्रों की संख्या

		1978-79	1981-82*
1	2	3	4
छात्रों की संख्या प्री प्राइमरी स्तर	कुल ..	26796	32490
	बालिका ..	11772	15242
जूनियर बेसिक स्तर (कक्षा 1-5)	कुल ..	8988813	9865120
	बालिका	2735151	3288000
सीनियर बेसिक स्तर (कक्षा 6-8)	कुल, ..	2593061	3078114
	बालिका	554499	822104
हाई/हायर सेकेन्डरी स्तर (कक्षा 9-12)	कुल	1777889	2052107
	बालिका	282247	378117
स्नातक स्तर	कुल ..	268543	295918
	बालिका	53081	62140
स्नातकोत्तर स्तर	कुल ..	66145	87290
	..	15941	25423

* आंकड़े अनुमानित हैं।

सारिणी 9

माध्यमिक शिक्षा परिषद् की परीक्षाओं के लिए मान्यता प्राप्त विद्यालयों की संख्या

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1978-79	1981-82
	2	3	4	5	6	7	8
हाई स्कूल परीक्षा—							
लड़कों का शिक्षा संस्थायें ..	428	749	1175	1404	1837	3687	4213
लड़कियों की शिक्षा संस्थायें ..	73	130	197	257	354	639	695
योग ..	501	879	1372	1661	2191	4326	4908
इण्टरमीडिएट परीक्षा—							
लड़कों की शिक्षा संस्थायें ..	168	334	652	786	1002	2013	2459
लड़कियों की शिक्षा संस्थायें ..	15	41	111	148	214	374	419
योग ..	183	375	763	934	1216	2387	2878

सारणी [10]

हाईस्कूल परीक्षा में परीक्षार्थियों की संख्या

	1947	1951	1956	1961	1966	1979	1980	1981
1	2	3	4	5	6	7	8	9
हाई स्कूल परीक्षा में पंजीकृत संख्या—								
लड़कें	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	167549	215252	314578	733001	749136	707254
लड़कियां	16488	22620	41826	141437	148736	136717
योग	33923	110581	184037	237872	356404(क)	874438	897872	843971
परीक्षा में सम्मिलित होने वालों की संख्या—								
लड़कें	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	155285	204315	295036	668475	714449	671665
लड़कियां	14301	21526	38605	127343	140424	121799
योग	31506	98534	169586	225841	333641	795818	854873	793464
उत्तीर्ण होने वालों की संख्या—								
लड़कें	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	68589	89880	130277	249940	292110	231922
लड़कियां	8528	13860	25187	75758	93878	72589
योग	.. 19937	58234	77117	103740	155464	325698	385988	304511

(क) संशोधित आकड़े।

सारणी 11

इण्टरमीडिएट परीक्षा के परीक्षार्थियों की संख्या

	1947	1951	1956	1961	1966	1979	1980	1981
1	2	3	4	5	6	7	8	9
इण्टरमीडिएट परीक्षा में पंजीकृत संख्या—								
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	78457	99600	148785	411810	422413	370586
लड़कियां	9344	13745	27912	104237	106095	103138
योग ..	अनुपलब्ध	41009	87801	113345	176697	516047	528508	473724
परीक्षा में सम्मिलित होने वालों की संख्या—								
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	69858	89542	129269	382187	396656	339536
लड़कियां	8219	12282	24151	95582	98967	94574
योग ..	अनुपलब्ध	34464	78077	101824	153420	477769	495623	434110
उत्तीर्ण होने वाले की संख्या—								
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	36376	35645	54381	231124	250942	160318
लड़कियां	5058	6557	13299	62847	70468	52550
योग ..	अनुपलब्ध	20523	41434	42202	67680	293971	321410	212868

सारिणी 12

संस्कृत पाठशालाओं की संख्या और राजकीय सहायता

	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1978-79	1981-82*
1	2	3	4	5	6	7
स्वीकृत पाठशालायें ..	1400	1014	1050	900	953	1134
छात्र संख्या ..	34093	39901	42892	47287	62305	74500
अध्यापक; ..	3603	4482	4644	3829	4535	6080
सहायता प्राप्त पाठशालायें ..	3603	4482	4644	3829	919	1035
राजस्व से प्राप्त सहायता (₹0 में)	253512	464448	962953	2214020	6961550	22440000**

* आकड़े अनुमानित हैं ।

** आकड़े आय-व्ययक प्राविधान 1981-82 के अनुसार हैं ।

सारिणी 13

1 अरेचिक मदरसों की संख्या और राजकीय सहायता

	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1978-79	1981-82*
1	2	3	4	5	6	7
स्वीकृत मदरसे ..	86	89	104	120	252	334
छात्र संख्या	14190	16710	25981	45580	58786
अध्यापक ..	620	627	726	955	2843	4037
सहायता प्राप्त मदरसे ..	86	89	104	120	179	209
राज्य से प्राप्त सहायता (₹0 में)	90672	102394	124164	256454	1560535	10008000**

52

* आंकड़े अस्थायी हैं।

** आंकड़े आय-व्ययक प्राविधान वर्ष 1981-82 के अनुसार हैं।

सारिणी 14

प्रशिक्षण संस्थान तथा सम्बद्ध प्रशिक्षण संस्थानों

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1978-79	1981-82*
1	2	3	4	5	6	7	8
ट्रेनिंग कालेज एल 0टी 0 तथा बी 0एड 0 (एक वर्ष)							
पुरुष	2	4	6	7	6	8	9
महिला	1	5	2	3	4	4	4
योग	3	9(ग)	8	10	10	12	13
विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण विभाग (बी 0एड 0 तथा एम 0 एड 0 पुरुष तथा महिला सम्मिलित)	2	..	3	5	5	6	6
डिग्री कालेज की प्रशिक्षण कक्षाये (बी 0एड 0 एम 0 एड 0)							
पुरुष		8	10	28	36	68	78
महिला		1	2	2	6	16	23
योग		9	12	30	42	84	101
बी 0टी 0पी 0 (2 वर्ष)							
पुरुष	62
महिला	41
योग	103

(1) इन संख्याओं में 9 ट्रेनिंग कालेज सम्मिलित है जिनमें एक वर्ष का कोर्स था।

* 1982 ई. अनुमानित है।

सारिणी 15

प्रशिक्षण संस्थायें तथा सम्बद्ध प्रशिक्षण (कक्षायें) (छात्र संख्या)

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1978-79	1981-82*
1	2	3	4	5	6	7	8
ट्रेनिंग कालेज (एल 0टी0 तथा बी0एड0)							
पुरुष ..	295	226	415	500	540	682	1012
महिला ..	117	337	311	520	621	1568	1722
योग ..	412	563 (ल)	726	1020	1161	2250	2734
विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण विभाग (बी0 एड0 तथा एम0 एड0) --							
पुरुष ..	.	312	257	356	272	896	978
महिला	107	127	144	354	878	990
योग .	.	419	384	500	626	1774	1968

डिग्री कालेजों की प्रशिक्षण कक्षाएँ (बी० एड० तथा एम० एड०) —

पुरुष	520	956	2413	2797	3580	5240
महिला	66	289	509	1140	4028	4180
योग	586	1245	2922	3937	7608	9420

बी०टी०सी० (दो वर्ष)

पुरुष	3109
महिला	1670
योग	4779

25

(ल) इसमें सी०टी०के छात्र भी सम्मिलित हैं।

*आंकड़े अनुमानित हैं।

सारिणी 16

प्रशिक्षण संस्थायें एवं सम्बद्ध प्रशिक्षण कक्षायें उत्तीर्ण होने वाले छात्राध्यापको और छात्राध्यापिकाओं की संख्या

		1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1978-79	1981-82××	
		1	2	3	4	5	6	7	8
एल० टी० तथा बी० एड० (एक वर्ष)									
पुरुष	..	289	880	1386	3032	3222	×	..	
महिला	..	108	208	511	977	1735	×	..	
योग	..	397	1088	1897	4009	4957	×	..	
एम० एड० (एक वर्ष) —									
पुरुष	..	4	58	36	74	92	×	..	
महिला	..	1	25	42	42	66	×	..	
योग	..	5	83	78	116	158	×	..	
बी० टी० सी० (दो वर्ष)									
पुरुष	3109	
महिला	1670	
योग	4779	

१५

× आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं ।
 ×× आंकड़े अनुमानित हैं ।

सारणी 17

रजिस्ट्रार विभागीय परीक्षाएँ, एवं सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित परीक्षाओं का तीन वर्ष का परीक्षाफल

क्रम- सं०	रजिस्ट्रार विभागीय परीक्षाएँ	परीक्षार्थियों की संख्या 1979			परीक्षार्थियों की संख्या 1980			परीक्षार्थियों की संख्या 1981			
		सम्मिलित	उत्तीर्ण	प्रतिशत	सम्मिलित	उत्तीर्ण	प्रतिशत	सम्मिलित	उत्तीर्ण	प्रतिशत	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
1	सी०पी०एड०परीक्षा	..	182	163	90	174	162	93	201	184	91
2	डी०पी०एड०परीक्षा	..	135	130	95	153	143	93	177	161	90
3	टी०सी० (महिला)	75	73	60	56	35	63
4	टी०सी० (गृह विज्ञान)	76	72	95	37	31	84
5	टी०सी० (बधिर) परीक्षा	19	17	89	18	17	94
6	टी०सी० (शिशु शिक्षा) परीक्षा	113	106	94	139	109	78
7	टी०सी० (बेसिक) परीक्षा	18	15	83	92	52	57
8	एल०टी० (बेसिक) परीक्षा	..	150	126	84	125	99	79	112	101	90
9	एल०टी० रचनात्मक परीक्षा	..	174	171	98	176	158	90	149	143	96
10	एल०टी० गृह विज्ञान	..	6	6	100	8	8	100	5	5	100
11	एल०टी० सामान्य	..	806	664	79	1063	752	71	993	760	76

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	
12	एल० टी० सामान्य सेवारत	907	8073	96	
13	सी० टी० बेसिक	
14	सी० टी० महिला	1	1	100	
15	बी० टी० सी० परीक्षा	..	7854	7220	94	7881	6741	85	4779	4398	92
(2) माध्यमिक शिक्षा परिषदीय परीक्षार्थ—											
1	हाई स्कूल	..	795818	325698	41	854873	385988	4515	(क) संस्थागत 543775	234861	43
									(ख) व्यक्तिगत 249689	69650	28
2	इण्टरमीडिएट	..	477769	293971	62	495623	321410	64.8	(क) संस्थागत 287876	164911	57
									(ख) व्यक्तिगत 146234	47957	33

सारिणी 18

जिलेवार 1981 की जनसंख्या, साक्षरता का प्रतिशत तथा 30 दिसम्बर, 1981 को विद्यालयों की संख्या

क्रम- सं०	जिले का नाम	1981 साक्षरता का प्रतिशत				विद्यालयों की संख्या							
		जन संख्या (हजार में)		समस्त		उच्चतर माध्यमिक विद्यालय			सीनियर बेसिक स्कूल		जूनियर बेसिक स्कूल		
		पुरुष	महिला	जनपद में	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	मिश्रित		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	
1	फैजाबाद	..	2370	38 09	12.85	25.89	88	14	102	191	59	250	1441
2	बहराइच	..	2221	25 06	6 30	16 41	35	5	40	145	74	219	1516
3	गोडा	..	2896	27 09	6 64	17.46	55	11	66	191	73	264	2084
4	प्रतापगढ़	..	1807	40 98	9.85	25 33	70	5	75	135	50	185	1084
5	सुल्तानपुर	..	2038	35.27	9.97	22.81	73	5	78	222	67	289	1526
6	गोरखपुर	..	3796	37.11	10 90	24.41	145	20	165	245	114	359	1845
7	आजमगढ़	..	3533	37 72	12 28	24 86	143	13	156	258	78	336	1738
8	बस्ती	..	3577	31 55	7 97	20 19	123	12	135	263	91	354	2076
9	देवरिया	..	3487	37 00	9 22	23 18	155	10	165	359	68	427	2006
10	वाराणसी	..	3697	46 00	16 30	31.89	133	41	174	281	117	398	1670
11	बलिया	..	1926	41.87	14 25	28.15	93	8	101	190	65	255	1226
12	गाजीपुर	..	1942	42 00	13 45	27 77	83	9	92	199	50	249	1030
13	जौनपुर	..	2527	41 80	11.01	26 33	123	10	133	233	68	301	1284
14	मिर्जापुर	..	2034	35 16	11 77	24 16	63	7	70	195	44	239	1528
15	इलाहाबाद	..	3781	41 95	13.60	28 61	154	33	187	299	88	387	1799
योग, पूर्वी जोन		1536	203	1739	3406	1106	4512	23853

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	
1	देहरादून	..	757	60.69	41.41	52.02	51	19	70	111	51	162	746
2	उत्तरकाशी	..	191	45.69	9.37	28.67	24	1	25	91	5	96	427
3	देहरी-गढ़वाल	..	493	47.07	9.47	27.35	68	9	77	149	36	185	838
4	पौड़ी-गढ़वाल	..	624	58.65	27.12	41.90	135	9	144	176	42	218	1239
5	चमौली	..	364	57.34	18.63	37.60	63	4	67	113	11	124	703
6	पिथौरागढ़	..	480	56.44	20.41	37.95	71	11	82	130	15	145	865
7	अल्मोड़ा	..	773	58.43	21.14	38.90	125	12	137	191	14	205	1191
8	नैनीताल	..	1133	46.94	26.27	37.48	80	22	102	199	45	244	1120
योग, पर्वतीय		617	87	704	1160	219	1379	7129
1	झांसी	..	1133	50.33	21.02	36.71	49	14	63	139	59	198	842
2	ललितपुर	..	587	30.62	9.39	20.82	15	4	19	66	34	100	566
3	हमीरपुर	..	1194	38.93	11.48	26.27	36	7	43	158	54	212	1080
4	जालौन	..	987	50.10	18.89	35.87	59	10	69	150	46	196	911
5	बांदा	..	1536	35.58	8.53	23.04	50	8	58	179	71	250	1236
योग, बुन्देलखण्ड		209	43	252	692	264	956	4635
1	आगरा	..	2852	44.32	20.36	33.45	108	34	142	219	122	341	1386
2	अलीगढ़	..	2565	43.70	16.35	31.21	123	26	149	223	75	298	1414
3	एटा	..	1838	37.05	13.06	26.19	83	10	93	198	52	250	1105
4	मैनपुरी	..	1724	45.19	18.57	33.08	73	8	81	240	64	304	1312
5	मथुरा	..	1544	43.92	12.25	29.71	93	16	109	114	58	172	1120

6	वरली	..	2265	29.75	12.28	21.82	75	20	95	166	62	228	1404
7	बिजनौर	..	1926	36.80	15.20	26.80	73	16	89	136	59	195	1113
8	वदायूं	..	1964	22.94	7.49	16.03	45	13	58	160	64	224	1337
9	मुरादाबाद	..	3151	28.63	11.37	20.74	98	31	129	173	101	274	1854
10	पीलीभीत	..	1006	30.42	9.82	20.97	28	4	32	85	46	131	731
11	रामपुर	..	1177	22.57	8.94	16.33	38	11	49	74	29	103	703
12	शाहजहापुर	..	1649	30.30	10.81	21.56	38	10	48	143	56	199	1300
13	भेरठ	..	2766	46.33	20.47	34.53	165	42	207	189	98	287	1450
14	बुलन्दशहर	..	2350	42.70	13.14	28.98	154	20	174	105	54	159	1282
15	मुजफ्फरनगर	..	2288	39.67	17.21	29.39	88	20	108	125	67	192	1235
	सहारनपुर	..	2674	38.97	18.05	29.47	103	27	130	159	87	246	1473
17	इटवा	..	1747	48.69	24.02	37.49	103	10	113	249	63	312	1214
18	फर्रुखाबाद	..	2002	43.03	19.47	32.37	101	16	117	250	80	330	1234
19	गाजियाबाद	..	1867	49.28	21.70	36.72	103	23	126	113	60	173	871
	योग, पश्चिमी जौन	..					1692	357	2049	3121	1297	4418	23538
1	लखनऊ	..	2017	49.12	29.66	40.20	73	40	113	167	67	234	1100
2	हरदोई	..	2294	33.91	10.71	23.39	51	6	57	271	80	351	1534
3	खोरी	..	1963	27.55	10.03	19.52	41	5	46	181	53	234	1341
4	रायबरेली	..	1888	35.24	10.90	23.49	48	8	56	175	59	234	1091
5	मोतापुर	..	2338	31.02	9.95	21.41	48	10	58	239	69	308	1518
6	उन्नाव	..	1826	37.31	13.15	25.96	53	8	61	220	75	295	1292
7	बाराबंकी	..	2013	29.32	8.18	19.55	41	4	45	175	67	242	1483
8	फतेहपुर	..	1573	38.66	12.84	26.45	66	5	71	148	52	200	973
9	कानपुर	..	3791	52.89	32.73	43.73	123	36	159	335	154	489	2150
	योग केन्द्रीय	..					544	122	666	1911	676	2587	12482
	महायोग	..	110886	38.87	14.42	27.38	4598	812	5410	10290	3562	13852	71637

*आकडे अनुमानित हैं। **आकडे ग्रन्थार्थ हैं।

सार्णी 19

30 सितम्बर, 1981 को जिलेवार संस्था के अनुसार छात्र संख्या

क्रम-जनपद का सं० का नाम	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय			सीनियर बेसिक स्कूल			जूनियर बेसिक स्कूल			
	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1 फेजाबाद	53587	12915	66502	21425	5307	26732	156217	69984	226201	
2 बहुराइच	21379	8003	29382	20993	6213	27206	118886	50791	169677	
3 गोण्डा	36641	9631	46272	16360	5750	22110	153280	51720	205000	
4 प्रतापगढ़	44790	6339	51129	23746	4386	28132	121180	55436	176616	
5 सुल्तानपुर	37548	6874	44422	24891	4261	29152	136834	70136	206970	
6 गोरखपुर	110130	32394	142524	35584	6526	42110	194860	94185	289045	
7 आजमगढ़	85634	17571	103205	30725	4812	35537	215623	79870	295493	
8 वस्ती	67885	8566	76451	29300	5786	35086	284295	114222	398517	
9 देवरिया	89980	10510	100490	48529	6859	55388	206694	89734	296428	
10 वाराणसी	94561	26554	121115	55515	18209	73724	179621	98791	278412	
11 बलिया	56866	12446	69312	28745	6558	35303	119523	66653	186176	
12 गाजीपुर	53473	10616	64089	43108	8032	51140	147187	103273	250460	
13 जौनपुर	67912	13705	81617	30944	5424	36368	171204	77862	249066	
14 मिर्जापुर	32972	18256	51228	13020	3736	16756	128407	102416	230823	
15 इलाहाबाद	96017	26200	122217	36822	10732	47554	185247	68073	253320	
पूर्वी योग	949375	220580	1169955	459707	102591	562298	2519058	1193146	3712204	

16 देहरादून	34427	21634	56061	9939	5418	15357	50860	37467	88327
25 उत्तरकाशी	5917	3554	9471	3561	1273	4834	13659	9197	22856
3 टेहरी गढ़वाल	13062	4471	17533	8641	2024	10665	29497	12931	42428
4 पौड़ी गढ़वाल	34151	8780	42931	9498	3798	13296	62172	45245	107417
5 चमोली	14280	5772	20052	6873	1836	8709	28323	17376	45699
6 पिथौरागढ़	20126	8532	28658	8833	2456	11289	38169	23624	61793
7 अल्मोडा	31682	10183	41865	8804	3195	11999	56438	33793	90231
8 नैनीताल	31174	17928	49102	11751	5010	16761	51448	33864	85312
योग पर्वतीय	184819	80854	265673	67900	25010	92910	330566	213497	544063
1 झांसी	36711	23169	59880	13619	5377	18996	69273	38507	107780
2 ललितपुर	8100	5963	14063	6697	2002	8699	34885	17729	52614
3 हमीरपुर	24839	7927	32766	14702	3101	17803	66699	36068	102767
4 जालौन	35693	9650	45343	14856	4724	19580	69720	35180	104900
5 बांदा	27967	8557	36524	18332	3100	21432	116744	39817	156561
योग बुन्देलखंड	133310	55266	188576	68206	18304	86510	357321	167301	524622
1 आगरा	77355	39556	116911	30476	14590	45066	181122	94518	275640
2 अलीगढ़	79706	23384	103090	30779	6618	37397	172356	82707	255063
3 एटा	43899	13152	57051	27391	5116	32507	108357	54425	162782
4 मैनपुरी	48781	12488	61269	37948	9304	47252	113401	58310	171711
5 मथुरा	56315	13520	69835	17186	6454	23642	97625	41210	138835
6 बरेली	44903	22188	67091	18590	4835	23425	122519	56685	179204
7 विजनौर	44630	14934	59564	17512	6941	24453	98081	47453	145534
8 बदायूँ	26533	11260	37793	13306	3502	16808	102196	54065	156261
9 मुरादाबाद	60202	21255	81457	19409	8989	28398	174027	78557	252584
10 पीलीभीत	16117	6804	22921	12947	2665	15612	50395	24292	74687

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
11	रामपुर	16670	8997	25667	9166	2477	11643	56135	23073	79228
12	शाहजहापुर	21834	12225	34059	17472	4109	21581	88874	45593	134467
13	मेरठ	103606	34866	138672	37454	15282	52736	139798	74091	213889
14	बुलन्दशहर	88268	20435	108703	16771	3978	20749	127846	47843	175689
15	मुजफ्फरनगर	60532	21196	81728	22246	8952	31198	140722	61315	202037
16	सहारनपुर	64681	32149	96830	30090	11750	41840	117682	60160	177842
17	इटवा	62993	15140	78133	25859	10939	36798	122350	70547	192897
18	फर्रुखाबाद	54159	18026	72185	27980	9889	37869	127607	60046	187653
19	गाजियाबाद	66447	21185	87632	16460	7051	23511	73700	44549	118249
योग पश्चिमी		1037631	362760	1400391	429044	143441	572485	2214813	1079439	3294252
1	लखनऊ	58502	36623	95125	21652	7152	28804	122782	86101	208883
2	हरदोई	31965	8729	40694	41797	8899	50696	151874	61587	213461
3	खीरी	27046	8919	35965	16325	3485	19810	101238	46420	147658
4	रायबरेली	32580	8854	41434	23574	5666	29240	120752	78713	199465
5	सीतापुर	33441	10447	43888	21278	4614	25892	120513	52834	173347
6	उन्नाव	33163	8217	41380	23132	3450	27582	114988	53912	168900
7	बाराबंकी	24461	5481	29942	13070	4083	17153	112392	54339	166731
8	फतेहपुर	38140	7654	45794	17604	12831	30435	86360	36353	122713
9	कानपुर	104846	52417	157263	47038	18911	65949	205177	140950	346727
योग केन्द्रीय		384144	147341	531485	225470	70091	295561	1136676	611209	1747885
योग उत्तर प्रदेश		2689279	866801	3556080	1250327	359437	1609764	6558434	3264592	9823026

*अनुमानित आंकड़े हैं।

सारिणी 20

30 सितम्बर, 1981 को जिलेवार संस्थानुसार अध्यापक संख्या

क्रम सं०	जनपद का नाम	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में			सीनियर बेसिक स्कूल में			जूनियर बेसिक स्कूल में		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	फैजाबाद	1845	363	2208	1484	295	1779	4966	861	5827
2	बहगइच	754	182	936	813	316	1129	3922	790	4712
3	गोडा	1228	229	1457	783	254	1037	4920	703	5623
4	प्रतापगढ	1428	125	1553	776	183	959	4106	384	4490
5	सुल्तानपुर	1335	177	1512	1209	242	1451	4594	696	5290
6	गोरखपुर	3621	608	4229	1734	503	2237	5688	854	6542
7	आजमगढ	3053	309	3362	1465	403	1868	6644	1009	7653
8	बस्ती	2645	261	2906	1566	329	1895	6738	717	7455
9	देवरिया	3947	273	4220	2069	270	2339	5756	1123	6879
10	वाराणसी	3584	843	4427	2006	803	2809	6338	1306	7644
11	बलिया	2005	203	2208	1264	325	1589	4321	745	5066
12	गाजीपुर	1769	175	1944	1320	209	1529	3841	746	4587
13	जौनपुर	2576	232	2808	1517	226	1743	5554	715	6269
14	मिर्जापुर	1243	258	1501	807	312	1119	3436	589	4025
15	इलाहाबाद	3245	929	4174	1258	912	2170	5890	1175	7065
योग पूर्वी		34278	5167	39445	20071	5582	25653	76714	12413	89127

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	देहरादून	1531	893	2424	682	344	986	1490	766	2256
2	उत्तरकाशी	393	95	488	270	38	308	563	100	663
3	टिहरी गढ़वाल	725	125	850	501	85	586	1220	258	1478
4	पीढ़ी गढ़वाल	1532	234	1766	650	168	818	2350	488	2838
5	चमोली	859	131	990	381	70	451	1103	318	1421
6	पिथौरागढ़	965	226	1191	512	80	592	1605	490	2095
7	अल्मोडा	1536	214	1750	574	155	729	2651	512	3163
8	नैनीताल	1416	725	2141	745	262	1007	2075	505	2580
योग पर्वतीय		8957	2643	11600	4275	1202	5477	13057	3437	16494
1	झांसी	1386	375	1761	587	255	842	2105	781	2886
2	ललितपुर	338	129	467	202	86	288	1103	233	1336
3	हमीरपुर	876	208	1084	697	173	870	2458	499	2957
4	जालीन	1146	309	1455	606	203	809	2105	465	2570
5	वादा	1054	186	1240	724	148	872	3259	420	3679
योग बुन्देलखंड		4800	1207	6007	2816	865	3681	11030	2398	13428
1	आगरा	2348	1202	3550	1272	959	2231	4109	1303	5412
2	अलीगढ़	2897	658	3555	1134	286	1420	4753	953	5706
3	एटा	1553	272	1825	860	237	1097	3604	640	4244
4	मैनपुरी	1640	253	1893	961	245	1206	3501	497	3998
5	मथुरा	1992	322	2314	739	286	1045	3175	700	3875
6	वरेली	1606	659	2265	764	237	1001	3486	946	4432
7	बिजनौर	1476	374	1850	631	185	816	2808	849	3657
8	बदायूं	896	286	1182	633	227	860	3431	772	4203
9	मुरादाबाद	1986	686	2672	1015	563	1578	5417	1153	6570

10 पीलीभीत	485	170	655	408	134	542	1625	532	2157
11 रामपुर	607	228	835	290	177	467	1632	322	1954
12 शाहजहाँपुर	718	296	1014	593	173	766	2795	543	3338
13 मेरठ	3839	1055	4894	1052	436	1488	5840	1022	6862
14 बुलन्दशहर	3101	428	3529	586	207	793	4595	549	5144
15 मुजफ्फरनगर	2174	529	2703	783	265	1048	4068	999	5067
16 सहारनपुर	2520	669	3189	938	415	1353	3832	1346	5178
17 इटावा	2193	267	2460	1189	335	1524	3908	634	4542
18 फर्रुखाबाद	1740	433	2173	1303	411	1714	3931	916	4847
19 गाजियाबाद	2212	612	2824	720	464	1184	2064	1424	3488
योग पश्चिमी	35983	9399	45382	15891	6242	22133	68574	16100	84674
1 लखनऊ	1924	1470	3394	1258	577	1835	2252	1594	3846
2 हरदोई	1000	234	1234	1140	345	1485	3987	743	4730
3 खीरी	850	211	1061	640	155	795	3532	509	4041
4 रायबरेली	1132	175	1307	956	187	1143	4171	541	4712
5 सीतापुर	877	265	1142	988	331	1319	3610	777	4387
6 उन्नाव	1223	176	1399	905	238	1143	3762	670	4432
7 बाराबंकी	751	113	864	868	232	1100	3862	862	4724
8 फतेहपुर	1348	157	1505	736	104	840	2983	721	3704
9 कानपुर	3410	1320	4730	2096	1235	3331	5732	2639	8371
योग केन्द्रीय	12515	4121	16636	9587	3404	12991	33891	9056	42947
योग उत्तर प्रदेश	96533	22537	119070	52640	17295	69935	203266	43404	246670

Xमाकड़े अनुमानित है।

सारिणी 21

जिलेवार महाविद्यालय छात्र संख्या एवं अध्यापक संख्या
(30 सितम्बर, 1981 की स्थिति के अनुसार) **

क्रम सं०	जनपद का नाम	विश्वविद्यालय का नाम जिससे महा-विद्यालय संबद्ध है	महाविद्यालयों की संख्या	छात्र संख्या	अध्यापक संख्या
1	2	3	4	5	6
1	फैजाबाद ..	अवध विश्वविद्यालय	6	7976	269
2	बहराइच ..	तदेव	3	2055	66
3	गोण्डा ..	तदेव	3	3081	136
4	प्रतापगढ़ ..	तदेव	7	3880	130
5	मुल्तानपुर ..	तदेव	5	3961	125
6	गोरखपुर ..	गोरखपुर विश्वविद्यालय	13	11787	323
7	आजमगढ़ ..	तदेव	14	10611	363
8	बस्ती	तदेव	8	7290	225
9	देवरिया	तदेव	11	11661	409
*** 10	वाराणसी	तदेव	19	16212	597
11	बलिया	तदेव	10	*7389	348
12	गाजीपुर	तदेव	9	3919	167
13	जौनपुर	तदेव	14	11141	404
14	मिर्जापुर	तदेव	4	2392	121
* 15	इलाहाबाद	इलाहाबाद विश्वविद्यालय कानपुर विश्वविद्यालय	10 } 9 } 19	16287	470
योग पूर्वी			146	119651	4153

1	2	3	4	5	6
1	देहरादन	गढ़वाल विश्वविद्यालय	7	8469	350
2	उत्तरकाशी	तदैव	1	369	33
3	टोहरी गढ़वाल	तदैव	1	676	35
4	पौड़ी गढ़वाल	तदैव	4	2454	150
5	चमोली	कुमायूं विश्वविद्यालय	3	1231	51
6	पिथौरागढ़	तदैव	3	2298	97
7	अल्मोड़ा	तदैव	4	2761	108
8	नैनीताल	तदैव	4	4753	151
योग पर्वतीय			27	23011	975
1	झासी	बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय	4	6835	132
2	ललितपुर	तदैव	2	562	20
3	हमीरपुर	तदैव	3	1234	45
4	जालौन	तदैव	5	3775	128
5	बादा	तदैव	3	3786	118
योग बुन्देलखण्ड			17	16192	443
1	आगरा	आगरा विश्वविद्यालय	13	19098	790
2	अलीगढ	तदैव	6	17980	380
3	एटा	तदैव	5	3486	152
4	मैनपुरी	तदैव	6	4767	187
5	मथुरा	तदैव	7	5493	227
6	वरेली	रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय	5	6858	252
7	बिजनौर	तदैव	6	4314	268
8	बदायूं	तदैव	2	1586	44
9	मुरादाबाद	तदैव	11	11999	435
10	पीलीभीत	तदैव	2	1106	25
11	रामपुर	तदैव	2	1842	107
12	शाहजहापुर	तदैव	2	1699	75
13	मेरठ	मेरठ विश्वविद्यालय	16	21913	820
14	बुलन्दशहर	तदैव	10	6753	282
15	मुजफ्फरनगर	तदैव	8	7543	277
16	सहारनपुर	तदैव	10	8286	264

1	2	3	4	5	6
17	इटावा	कानपुर विश्वविद्यालय	5	4187	202
18	फर्रुखाबाद	तदैव	9	4405	150
19	गाजियाबाद	मेरठ विश्वविद्यालय	11	12938	482
योग			136	146253	5419
1	लखनऊ	लखनऊ विश्वविद्यालय	19	21768	688
2	हरदोई	कानपुर विश्वविद्यालय	3	3060	63
3	लखीमपुर खीरी	तदैव	3	2936	86
4	रायबरेली	तदैव	5	3353	142
5	सीतापुर	तदैव	5	2569	77
6	उन्नाव	कानपुर विश्वविद्यालय	2	2356	76
7	बाराबंकी	श्रवध विश्वविद्यालय	1	1498	21
8	फतेहपुर	कानपुर विश्वविद्यालय	2	1389	29
9	कानपुर	तदैव	21	28500	1118
योग			61	67429	2300
योग, उत्तर प्रदेश			387	372536	13290

*इलाहाबाद मण्डल में पाच पुरुषों के पाच महिलाओं के महाविद्यालय इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सहयुक्त हैं। शेष सब महाविद्यालय कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं। कुल 16 महाविद्यालयों के अतिरिक्त 3 इलाहाबाद विश्वविद्यालय के ट्यूटोरियल

** आकड़े अनुमानित हैं।

*** वाराणसी में तीन महिला तथा एक पुरुष का कालेज, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है। शेष 15 गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं।

सारिणी संख्या 22
विकास खण्डों की सूची

क्रम- सं०	मंडल का नाम	जिले का नाम	उन विकास खंडों के नाम जहां वर्ष 1980-81 में केन्द्र खोले जा चुके हैं	उन विकास खंडों के नाम जहां 1981-82 में अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र खुलने प्रस्तावित हैं
1	2	3	4	5
1—मेरठ	1—सहारनपुर	1—सदौली, कदीम	1—पुबरका	
		2—सरसर्वा	2—नारसन	
		1—मौरना	1—थाना भवन	
		2—पुरकाजों	2—कैरानी	
		1—दौराला	1—खरखोवा	
		2—सेखरपुर खुदं	2—हारितनापुर	
2—आगरा	7—आगरा	1—गढमुक्तेश्वर	1—भोजपुर	
		2—सिवली	2—मुरादनगर	
		1—ऊंचागांव	1—बुलंदशहर	
		2—पहास	2—दानपुर	
		1—नजीबाबाद	1—कोतवाली	
		2—किरतपुर	2—मोपरपरमेल	
3—बरेली	12—बरेली	1—फतेहबाद	1—पिनाहार	
		2—किरावली	2—समसाबाद	
		1—बिसौली	1—अकबराबाद	
		2—मनसीरी	2—अतरौली	
		1—नंदगांव	1—सहपंऊ	
		2—छाता	2—हररु	
3—बरेली	13—मुरादाबाद	1—सौरी	1—सहावार	
		2—गंजडुंडवारा	2—माटियाली	
		1—एका	1—पैरगढ़	
		2—शिकोहाबाद	2—जैसराना	
		1—बहड़ी	1—रामनगर	
		2—रीछा	2—शेरगढ़	
3—बरेली	14—रामपुर	1—बहजोई	1—असमौली	
		2—होंगपुर	2—बलियाखेड़ा	
		1—सैदन नगर	1—चमरौआ	
		2—स्वार	2—शाहाबाद	
		1—जलालाबाद	1—जैतीपुर	
		2—सिदौली	2—कला	

1	2	3	4	5
	16—पीलीभीत	1—परनपुर	1—अमरिखी	
	17—बदायूं	2—अमरिया	2—ललोरोखेडा	
	18—इलाहाबाद	1—राजपुरा	1—जुलावई	
—इलाहाबाद	19—फतेहपुर	2—डुहगवां	2—सहसवान	
	20—फर्रुखाबाद	1—सिराथू	1—मूरतगंज	
	21—कानपुर	2—कौड़हार	2—सौरावं	
	22—इटावा	1—ऐराहा	1—मिखीरा	
	23—वाराणसी	2—असोधर	2—विजईपुर	
5—वाराणसी	24—जौनपुर	1—कायमगंज	1—कमालगज	
	25—मिर्जापुर	2—कन्नौज	2—जलालाबाद	
	26—गाजीपुर	1—घाटमपुर	1—अमरीथा	
	27—बलिया	2—विधनी	2—विल्हौर	
	28—लखनऊ	1—भरथना	1—बछलवा	
6—लखनऊ	29—रायबरेली	2—भायनगर	2—जसवन्तनगर	
	30—उन्नाव	1—औराई	1—ज्ञानपुर	
	31—हरदोई	2—चकिया	2—डीहाडीप	
	32—सीतापुर	1—शाहगंज	1—मछलीशहर	
	33—लखीमपुर	2—रामपुर	2—मडियाहू	
	34—गोरखपुर	1—म्योरपुर	1—हलिया	
7—गोरखपुर	35—बस्ती	2—धोरावल	2—मडिहान	
	36—देवरिया	1—मुहम्मदाबाद	1—भदौरा	
		2—गाजीपुर	2—रैवतीपुर	
		1—वास डीह	1—रैवती	
		2—मुरलीछपरा	2—दुवहड	
		1—काकोरी	1—गुगाईगंज	
		2—माल	2—मलिहाबाद	
		1—नसीराबाद	1—राही	
		2—महराजगज	2—तिलोई	
		1—औरास	1—मियागज	
		2—हसनगंज	2—नवावगंज	
		1—संडीला	1—कोठावा	
		2—भरवा	2—टरियावा	
		1—वेहा में	1—रामपुर, मथुरा	
		2—सकरन	2—रैक्सो	
		1—पतिया	1—नि हासन	
		2—विजवा	2—घोरधरा	
		1—पतवाला	1—निचलोल	
		2—नुधली	2—नौतनवा	
		1—इटावा	1—खनियावा	
		2—भौनापुर	2—हैसर	
		1—खड्डा	1—बिसनपुरा	
		2—नौर गिया	2—दुधई	

1	2	3	4	5
		37--भ्राजमगढ़	1--मिर्जापुर	1--मोहम्मदाबाद
8--फैजाबाद		38--फैजाबाद	2--बिलरियागंज	2--फूलपुर
		39--प्रतापगढ़	1--हस्टिनगंज	1--मसौधा
		40--बाराबंकी	2--मिलकीपुर	2--सौहावल
		41--सुल्तानपुर	1--कालाकाकर	1--मान्धाता
		42--बहराइच	2--गगरीरा	2--सांगीपुर
		43--गोन्डा	1--सिवंदरा	1--पूरे डलई
		44--झांसी	2--मगभी	2--ददौली
9--झांसी		45--ललितपुर	1--जगदीशपुर	1--कूडेभार
		46--जालौन	2--जामो	2--गौरीगंज
		47--बांदा	1--बलहा	1--जरवल
		48--हमीरपुर	2--मिहिनपुर	2--जमुनहा
		49--नैनीताल	1--गैसडी	1--रैहराबाजार
10--नैनीताल		50--अल्मोड़ा	2--पैचपेडवा	2--इटियाथोक
		51--पिथौरागढ़	1--बकोना	1--बाभीर
		52--पौड़ीगढ़-वाल	2--मऊरानीपुर	2--बडागांव
		53--देहरी गढ़वाल	1--तालवेहट	1--जखौर
		54--उत्तरकाशी	2--मंदघाडी	2--बिरिया
		55--चमोली	1--कदौरा	1--डकोर
		56--देहरादून	2--महोबा	2--नदीगाव
			1--बडोखर	1--चित्तकूट
			2--विसण्डा	2--महाडी
			1--साखारी	1--मोदहा
			2--जैतपुर	2--पनवारी
			1--काशीपुर	1--खटीमा
			2--बाजपुर	2--रामनगर
			1--धौलादेवी	1--चौखटिया
			2--गंरुण	2--तोकुला
			1--चम्पावत	1--दिगतड़ (डीडी-हाट)
			2--घारचूला	2--गंगोलीहाट
			1--श्लोसेण	1--खिरस
			2--नैगीडाडा	2--टुगड़डा
			1--सौनेपुर	1--मिलगना
			2--नरेन्द्रनगर	2--प्रतापनगर
			1--परौला	1--डुण्डा
			2--नौगांव	2--भटवाडी
			1--धराली	1--दसौली
			2--जोशीमठ	2--गैरसेण
			1--चकराता	1--डोईवाला
			2--कालसी	2--सहसपुर

सारिणी संख्या 23

जोन	क्रम- सं०	जनपद का नाम	संचालित अनी० केन्द्रों की संख्या		अध्यापको की संख्या		छात्रों की संख्या					
			प्राइमरी	मिडिल	पुरुष	महिला	बालक		बालिका		योग	
							प्राइमरी	मिडिल	प्राइमरी	मिडिल	प्राइमरी	मिडिल
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
पूर्वी क्षेत्र	1—इलाहाबाद	98	30	120	..	1554	535	676	2149	2221	2684	
	2—आजमगढ़	100	30	181	9	1656	541	666	150	2322	691	
	3—बहराइच	100	30	130	..	1318	294	301	10	1619	304	
	4—बलिया	100	30	130	..	1415	324	518	91	1933	415	
	5—बस्ती	100	30	139	11	1785	430	576	70	2361	509	
	6—देवरिया	100	30	124	6	1285	335	730	125	2015	460	
	7—फैजाबाद	100	30	129	1	1498	468	747	84	2245	552	
	8—गाजीपुर	100	30	129	1	1969	393	83	7	2052	400	
	9—गोण्डा	98	28	126	..	1745	219	461	4	2206	223	
	10—गोरखपुर	100	30	113	17	1144	303	788	156	1932	459	
	11—जौनपुर	100	30	125	5	1304	170	512	39	1816	209	
	12—मिर्जापुर	100	30	128	2	1768	415	634	38	2402	453	
	13—प्रतापगढ़	अप्राप्त	

बुलन्दशहर क्षेत्र	14—सुल्तानपुर	100	30	189	1	1764	522	526	101 ^F	2290	623
	15—वाराणसी	200	30	127	3	1976	478	582	102	2560	580
	1—बादा	100	30	129	1	1911	273	548	31	2459	304
	2—हमीरपुर	100	30	119	11	1767	599	501	71	2268	670
	3—जालौन	100	30	122	7	1174	301	1083	163	2257	464
	4—झासी	100	30	123	7	1262	102	465	43	1727	145
केन्द्रीय क्षेत्र	5—ललितपुर	100	30	119	11	1426	233	307	43	1733	276
	1—वाराणसी					—अप्राप्त—					
	2—हरदोई	97	25	120	..	1198	120	734	76	1932	196
	3—फतेहपुर	100	30	128	..	1799	476	709	101	2508	577
	4—कानपुर	100	30	130	..	1154	413	881	74	2035	487
	5—लखीमपुर खीरी	99	24	118	3	1172	135	465	12	1637	157
	6—लखनऊ	100	30	129	1	611	205	370	75	981	280
	7—रायबरेली	102	30	125	5	1407	358	731	149	2138	507
	8—सीतापुर	101	28	121	6	1606	290	496	18	2102	308
	9—उन्नाव	102	25	124	1	1706	367	556	52	2262	419
पश्चिमी क्षेत्र	1—आगरा					—अप्राप्त—					
	2—अलीगढ़					—अप्राप्त—					
	3—बरेली	91	21	112	..	1474	194	421	..	1895	294
	4—बिजनौर	91	19	103	5	1211	173	557	48	1768	221
	5—बदायूँ	100	15	149	..	1711	169	331	26	2042	195
	6—बुलन्दशहर	46	..	46	..	586	..	188	..	774	..
	7—एटा					—अप्राप्त—					
	8—इटावा	100	30	117	13	1543	725	834	45	2377	770
	9—फर्रुखाबाद	47	629	..	155	..	784	..

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
		10—मैनपुरी					—अप्राप्त—					
		11—मथुरा					—अप्राप्त—					
		12—मेरठ	93	13	106	..	695	56	993	42	1688	98
		13—मुरादाबाद	99	28	121	6	1513	387	456	126	1969	513
		14—मुजफ्फरनगर	101	30	129	..	1536	374	315	67	1551	441
		15—पीलीभीत	84	27	109	..	1170	570	326	164	1496	734
		16—रामपुर	97	30	127	..	1310	212	445	29	1755	241
		17—सहारनपुर	102	30	170	4	1005	309	445	29	1450	338
		18—शाहजहापुर	100	30	130	..	1471	356	563	113	2034	469
		19—गाजियाबाद	100	30	125	5	1000	143	613	44	1613	187
पूर्वतीय क्षेत्र		1—देहरादून	104	16	108	8	556	139	607	178	1163	317
		2—पौड़ी गढ़वाल	100	10	107	..	434	44	735	42	1169	86
		3—देहरी गढ़वाल					—अप्राप्त—					
		4—चमोली	75	7	81	..	273	14	458	17	731	31
		5—उत्तरकाशी	100	20	117	1	572	249	510	82	982	331
		6—नैनीताल	100	20	100	20	918	110	343	61	1261	171
		7—अल्मोड़ा	100	20	99	26	642	82	643	79	1285	161
		8—पिथौरागढ़	100	20	100	20	591	94	360	69	951	163

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण कार्यात्मक साक्षरता योजनान्तर्गत मास दिसम्बर-81 तक प्रौढ शिक्षा केन्द्रों की प्रगति का विवरण (द्वितीय चक्र 1981-82)

क्रम- संख्या	प्रखण्ड जनपद	खोले गए केन्द्र	पुरुष केन्द्र	महिला केन्द्र	मिश्रित केन्द्र	पंजी 0 प्रति	पु 0 पंजी प्रति	म 0 पजी प्रति	अनुसूचित जाति प्रतिभागी			जनजाति प्रतिभागी			
									पु 0	म 0	योग	पु 0	म 0	योग	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	
“क” पश्चिमी खण्ड															
1	सहारनपुर	300	217	83	..	7,070	4,957	2,113	2,395	913	3,308	
2	मेरठ	300	163	137	.	8,528	4,630	3,898	1,675	1,155	2,830	
3	बुलन्दशहर	300	171	125	4	7,638	4,436	3,202	1,268	551	1,819	
4	बरेली	300	249	50	1	8,616	7,242	1,374	1,629	302	1,931	
5	रामपुर	300	168	132	..	8,831	4,992	3,839	1,394	717	2,111	
6	बदायूँ	300	271	29	..	8,948	8,078	870	1,237	186	1,423	
7	मथुरा	300	177	116	7	8,371	5,144	3,227	1,110	509	1,619	20	7	27	
8	आगरा	300	197	103		8,427	5,635	2,792	915	646	1,561	
9	मैनपुरी	300	192	105	3	8,773	5,590	3,183	1,493	764	2,257	
10	इटावा	300	177	123		8,150	4,767	3,383	2,497	1,298	3,795	
	योग	3000	1982	1003	15	83,352	55,471	27,881	15,613	7,041	22,654	20	7	27	
“ख” बुन्देलखण्ड															
11	बादा	300	199	101	.	9,000	5,970	3,030	2,106	693	2,799	295	33	328	
12	झासी	300	188	112	..	8,891	5,600	3,291	1,857	875	2,732	63	6	69	
13	जालौन	300	201	99	.	8,401	5,663	2,738	2,656	1,005	3,661	
	योग	..	900	588	312	.	26,292	17,233	9,059	6,619	2,573	9,192	358	39	397

सारिणी—24

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण कार्यात्मक साक्षरता योजनान्तर्गत मास दिसम्बर-81 तक प्रौढ शिक्षा केन्द्रों की प्रगति का विवरण (द्वितीय चक्र 1981-82)

क्रम संख्या	प्रखण्ड जनपद	खोले गा. केन्द्र	पुरुष केन्द्र	महिला केन्द्र	मिश्रित केन्द्र	पञ्जी 0 प्रति	पू 0 पंजी प्रति	म 0 पंजी प्रति	अनुसूचित जाति प्रतिभागी			जनजाति प्रतिभागी		
									पू 0	म 0	योग	पू 0	म 0	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
(ग) पूर्वी प्रखण्ड														
14	बहराइच	286	209	67	10	8,167	6,313	1,854	1,821	344	2,165	13	..	13
15	फैजाबाद	300	184	102	14	8,757	5,705	3,052	2,437	1,145	3,582	..	2	2
16	प्रतापगढ़	300	191	109	..	8,957	5,717	3,240	2,417	1,024	3,441
17	देवरिया	300	175	125	..	8,875	5,250	3,625	1,357	768	2,125
18	बस्ती	300	200	100	..	8,883	5,967	2,916	2,114	779	2,893
19	आजमगढ़	300	210	90	..	8,910	6,240	2,670	2,552	1,033	3,585
20	वाराणसी	300	192	108	..	8,999	5,759	3,240	1,766	509	2,275	14	..	14
21	मिर्जापुर	300	202	98	..	8,991	6,056	2,935	3,386	1,136	4,522	177	49	226
22	गाजीपुर	300	180	120	..	8,922	5,329	3,593	1,733	829	2,562
23	इलाहाबाद	300	200	36	64	7,801	6,356	1,445	2,820	412	3,240
24	सुल्तानपुर	300	194	104	..	8,987	5,867	3,120	2,343	882	3,235
योग .		3286	2137	1059	90	96,249	64,559	31,690	24,754	8,861	33,615	204	51	255

(घ) केन्द्रीय प्रखण्ड

25 कानपुर	300	189	111	..	8,324	5,407	2,917	2,072	783	2,855
26 लखनऊ—													
1—मोहनलालगंज	295	200	95	..	7,916	5,349	2,567	3,334	979	4,313
2—काकोरी	268	185	83	..	6,790	5,085	1,705	3,436	1,280	4,716
27 रायबरेली	300	185	115	..	8,974	5,571	3,403	3,578	1,721	5,299
28 सीतापुर	300	216	84	..	8,970	6,480	2,490	2,633	930	3,563
29 बाराबंकी	241	199	42	..	6,965	5,714	1,251	2,446	542	2,988	44	1	45
योग	1,704	1,174	530	..	47,939	33,606	14,333	17,499	6,235	23,734	44	1	45

(ङ) पर्वतीय प्रखण्ड—

30 अल्मोडा	223	6	109	108	5,371	949	4,422	449	934	1,393
31 नैनीताल—													
1—रूद्रपुर	300	146	124	30	8,168	4,481	3,687	456	396	852	2,036	1,580	3,616
2—गमगढ	46	13	19	14	1,222	742	480	24	24	48	5	6	11
32 पौड़ी	300	4	81	215	8,991	1,507	7,484	380	721	1,101
33 टिहरी	297	4	112	181	6,430	1,328	5,102	415	617	1,032
34 देहरादून	300	92	114	94	8,177	3,612	4,565	938	1,017	1,955	482	474	956
योग	1,466	265	559	642	38,359	12,619	25,740	2,662	3,709	6,371	2,523	2,060	8,583

सारिणी—24

उत्तर प्रदेश में ग्रामीण कार्यात्मक साक्षरता योजनान्तर्गत माम दिसम्बर 1981 तक प्रौढ शिक्षा केन्द्रों की प्रगति का विवरण (द्वितीय चक्र 1981-82)

क्रम संख्या	प्रखण्ड जनपद	खोले गए केन्द्र	पुरुष केन्द्र	महिला केन्द्र	मिश्रित पंजी 0 केन्द्र प्रति	पुंजी 0 प्रति	म 0 प्रति	अनुसूचित जाति प्रतिभागी			जनजाति प्रतिभागी			
								पुंजी 0	म 0	योग	पुंजी 0	म 0	योग	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
राज्य सरकार द्वारा संचालित 100-100 केन्द्रों को दस नई मैदानी परियोजनाओं की सूचना														
1	उन्नाव	100	60	40	..	2,485	1,492	993	702	489	1,191
2	फतेहपुर	86	50	36	..				प्रतिभागियों का विवरण			अप्राप्त है।		
3	मुरादाबाद	72	62	10	तदेव						
4	अलीगढ़	42	42	तदेव						
योग		300	214	86	..	2,485	1,492	993	702	489	1,191
महायोग		10,656	6,360	3,549	747	2,94,676	1,84,980	1,09,696	67,849	28,908	96,757	3,149	2,158	5,307

जनपद हमीरपुर, गोरखपुर, फर्रुखाबाद, गोण्डा, हरदोई और मुजफ्फरनगर में संचालित 100 प्रौढ शिक्षा केन्द्रों के खुलने की सूचना आख्या प्रस्तुत करते समय तक प्राप्त नहीं हुई थी।

आख्यागत मास में उपलब्ध पंजीकृत प्रतिभागियों में से :—

अ—पुरुष—62.9 प्रतिशत (ब) महिला—37.8 प्रतिशत

उपलब्ध पंजीकृत प्रतिभागियों में से :—

(अ) अनुसूचित जाति के प्रतिभागी .. 32.7 प्रतिशत

(ब) अनुसूचित जनजाति में प्रतिभागी .. 1.8 प्रतिशत

(स) अन्य जाति के प्रतिभागी .. 65.5 प्रतिशत

पी 0 एस 0 यू 0 पी 0—ए 0 पी 0—40 शिक्षा 14-1-82 (3328) 1982-2,000 (हिन्दी)।